नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 14
अंक : 04
सोमवार, 26 फरवरी से 03 मार्च 2024
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

हेल्थ केयर पर ईजेरेक्स और इम्जेनेक्स ने हाथ मिलाया 03
आमने सामने का चुनाव मैदान सजा! 08

NCR समाचार

केएल राहुल पांचवें टेस्ट से बाहर, बुमराह की वापसी 10
बच्चों का व्यक्तित्व विकास कैसे हो 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
BY C.R.O. TEAM
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

जल्द दुल्हन पबनेंगी तापसी! 12

पीएम मोदी ने झारखंड को दी लगभग 36 हजार करोड़ की सौगात

मोदी की गारंटी पूरी हुई : प्रधानमंत्री

- झारखंड के लोगों से 2018 में पीएम मोदी ने जो किया था वादा आज उसे निभाया

एनसीआर समाचार

धनबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को धनबाद में 35 हजार 700 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इनमें हर्ल सिंदरी, मोहनपुर हंसडीहा नई रेललाइन, देवघर-डिब्रुगढ़ ट्रेन, टोरी शिवपुर बिरादरी रेल लाइन और एनटीपीसी एसएसटीपी चतरा समेत अन्य योजनाएं शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने नई ट्रेनों को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री ने धनबाद जिले के सिंदरी में हर्ल उर्वरक संयंत्र का लोकार्पण करने के बाद कहा कि मैंने वर्ष 2018 में बंद पड़े इस खाद कारखाने को चालू करने का संकल्प लिया था। मैंने आपसे कहा था कि इस कारखाने को चालू करवाऊंगा। आज इसका लोकार्पण हुआ है। ये मोदी की गारंटी थी और आज ये गारंटी पूरी हुई। मोदी ने हर्ल के सीसीआर का निरीक्षण करने के बाद प्लांट में काम करने वाले 47 मजदूरों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की।

पीएम मोदी ने कहा कि आज झारखंड को 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का उपहार मिला है। मैं अपने किसान भाइयों को, आदिवासी समाज के लोगों को और झारखंड की जनता को इन योजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि जो पैसे बचेंगे, उसे किसानों के हित में खर्च किया जा सकेगा। साथ ही कहा कि आज सिर्फ सिंदरी कारखाने की ही शुरूआत नहीं हुई है, बल्कि रोजगार के हजारों नए अवसरों की भी शुरूआत हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 360 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन हो रहा है। इससे किसान आत्मनिर्भर बन रहे हैं। वर्ष 2014 में जब मैं सरकार में आया, तो उस समय 225 लाख मीट्रिक टन यूरिया का भारत में उत्पादन होता था। उन्होंने कहा कि यूरिया का आयात विदेश से करना पड़ता था, जिससे देश को आर्थिक नुकसान होता था।

2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य

पीएम मोदी ने कहा कि देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आगामी 2047 तक विकसित भारत बन जाएगा। आज के समय में भारत 8.4 प्रतिशत की दर से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज से संपन्न राज्य है। अब लोग इसे किसानों का राज्य भी मानेंगे। क्योंकि, यहां के किसान भी जल्द आत्मनिर्भर होंगे। अपनी जमीन से बेहतर पैदावार लेंगे। केंद्र सरकार हर तरफ से झारखंड को भी सहयोग कर रही है। मोदी ने कहा कि सरकार ने जो संकल्प लिया वो पूरा किया। पिछले कुछ सालों में सरकार ने यूरिया का उत्पादन बढ़ाने पर बल दिया, जिसमें सफलता भी मिली। इसके लिए रामकुंडम समेत कई इलाकों में कारखाने शुरू किये गये। ट्रेन की क्षेत्र में भी झारखंड के यात्रियों को कई सुविधाएं मिलेगी। इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इससे राज्य की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के साथ आर्थिक गति मिलेगी। 2047 के पहले भारत को विकसित बनाने का संकल्प है।

झारखंड के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयासरत

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जनजातीय समाज गरीबों युवाओं और महिलाओं को अपने सर्वोच्च प्राथमिकता बनाकर झारखंड के लिए दिया है। साथ ही विश्वास दिलाया कि जनजातीय समाज के लिए समाज के लिए झारखंड वासियों के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आज रेल क्रांति का नया अध्याय लिखा है। नई रेल लाइन बिछाने और मौजूदा रेल लाइन में भी बदलाव जारी है। धनबाद-चंद्रपुरा को सुरक्षित स्थानों पर नया रेल लाइन उपलब्ध होगा। देवघर-डिब्रूगढ़ ट्रेन से श्रद्धालु मां कामाख्या की शक्ति की पीठ का दर्शन कर पाएंगे। वाराणसी में कोलकाता से रांची एक्सप्रेस आधारशिला रखी गई है।

753 करोड़ की रेल योजना

रेल मंत्रालय के अनुसार 753.48 करोड़ की मोहनपुर हंसडीहा रेल लाइन की लंबाई 38.110 किलोमीटर है। इस रेललाइन में पांच स्टेशन मोहनपुर, खड़ियाडीह, हरलाटांड़, ककनी व हंसडीहा है। इस नई रेललाइन में पहली बार चलने वाली देवघर डिब्रुगढ़ ट्रेन है। यह नई रेललाइन के चालू होने से देवघर से गोड्डा रेल लाइन से सीधे तौर पर जुड़ जायेगा। देवघर और गोड्डा आने जाने वाले यात्रियों को दुमका व नोनीहाट से गुजरना नहीं पड़ेगा। इस रेल लाइन के चालू होने से यात्रियों के ढाई घंटे की बचत होगी।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को 195 उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित की। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में आज शाम यहां प्रेस कांफ्रेंस में उम्मीदवारों की घोषणा की गयी। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 16 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों से 195 सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किये हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी परंपरागत सीट वाराणसी से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा उम्मीदवारों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत तथा 34 केंद्रीय और राज्यमंत्री शामिल हैं।

राज्यवार सूची में उत्तर प्रदेश की 51, पश्चिम बंगाल की 26, मध्य प्रदेश की 24, गुजरात की 15, राजस्थान की 15, केरल की 12, तेलंगाना की नौ, असम की 11, झारखंड की 11 छत्तीसगढ़ की 11, दिल्ली की पांच, जम्मू कश्मीर की दो, उत्तराखंड की तीन, गोवा, अंडमान और दमन की एक-एक सीट के लिए उम्मीदवार घोषित किये गये हैं।

राज्यवार उम्मीदवारों की समूची इस प्रकार है..

उत्तर प्रदेश : वाराणसी - नरेंद्र मोदी , कैराना - प्रदीप कुमार , मुजफ्फरनगर - संजीव बालियान , नगीना - ओम कुमार , रामपुर - घनशयाम लोधी , सम्भल - परमेश्वर सैनी , अमरोहा - कंवर सिंह तंवर , नोएडा - डॉ महेश शर्मा , बुलन्दशहर - भोला सिंह , मथुरा - हेमा मालिनी , आगरा- एसपी सिंह बघेल , फतेहपुर - राजकुमार चहर , एटा - राजवीर सिंह , आंवला - धर्मेंद्र कश्यप , शाहजहांपुर - अरुण सागर , लखीमपुर - अजय मिश्रा टेनी , धौरहरा - रेखा वर्मा , सीतापुर - राजेश वर्मा , हरदोई - जय प्रकाश रावत , मिश्रिख - अशोक रावत , उन्नाव - साक्षी महाराज , मोहनलालगंज - कौशल किशोर , लखनऊ - राजनाथ सिंह , अमेठी - स्मृति ईरानी , प्रतापगढ़ - संगम लाल गुप्ता , फरूखाबाद - मुकेश राजपूत , इटावा - राम शंकर कठेरिया , कन्नौज - सुब्रत पाठक , अकबर नगर - देवेंद्र भोले , जालौन - भानु प्रताप सिंह वर्मा , झांसी - अनुराग शर्मा , हमीरपुर - पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, बांदा - आरके सिंह पटेल , फतेहपुर - निरंजन ज्योति , बाराबंकी - उपेंद्र रावत , अयोध्या - लल्लू सिंह , अम्बेडकरनगर - रितेश पांडेय , श्रावस्ती - साकेत मिश्रा , गोंडा - कीर्तिवर्धन सिंह , डुमरियागंज - जगदम्बिका पाल , बस्ती - हरीश द्विवेदी , संतकबीरनगर - प्रवीण निषाद , महराजगंज - पंकज चौधरी , गोरखपुर - रवि किशन , कुशीनगर - विजय दुबे , बांसगांव - कमलेश पासवान , लालगंज - नीलम सोनकर , आजमगढ़ - दिनेश लाल यादव निरहुआ , सलेमपुर - रविन्द्र कुशवाहा , जौनपुर - कृपा शंकर सिंह , चंदौली - महेंद्र पांडेय ।

दिल्ली: चांदनी चौक - प्रवीण खंडेलवाल , उत्तर पूर्वी दिल्ली - मनोज तिवारी , नयी दिल्ली - बांसुरी स्वराज , पश्चिमी दिल्ली -श्रीमती कमलजीत सहरावत , दक्षिणी दिल्ली - रामवीर सिंह विधूड़ी ।

छत्तीसगढ: सरगुजा- चिंतामणि महाराज , रायगढ़ (अजजा)- राधेश्याम राठिया , जांजगीर-चांपा(अजा)- श्रीमती कमलेश जांगड़े , कोरबा -सुश्री सरोज पांडे , बिलासपुर - तोखन साहू , राजनांदगांव -संतोष पांडे ,दुर्ग- विजय बघेल , रायपुर - बृजमोहन अग्रवाल , बस्तर(अजजा)- महेश कश्यप , महासमुंद -श्रीमती रूप कुमार चौधरी , कांकेर (अजजा)- भोजराज नाग।

'डबल इंजन' की सरकार 'जंगलराज' की गारंटी : राहुल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के 'डबल इंजन' सरकार के नारे की हवा निकालते आज कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं उससे साबित होता है कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार 'जंगलराज' की गारंटी है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आज कहा भाजपा और मोदी मीडिया मिल कर कैसे 'झूठ का कारोबार' कर रहे हैं, उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था उसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कहीं पेड़ से लटके नाबालिग बहनों के शव तो कहीं ईंटों से कुचल कर हत्या की वारदात।

गौतम गंभीर ने लोकसभा चुनाव न लड़ने की जतायी इच्छा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद गौतम गंभीर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा से उन्हें राजनीतिक दायित्वों से मुक्त करने का अनुरोध किया है ताकि वह क्रिकेट संबंधी अपनी आगामी प्रतिबद्धताओं पर ध्यान दे सकें। पूर्वी दिल्ली से सांसद गंभीर ने उन्हें लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार भी व्यक्त किया।

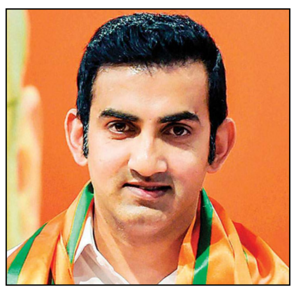

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "मैंने पार्टी अध्यक्ष जे. पी. नड्डा से मुझे मेरे राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने का आग्रह किया है ताकि मैं अपनी आगामी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करता हूं। जय हिंद।"

गंभीर ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब भाजपा में ऐसी अटकलें हैं कि आगामी आम चुनाव में पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से उनके स्थान पर किसी और को टिकट दिया जा सकता है।

भाजपा ने अभी दिल्ली में सात लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है।

पूर्वी दिल्ली सीट के लिए भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा, महासचिव हर्ष मल्होत्रा और प्रदेश कोषाध्यक्ष विष्णु मित्तल समेत कई लोगों को संभावित उम्मीदवार बताया जा रहा है। गंभीर के करीबी लोगों के अनुसार, वह इस बार भी पूर्वी दिल्ली सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार थे। हालांकि, उनके द्वारा अचानक लिए गए फैसले के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

सूत्रों ने दावा किया कि गंभीर ने बृहस्पतिवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी एल संतोष से मुलाकात की थी और शनिवार को सोशल मीडिया पर उनका पोस्ट इस बैठक का नतीजा हो सकता है।

बेरोजगारी से तंग युवक विदेश में बन रहे हैं बंधक : कांग्रेस

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि देश में बेरोजगारी चरम पर है और रोजी- रोटी के संकट से पीड़ित युवकों को रोजगार के नाम पर बहला फुसराकर रूस तथा इजराइल जैसे देशों में भेजा जा रहा है जहां उन्हें बंधक बनकर काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति के आमंत्रित स्थाई सदस्य तथा पार्टी की छात्र इकाई एनएसयूआई की प्रभारी कन्हैया कुमार ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस में भारतीय नौजवानों को बंधक बनाकर रखा गया है क्योंकि अपने देश में नौजवानों के लिए 'मृत काल' चल रहा है।

श्री कुमार ने कहा, "रूस के पास अपनी स्थायी सेना नहीं है और वहां सेना कांट्रैक्ट पर चलती है। जैसे अब हमारे देश में 'अग्निवीर' का मॉडल लाया गया है। गुजरात का एक नौजवान सिविलियन वर्क के लिए रूस गया था लेकिन वहां उसकी मौत हो गई है। इस संवेदनशील मुद्दे पर चारों तरफ चुप्पी है। उन्होंने कहा, "अगर देश के नौजवान अपने देश के लिए शहादत देते हैं तो यह देशभक्ति है लेकिन दूसरे देश की लड़ाई में भारतीय नौजवानों को क्यों जाना पड़ रहा है। क्योंकि हमारे देश में नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। देश में पिछले 10 साल में बेरोजगारी दर दोगुनी हो गई है। केंद्रीय विभागों में लाखों पद खाली हैं और सरकारी क्षेत्रों की हालत काफी खराब है। कांग्रेस नेता ने कहा, "देश में बेरोजगारी के हालात ऐसे हैं कि- एक घंटे में 2 नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं।यदि मोदी सरकार हर साल दो करोड़ नौकरियां देती तो नौजवानों को विदेश न जाना पड़ता। देश के नौजवानों की मजबूरी का फायदा उठाकर, विदेश के सपने दिखाकर युवाओं को इजराइल में मजदूरी के लिए भेज दिया गया और देश के युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62
फोन :
8888883968
9811111715

अब नेता चुनाव में नहीं कर सकेंगे झूठे वादे

भड़काऊ भाषण पर चुनाव आयोग सख्त, कहा - ऐसी घोषणा न करें जो पूरी नहीं कर सकते

- लोकसभा चुनाव से पहले इलेक्शन कमीशन ने राजनीतिक दलों से कहा- भाषणों के दौरान कोई भी ऐसी बात ना कहें जिससे जनभावना भड़कती हों
- किसी भी तरह से प्रचार से सांप्रदायिक तनाव पैदा नहीं होना चाहिए

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में झूठे वादों को लेकर चुनाव आयोग सख्त हो गया है। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा करने से पहले तमाम राजनीतिक दलों को प्रचार के दौरान मर्यादा और संयम बनाए रखने की बात कही है। साथ ही चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

आयोग ने तमाम राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपने चुनावी प्रचार के दौरान अपने या किसी भी पड़ोसी राज्य में इस तरह की किसी भी घोषणा नहीं कर सकते। जिसमें मतदाताओं को लुभाने वाले वादे हो। इसे वोट देने के लिए मतदाताओं को रिश्वत देना माना जाएगा।

यदि किसी भी राज्य सरकार ने ऐसा किया तो इसे आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। इसके साथ ही आयोग ने तमाम राजनीतिक दलों, नेताओं और चुनाव से संबंधित घोषित किए जाने वाले उम्मीदवारों को यह भी कहा है कि वह जनप्रचार के दौरान मर्यादा और संयम बनाए रखें। भाषणों के दौरान कोई भी ऐसी बात ना कहें जिससे जनभावना भड़कती है। किसी भी तरह से प्रचार से सांप्रदायिक तनाव पैदा नहीं होना चाहिए।

मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारा समेत तमाम धर्मों के किसी भी धार्मिक स्थलों को चुनावी प्रचार के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। स्टार प्रचारकों को भी कहा गया है कि वह भी अपने प्रचार के दौरान मर्यादा में रहें। राजनीतिक पार्टियों के बनने वाले स्टार प्रचारकों और नेताओं को कहा गया है पिछले चुनावों में जिस-जिस ने भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया था।

टिकट बंटवारे में सेलिब्रिटीज पर मेहरबान रहेगी बीजेपी !

- आज लोकसभा की पहली लिस्ट जारी कर सकती है बीजेपी
- युवराज सिंह को गुरदासपुर, अक्षय कुमार को चंडीगढ़ और जया प्रदा को साउथ से उम्मीदवार बना सकती है बीजेपी

नई दिल्ली। बीजेपी कल लोकसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी कर सकती है। इस लिस्ट में बॉलीवुड के कुछ लोग भी शामिल रहेंगे। जानकारी के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में कई सेलिब्रिटीज को चुनावी मैदान में उतार सकती है। इनमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह को बीजेपी गुरदासपुर से उम्मीदवार बना सकती है, वहीं अभिनेता अक्षय कुमार को दिल्ली की चांदनी चौक सीट से टिकट दिया जा सकता है। बीजेपी पूर्व सांसद और फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा को दक्षिण भारत की किसी सीट से चुनाव लड़वा सकती है।

गठबंधन के बीच एक-दो दिन में बन जाएगी बात

जानकारी मिली है कि बीजेपी बिहार, पंजाब और आंध्र प्रदेश में अगले दो दिनों में गठबंधन के गणित को सुलझा लेगी और क्षेत्रीय दलों से बातचीत के बाद जल्द से जल्द उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा की जाएगी। पंजाब में अकाली दल, आंध्र प्रदेश में टीडीपी और बिहार में जदयू, एलजेपी, जीतन राम मांझी के हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के साथ समझौता होना है। माना जा रहा है 3 मार्च की शाम तक तस्वीर साफ हो जाएगी कि बीजेपी किसे कहां से चुनावी रण में उतारने वाली है।

भारतीय जनता पार्टी की गुरुवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि बीजेपी आने वाले दिनों में लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। इस लिस्ट में उन उम्मीदवारों का नाम होगा, जिनकी स्थिति मजबूत है. इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का नाम शामिल था. अब सूत्रों के जरिए जानकारी मिल रही है कि बीजेपी कई सेलिब्रिटीज को टिकट देकर चुनावी माइलेज हासिल करने की कोशिश में है. हालांकि ये वही सीटें हैं, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में है।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

इजराइली सुरक्षा बलों ने गाजा शहर में भीड़ पर चलाई गोली

100 से ज्यादा की मौत,700 से अधिक घायल

एनसीआर समाचार

गाजा। इजराइली सुरक्षा बलों ने कल गाजा शहर में मदद लेकर पहुंचे ट्रकों के पास अचानक एकत्र हुई भीड़ पर गोलियों की बौछार कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम 100 से लोग मारे गए और लगभग 700 घायल हो गए। अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी फिलिस्तीनी प्राधिकरण समाचार एजेंसी और एक इजरायली अधिकारी के हवाले से दी। वहीं, गाजा सिटी क्षेत्र में गुरुवार को एक खाद्य काफिले के आसपास हुई घटना में 100 लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार, यह सब अचानक हुआ। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा, इस 'नरसंहार' में 100 से अधिक लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हो गए। इजराइली टैंकों ने हजारों मशीनगनों से गोलीबारी की। यह भीड़ सहायता आने की प्रतीक्षा कर रही थी। एक इजराइली अधिकारी ने स्वीकार किया कि सैनिकों ने गोलीबारी की और अधिकांश लोग भगदड़ में मारे गए या घायल हुए। इजराइली सेना ने कहा है कि गाजावासी सहायता ट्रकों को घेरकर आपूर्ति लूट रहे थे। इस घटनाक्रम पर हमास के एक कमांडर ने चेतावनी दी कि इससे संघर्ष विराम वार्ता पटरी से उतर सकती है। उल्लेखनीय है कि इजराइल और फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के बीच गाजा में सात अक्टूबर से युद्ध छिड़ा हुआ है।

गुटेरेस ने गाजा में खाद्य काफिले के आसपास 100 से अधिक लोगों की हत्या की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को बयान जारी कर उत्तरी गाजा में एक दुर्घटना में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की निंदा की और संघर्ष विराम की मांग की। फि लिस्तीन समाचार एजेंसी वफा के मुताबिक, "गाजा के स्वास्थ्य मंत्री ने अपने बयान में कहा कि 8 अक्टूबर, जब से इजराइल ने हमला किया, तब से गाजा में मृतकों की संख्या 30 हजार के पार पहुंच गई है। वहीं, गाजा सिटी क्षेत्र में गुरुवार को एक खाद्य काफिले के आसपास हुई घटना में 104 लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हो गए।" एजेंसी ने चिकित्सकीय सूत्रों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि मानवीय सहायता के लिए ट्रक का इंतजार कर रहे लोगों पर इजराइली सैनिकों ने भारी मशीनगनों से हमला किया। डुजारिक ने कहा, "सेक्रेटरी जनरल ने उत्तरी गाजा में हुए उस हमले की निंदा की, जिसकी जद में आकर जीवन रक्षक सहायता की मांग करने वाले लोग मारे गए।" उन्होंने कहा, "गुटेरेस गाजा के संघर्ष में लोगों के मारे जाने से स्तब्ध हैं। इस संघर्ष की जद में आकर कथित तौर पर 30 हजार लोग मारे गए और 70 हजार लोग घायल हो गए। यही नहीं, कई लोग मलबे के नीचे भी दबे हुए हो सकते हैं, लेकिन अभी तक उसकी कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में इजराइल का जिक्र नहीं किया। वहीं, डुजारिक ने पत्रकारों को बताया कि संयुक्त राष्ट्र को अभी तक इसकी प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है कि क्या हुआ, लेकिन हिंसा के कारण यह घटना हुई।

गाजा में 100 लोगों की मौत पर बाइडन और अल-थानी ने जताया दुख

वाशिंगटन। इस्राइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने गाजा में गुरुवार को मारे गए 104 फलस्तीनियों की घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने युद्ध विराम की आवश्यकता को जाहिर करते हुए मानवीय सहायता बढ़ाने पर जोर दिया। गौरतलब है कि इस्राइल और हमास के बीच सात अक्तूबर से युद्ध जारी है, जब हमास ने पांच हजार इस्राइली शहरों पर दागे थे। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के करीब 30000 लोगों की मौत हो चुकी है।

दोनों नेताओं ने बंधकों की रिहाई पर भी बात

व्हाइट हाउस ने दोनों नेताओं की बात के बाद एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने नागरिक जीवन के नुकसान पर दुख व्यक्त किया है। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि जल्द से जल्द गाजा में जारी युद्ध पर रोक लगानी होगी। युद्ध विराम के साथ-साथ दोनों नेताओं ने बंधकों की रिहाई पर भी बात की। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं की एक राय है कि हमास को बिना किसी देरी के बंधकों को रिहा करना चाहिए। उन्होंने सहायता सामाग्री को हर एक फलस्तीनी तक पहुंचाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

पति की हत्या के आरोप में पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंबरनाथ में अपने 48 वर्षीय पति की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में एक महिला, उसके प्रेमी और सुपारी लेकर हत्या करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अंबरनाथ पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक जगन्नाथ कालस्कर ने बताया कि 25 फरवरी को हुई हत्या के सिलसिले में पुलिस ने एक लड़के को भी हिरासत में लिया है, जिसने सुपारी लेकर हत्या करने वाले व्यक्ति का साथ दिया था। उन्होंने बताया कि महिला का पति रमेश झा पिछले रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे अपने कार्यस्थल की ओर जा रहा था तभी आरोपियों ने उसे अंबरनाथ-बदलापुर रोड पर एक भोजनालय के पास रोक लिया और उसपर कई बार चाकू से हमला किया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर आखिरकार पुलिस ने आरोपियों का पता लगा ही लिया। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यह पता चला कि मृतक की पत्नी 10 साल दिल्ली में रही थी और आरोपी के साथ उसके संबंध थे। शादी होने पर अंबरनाथ आने के बाद भी उसका संबंध कायम रहा। अधिकारी ने बताया कि जब महिला के पति को इस बारे में पता चला तो उसने इसका विरोध किया, इसके बाद महिला ने उसे खत्म करने की साजिश रची और इस काम के लिए सुपारी लेकर हत्या करने वाले एक अपराधी से संपर्क किया । वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी दिल्ली भाग गए। इस सूचना के आधार पर, अंबरनाथ पुलिस की एक टीम राष्ट्रीय राजधानी गई और वहां दोनों को पकड़ लिया।

केरल में छात्र की मौत के मामले में दो और लोग गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

वायनाड (केरल)। केरल पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के एक छात्र की हाल में हुई मौत के मामले में शुक्रवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया।

जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस के अत्यधिक दबाव के कारण दोनों ने बृहस्पतिवार रात आत्मसमर्पण कर दिया था। उन्होंने बताया कि इनके अलावा एक अन्य आरोपी को कोल्लम जिले से पकड़ा गया था और वह फिलहाल हिरासत में है लेकिन उसकी गिरफ्तारी अभी दर्ज नहीं की गई है।

पुलिस ने बताया कि ये तीनों इस मामले के 12 मुख्य आरोपियों में शामिल हैं।

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन स्नातक के द्वितीय वर्ष के सिद्धार्थन(20) की मौत के मामले मंञ अब तक कुल नौ छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। सिद्धार्थन का शव 18 फरवरी को छात्रावास के स्नानघर में लटका हुआ मिला था। राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री जी आर अनिल ने शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की जिसके बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि सरकार इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी और कॉलेज प्राधिकारियों सहित जो भी इसमें शामिल पाया जाएगा उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, "यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है।"

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के सी वेणुगोपाल और युवा कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष राहुल ममकूटथिल ने भी पीड़ित के परिवार से मुलाकात की।

वेणुगोपाल ने पीड़ित से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से कहा, "यह साफ तौर पर हत्या का मामला है।"

उन्होंने सवाल किया कि कॉलेज प्राधिकारी ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कर रहे हैं।

वेणुगोपाल ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर' स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) को आपराधिक संगठन में बदलने का भी आरोप लगाया।

बांग्लादेश में आग लगने से 46 लोगों की मौत

एनसीआर समाचार

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सात मंजिला इमारत में बृहस्पतिवार रात आग लगने से कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग घायल हो गए। आग लगने की यह घटना ढाका के बेली रोड इलाके में 'ग्रीन कोजी कॉटेज' इमारत में हुई। यह घटना बांग्लादेश में हालिया वर्षों में आग लगने की सबसे भीषण घटनाओं में एक है।

दमकल सेवा के अधिकारियों ने बताया कि इमारत की पहली मंजिल पर स्थित लोकप्रिय रेस्तरां 'कच्ची भाई' में बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजकर 50 मिनट पर आग लग गई जो तेजी से ऊपर की मंजिलों में भी फैल गई। इन मंजिलों पर रेस्तरां एवं कपड़े की दुकानें थीं।

बांग्लादेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सामंत लाल सेन ने शुक्रवार को कहा कि ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) में 33 और 'शेख हसीना नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी' में 10 शवों को लाया गया तथा एक अन्य व्यक्ति की 'पुलिस अस्पताल' में मौत हो गई। ढाका के उपजिलाधिकारी (एनडीसी) मुस्तफा अब्दुल्ला अल नूर ने 'द डेली स्टार' समाचार पत्र को बताया कि डीएमसीएच की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती एक और घायल व्यक्ति की सुबह करीब सात बजे मौत हो गई।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाणिज्यिक इमारत में आग लगने की इस घटना पर करीब से नजर रख रही हैं।

अब तक 39 शवों की पहचान हो चुकी है। इनमें से, कम से कम 31 शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। बाकी शव डीएनए जांच के बाद परिजनों को सौंपे जाएंगे।

मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि डीएमसीएच और 'शेख हसीना नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी' में 22 लोगों का उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत "नाजुक" है।

सेन स्वयं भी चिकित्सक हैं। उन्होंने 'डीएमसीएच' में संवाददाताओं से कहा "बचाए गए लोगों का श्वसन तंत्र गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि इमारत से 75 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें से 42 लोग बेहोश थे। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर दमकल सेवा की 13 गाड़ियों को भेजा गया।

चिकित्सकों ने कहा कि कुछ लोगों के शव इतनी बुरी तरह झुलस गए हैं कि उनकी पहचान कर पाना मुश्किल है। उन्होंने मृतक संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।

पुतिन ने कहा-अमेरिका के साथ रूस वार्ता को तैयार

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अमेरिका के प्रति स्वर नरम और बदले-बदले नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ रूस हथियार-नियंत्रण वार्ता फिर से शुरू करने के लिए तैयार है।

पुतिन ने यह घोषणा अपने वार्षिक राष्ट्र के नाम संदेश में की। पुतिन के राष्ट्र के नाम संदेश का देश में सीधा प्रसारण किया गया।

अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पुतिन ने कहा कि पश्चिम आज परमाणु संघर्ष का जोखिम उठा रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि अगर पश्चिमी देशों ने यूक्रेन युद्ध में अधिक सीधा हस्तक्षेप किया तो उसे परमाणु प्रतिक्रिया की संभावना का सामना करना पड़ेगा। रूसी नेता ने इस सप्ताह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो की टिप्पणियों की ओर इशारा किया, जिसमें यूक्रेन में नाटो सेना भेजने की संभावना जताई गई थी। पुतिन ने कहा कि नाटो देश जो इस तरह के कदम पर विचार कर रहे हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि इस संघर्ष से सभ्यता के विनाश का खतरा पैदा हो सकता है।

पाकिस्तान में नौ मार्च को हगा राष्ट्रपति चुनाव

जरदारी की जीत लगभग तय

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान नौ मार्च को होगा, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का लगभग 11 साल बाद फिर से शीर्ष संवैधानिक पद हासिल करना लगभग तय है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने एक नोटिस में कहा कि राष्ट्रपति चुनाव नौ मार्च को नेशनल असेंबली और सभी प्रांतीय असेंबली में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक होगा।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, संबंधित पद के लिए उम्मीदवार शनिवार दोपहर से पहले लाहौर, कराची, पेशावर और क्वेटा में निर्वाचन अधिकारियों के पास नामांकन पत्र दायर कर सकते हैं। ईसीपी ने कहा कि अधिकारियों द्वारा नामांकन पत्रों की छंटनी चार मार्च को की

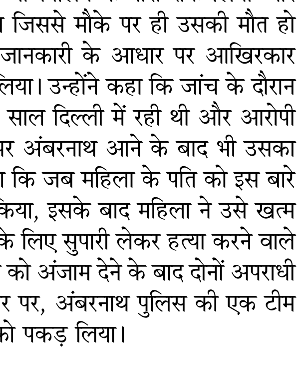

जाएगी, और इसके अगले दिन नाम वापस लिया जा सकता है।

पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाले छह दलों के गठबंधन द्वारा शीर्ष पद के लिए नामित किया गया है। इससे जरदारी की जीत लगभग तय मानी जा रही है। गठबंधन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) समेत अन्य दल शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए एनसी, पीडीपी व कांग्रेस हो रहे तैयार

एनसीआर समाचार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक हलकों में यह चर्चा जोरों पर है कि कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के बीच सीट-बंटवारे का समझौता होने वाला है और इस आशय की घोषणा कुछ ही दिनो में होने की संभावना है।

एनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने पहले कहा था कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सभी लोकसभा सीटें अपने दम पर लड़ेगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि डॉ. अब्दुल्ला अपने रुख से पीछे हट गए हैं, क्योंकि नेकां और कांग्रेस के सूत्र अब कह रहे हैं कि उनका इरादा कभी भी समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों के बीच

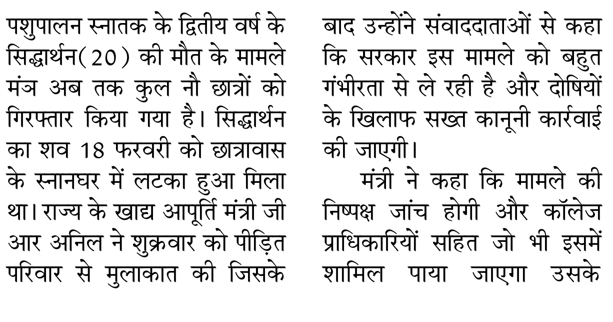

चुनाव पूर्व गठबंधन को खारिज करने का नहीं था।

एनसी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने अपने पिता के बयान के बाद संवाददाताओं से कहा था कि एनसी कांग्रेस के साथ सीट शेयर करने की बातचीत में लगी हुई है। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने हाल ही में संवाददाताओं से कहा कि एनसी और पीडीपी के साथ सीट शेयरिंग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि एनसी, पीडीपी और कांग्रेस के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन को लेकर समझौते की घोषणा जल्द ही की जा सकती है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस महीने के पहले सप्ताह के अंत से पहले सीट शेयरिंग की घोषणा की जा सकती है।

एनसी श्रीनगर-बडगाम-गांदरबल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगी और उमर अब्दुल्ला एनसी उम्मीदवार होंगे। महबूबा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर अनंतनाग-राजौरी-पुंछ लोकसभा क्षेत्र से पीडीपी की उम्मीदवार होंगी और एनसी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करेगी।

सूत्रों ने कहा, "उत्तरी कश्मीर बारामूला लोकसभा सीट पीडीपी और कांग्रेस द्वारा एनसी को दी जाएगी। ये दोनों दल इस निर्वाचन क्षेत्र से एनसी उम्मीदवार के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। वहीं सूत्रों ने कहा कि बारामूला सीट के लिए एनसी उम्मीदवार का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इस बीच अब माना जा रहा है कि वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मुजफ्फर हुसैन बेग बारामूला लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर खड़े हो सकते हैं।

एक नजर

पंजाब में आप कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या की गई

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के तरन तारन जिले में शुक्रवार को अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के एक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह वारदात उस समय हुई जब गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी चोहला अपनी कार में एक अदालती मामले के लिए कपूरथला जा रहे थे। वह वाहन में अकेले सफर कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि जब सिंह फतेहबाद और गोइंदवाल साहिब के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचे तो उनका पीछा कर रहे हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं और मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस उपाधीक्षक रविशेर सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं।

संदेशखाली में तनाव भड़काने के आरोप में एआईएसएफ की युवा नेता गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (एआईएसएफ) की लोकप्रिय युवा नेता जुबी साहा को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में तनाव भड़काने के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। मध्याह्न भोजन कर्मियों के भत्ते में बढ़ोतरी की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व करने के कारण जुबी साहा पश्चिम बंगाल में तेजी से लोकप्रिय हो रही थीं। उन्हें कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके न्यू टाउन में उनकी दोस्त नताशा खान के आवास से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने कहा कि साहा को संदेशखाली में स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं को भड़काने की शिकायतों के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार एआईएसएफ नेता को शुक्रवार को जिला अदालत में पेश किये जाने की संभावना है। संदेशखाली में हालिया तनाव के सिलसिले में गिरफ्तार होने वाले साहा एआईएसएफ के दूसरे नेता हैं। इससे पहले पुलिस ने इसी तरह के आरोप में एआईएसएफ नेता आयशा बीबी को गिरफ्तार किया था, हालांकि उन्हें जमानत मिल गई थी। एआईएसएफ नेतृत्व ने इन गिरफ्तारियों को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। गौरतलब है कि स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं के विरोध प्रदर्शन के बाद संदेशखाली में उबाल आ गया था। वे स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं के उत्पीड़न के खिलाफ सड़कों पर उतर आए थे। तृणमूल नेताओं पर खेती की जमीन को जबरदस्ती कब्जा करना और महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है।

महाराष्ट्र के पालघर में शख्स ने की दो बुजुर्ग भाइयों की हत्या, गिरफ्तार

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक गांव में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर 92 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके छोटे भाई की लोहे की छड़ से हमला करके हत्या कर दी और फिर बचने के लिए एक झील के आसपास कीचड़ में छिप गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े सात बजे कूडन गांव में हुई। आरोपी की पहचान किशोर जगन्नाथ मंडल के रूप में हुई, जिसे घटना के चार घंटे बाद गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने बताया ह्यआरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ है और उसने गांव के एक खेत में दो भाइयों झ मुकुंद विठोभा पाटिल (92) और उनके 84 वर्षीय भाई भीमराव पर लोहे की छड़ से हमला किया औ? मौके से फरार हो गया।" अधिकारी ने बताया कि पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद दोनों शवों को सरकारी अस्पताल भेजा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी का पता लगाने के लिए अभियान चलाया और रात करीब 11.30 बजे उसे झील की आसपास कीचड़ में छिपा हुआ पाया , जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ तारापुर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, मामले की जांच जारी है।

उज्जैन में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया शुभारंभ

उज्जैन, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव-2024 और उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश का नंबर एक राज्य बनाएंगे। विक्रमादित्यह के नाम के साथ हम अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करके इस कार्यक्रम की शुरूआत कर रहे हैं। सम्राट विक्रमादित्य हमारे गौरवशाली अतीत के महानायक हैं और यही कारण है कि महाकाल की नगरी उज्जै्न की पूरी दुनिया में अपनी पहचान है। हमें गर्व है कि उज्जै न, दुनिया के सात सबसे पवित्र नगरों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश को देश का नंबर-एक राज्य बनाने के लिए उज्जैन में विशेष आयोजनों की शुरूआत हो रही है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 10 मार्च को महाराष्ट्र में करेगी प्रवेश

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 10 मार्च को गुजरात से महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में पहुंचेगी। पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यात्रा नंदुरबार से धुले, मालेगांव और नासिक तक जाएगी, जहां राहुल गांधी भगवान राम को समर्पित प्रसिद्ध कालाराम मंदिर और भगवान शिव को समर्पित त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी इसके बाद ठाणे जिले के भिवंडी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे, इसके उपरांत यह यात्रा मुंबई में प्रस्तावित 'समापन सभा' के लिए रवाना होगी। समापन सभा 13 या 14 मार्च को होने की संभावना है। पार्टी ने पहले घोषणा की थी कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 26 फरवरी से एक मार्च तक विश्राम पर रहेगी, ताकि राहुल गांधी कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में अपने दो विशेष व्याख्यान दे सकें तथा नई दिल्ली में महत्वपूर्ण बैठकों में भाग ले सकें। यह यात्रा दो मार्च को राजस्थान के धौलपुर से फिर से शुरू होगी और उसी दिन मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी।

राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी संथन का शव श्रीलंका भेजा गया

चेन्नई, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में दोषी करार दिए गए श्रीलंकाई नागरिक संथन का शव शुक्रवार को अंतिम संस्कार के लिए श्रीलंका ले जाया गया। उसके वकील पुगाझेंधी ने यह जानकारी दी। संथन उर्फ टी. सुतेनदिराराजा (55) एक श्रीलंकाई नागरिक था और उन सात लोगों में से एक था जिसे 1991 में चेन्नई के समीप श्रीपेरुम्बदूर में पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के जुर्म में 20 वर्ष से ज्यादा की जेल की सजा काटने के बाद 2022 में उच्चतम न्यायालय ने रिहा कर दिया था। संथन के शव को ताबूत में रखकर यहां भारी पुलिस सुरक्षा के बीच विमान से श्रीलंका भेजा गया। पुगाझेंधी ने बताया कि संथन के शव को श्रीलंका स्थित उसके घर ले जाया जाएगा। संथन को उसके यकृत के काम करना बंद करने के बाद पिछले महीने यहां एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। जब संथन की मौत हुई, उस समय उसका भाई और वकील उसके

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट: दिल्ली सरकार की मुफ्त सेवाओं से बचे पैसे को 38.4 प्रतिशत लोगों ने बचत योजनाओं में लगाया

- 3,450 घरों के सर्वे के आधार पर बनी रिपोर्ट, कितने प्रतिशत लोगों को किस सुविधा से लाभ मिला
- 100 प्रतिशत लोग एक वर्ष के दौरान किसी समय मुफ्त बिजली से लाभान्वित हुए।
- 76.1 प्रतिशत दिल्ली के लोगों को मुफ्त पानी से फायदा हुआ।
- 64.7 प्रतिशत लोगों को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिला।
- 58 प्रतिशत महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का फायदा मिला।
- 43.7 प्रतिशत लोगों को निःशुल्क शिक्षा से फायदा हुआ।

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने विधानसभा में शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश किया। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली सरकार की ओर से मिली फ्री बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, सफर व अन्य सुविधाओं से लोगों के रुपये बचे हैं। 61.6 प्रतिशत लोगों ने दिल्ली सरकार की मुफ्त सेवाओं से बचे हुए पैसे को खर्च कर दिया। वहीं 38.4 प्रतिशत लोगों ने मुफ्त सेवाओं से बचे हुए पैसे की या तो एफडी करा दी या किसी को उधार दे दिया है। इतना ही नहीं दिल्ली सरकार ने रिपोर्ट में यह भी बताया है कि उनकी किस मुफ्त सेवा से कितने प्रतिशत लोगों को लाभ मिल रहा है। कर संग्रह में 2022-23 के दौरान हुई 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया है कि दिल्ली सरकार मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, महिलाओं के लिए बस यात्रा व बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा की सुविधा देती है। इसके बावजूद राजस्व अधिशेष (इकॉनमी सरप्लस) के साथ यह एक बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली के कर संग्रह में 2022-23 के दौरान 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2021-22 में दिल्ली ने 3,270 करोड़ का राजस्व अधिशेष दर्ज किया था जो 2022-23 में बढ़कर 14,457 करोड़ हो गया। दिल्ली सरकार के अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग की ओर से कुल 3,450 घरों का सर्वे कर एक रिपोर्ट तैयार की गई है। जिसमें यह बताया गया है कि कितने प्रतिशत लोगों को दिल्ली में किस सुविधा का लाभ मिल रहा है।

बचे पैसों को 50.7 प्रतिशत लोगों ने खानपान पर खर्च किया आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिल्ली सरकार की ओर से बताया गया है कि सरकार की मुफ्त की योजनाओं से जिन लोगों ने पैसे बचाए हैं, उनमें 61.6 प्रतिशत परिवारों ने सभी पैसे खर्च कर दिए। जबकि 38.4 प्रतिशत ने बचत और एफडी में पैसा निवेश किया। वहीं, 7.2 प्रतिशत ने इसे निकट भविष्य में खर्च करने की योजना बनाई है। 2.8 प्रतिशत लोगों ने दोस्तों व करीबियों को अतिरिक्त पैसा उधार दिया है। रिपोर्ट के आंकड़ों पर गौर करें तो सरकार की योजनाओं से बचे हुए पैसे को 50.7 प्रतिशत परिवारों ने भोजन और पेय पदार्थों पर खर्च किया। 13.1 प्रतिशत परिवारों ने शैक्षिक आपूर्ति पर खर्च किया। 10.1 प्रतिशत परिवारों ने चिकित्सा उपचार और दवाओं पर व्यय किया। 7.9 प्रतिशत परिवारों ने कपड़ों और एक्सेसरीज पर खर्च किया। 7.3 प्रतिशत परिवारों ने नए उपकरणों को खरीदने पर खर्च किया। वहीं मनोरंजन के लिए 6.7 प्रतिशत लोगों ने बचा हुआ पैसा व्यय किया।

आर्थिक सर्वेक्षण केवल आंकड़ों की कलाबाजी : बिधूड़ी

नई दिल्ली। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आर्थिक सर्वेक्षण को आंकड़ों की कलाबाजी बताया है। उन्होंने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए दावों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ काम नहीं करने की बात करती है। वहीं, ऐतिहासिक काम करने के दावे कर रही है। बिधूड़ी ने कहा कि देश की राजधानी होने से दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय हमेशा से ही ज्यादा रही है, जबकि आप सरकार उसे अपना करिश्मा बता रही है। जहां तक सरकार के फायदे में चलने की बात है तो दिल्ली में केजरीवाल सरकार जनता के हितों के कोई कार्य नहीं कर रही। दिल्ली इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में आगे बढ़ने की जगह पीछे जा रही है। नई सड़कें बनना तो दूर पुरानी सड़कों की मरम्मत तक नहीं हो पा रही। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली सरकार को फटकार लगाई थी। स्वास्थ्य और जल बोर्ड के मामले में आतिशी ने अपनी सरकार की असफलता खुद स्वीकार की है, लेकिन दोष उपराज्यपाल पर डाल दिया है। जब सरकार जनता के लिए विकास की योजनाएं ही नहीं बनाएगी यानी खर्चा नहीं करेगी तो उसका राजस्व बचा ही रहेगा। इस बार सरकार ने आउटकम बजट भी पेश नहीं किया जिससे पता चलता कि पिछले बजट की कितनी योजनाओं को लागू किया प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण एक सामान्य रिपोर्ट है। इसमें कुछ भी अनोखा नहीं है। इसके बावजूद वित्त मंत्री ने सर्वेक्षण प्रस्तुत करने की आड़ में भी ओछी राजनीतिक बयानबाजी की और फर्जी दावे किए। वित्त मंत्री का कोविड काल के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी का दावा खोखला है, क्योंकि कोविड काल के बाद सारे देश की अर्थव्यवस्था ने गत वर्ष से ही रफ्तार पकड़ ली थी। दिल्ली में देश की मात्र 1.5 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद जीडीपी में चार प्रतिशत बढ़ोतरी में दिल्ली सरकार का कोई योगदान नहीं है। दिल्ली एक व्यापारिक वितरण केंद्र है और यहां अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी हैं। व्यापारियों एवं उद्यमियों के श्रम के कारण दिल्ली की जीडीपी औसत शहरों से अधिक है।

एनडीएमसी ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में नगरपालिका वित्त पर केंद्रित समूह चर्चा में भाग लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने नगरपालिका वित्त पर केंद्रित समूह चर्चा (एफजीडी) के माध्यम से शहरी विकास की आर्थिक रीढ़ के संबंध में रचनात्मक बातचीत को बढ़ावा देने में एक अग्रणी कदम उठाया है। प्रतिष्ठित भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए) के सहयोग से, एक कार्यक्रम में देश भर के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के सम्मानित प्रतिभागियों को एक साथ लाया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के उद्घाटन का नेतृत्व नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष अमित यादव ने किया, जिसने व्यावहारिक चर्चा के लिए मंच तैयार किया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता आईआईपीए के महानिदेशक आईएएस (आर) एस.एन त्रिपाठी, एनआईयूए के पूर्व निदेशक हितेश वैद्य, आईपीएल सीईओ पलाश श्रीवास्तव, वडोदरा नगर निगम के सीएफओ संतोष तिवारी और एनडीएमसी के एफए (आईडीएएस) पुस्कल उपाध्याय ने सामूहिक रूप से नगरपालिका वित्त के महत्वपूर्ण विषय पर दृष्टिकोण के समृद्ध आदान-प्रदान की सुविधा के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग किया। यह चर्चा नगर निकायों की वित्त प्राथमिकताओं, तत्काल जरूरतों को संबोधित करने और रणनीतिक उद्देश्यों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर हुई।

संदेशखाली कांड के विरोध में दिल्ली के बंगाल भवन पर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली कांड के विरोध में शुक्रवार को दिल्ली भाजपा ने बंगाल भवन के सामने धरना प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आज हम यहां तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के महिलाओं पर अत्याचार एवं हमलों का विरोध कर रहे हैं।

जिस तरह ममता बनर्जी अपने नेता शेख को बचा रही हैं, उसी तरह अरविंद केजरीवाल अंकुश नारंग को बचा रहे हैं। सचदेवा ने केजरीवाल की पार्टी के पार्षद अंकुश नारंग पर भी कार्रवाई की मांग की है, जिसने एक नाबालिग बच्ची के साथ अश्लीलता की। उल्लेखनीय है कि संदेशखाली कांड के मास्टरमाइंड शाहजहां शेख को पुलिस ने बुधवार रात 55 दिन के बाद गिरफ्तार किया। उस पर महिलाओं के यौन शोषण और लोगों की जमीन कब्जाने का आरोप है।

गिरफ्तारी के बाद तृणमूल कांग्रेस ने शेख को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। प्रदर्शन में शामिल दिल्ली बीजेपी सचिव बांसुरी स्वराज ने कहा, "उनकी पार्टी केवल पीड़ित महिलाओं की रक्षा करने और उनकी आवाज उठाने की कोशिश कर रही है। तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख को 6 साल के लिए निष्कासित कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बचाया जा रहा है। संदेशखाली के लोग जिन मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उस पर ध्यान देना चाहिए."

बांसुरी स्वराज ने कहा, "हम मांग करते हैं कि मुख्यमंत्री तुरंत इस्तीफा दे. आज इंडिया गठबंधन के सभी साथी इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। इन लोगों को सिर्फ भ्रष्टाचार करने को लेकर गठबंधन हुआ है। इसलिए यह लोग चुप हैं।

महिलाओं के साथ किस तरह के हालात बंगाल में बने हुए हैं। इस पर किसी भी इंडिया अलायंस के साथी खुलकर बात नहीं करतें."

दूसरी तरफ दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, "जिस प्रकार बंगाल में इस तरह की घटना हुई है इस तरह देश की राजधानी दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी के नेता इस तरह की घटना में सम्मिलित है। ताजा मामला आम आदमी पार्टी के पार्षद से जुड़ा है। जहां किस तरह से पोक्सो एक्ट के तहत आम आदमी पार्टी के पार्षद पर मुकदमा दर्ज हुआ है। लेकिन हैरानी की बात है मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मुंह से एक शब्द तक नहीं निकला है।"प्रदर्शन में प्रदेश महामंत्री कमलजीत सहरावत, हर्ष मल्होत्रा व योगेंद्र चांदोलिया, योगिता सिंह, लता गुप्ता, बांसुरी स्वराज, प्रवीण शंकर कपूर, ऋचा पांडेय मिश्रा, नीरज तिवारी, सागर त्यागी, विक्रम मित्तल, अनीस अब्बासी, मोहनलाल गिहारा, सीएल मीणा, प्रियल भारद्वाज आदि उपस्थित थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 66वीं पुष्प प्रदर्शनी आयोजित

फूल खुशबू के साथ अच्छे हैं तो जीवन लगता है मूल्यों के साथ अच्छा: प्रो. योगेश सिंह

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के गौतम बुद्ध शताब्दी उद्यान में 66वीं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन शुक्रवार, 01 मार्च को किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि फूल जीवन को प्रेरणा देते हैं, लेकिन अगर उनमें खुशबू न हो तो वह अच्छे नहीं लगते। इसी तरह से हमारा जीवन है। हमारे जीवन में अच्छाई, अपनेपन और मूल्यों की खुशबू होती है। लेकिन अगर व्यक्ति के जीवन में अपनापन और दूसरों के लिए अच्छा करने की चाह नहीं होगी और मूल्य नहीं होंगे तो वह जीवन निरर्थक है। इसलिए जैसे फूल खुशबू के साथ अच्छे हैं तो जीवन मूल्यों के साथ अच्छा लगता है। फूल हमें अपनी जिंदगी में यही पाठ पढ़ाते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन से दिल्ली विश्वविद्यालय की पुष्प प्रदर्शनी में स्टाल लगाने को लेकर भी कुलपति ने खुशी जाहिर की।

प्रदर्शनी के थीम स्त्री और प्रकृति संवर्धन-सहकारिता एवं शाश्वत विकास का उत्सवह्व को लेकर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि 2024 के लिए यह थीम बहुत ही उपयुक्त है। हाल ही में भारतीय संसद ने महिलाओं के लिए संसद और विधानसभाओं में आरक्षण संबंधी नारी वंदन अधिनियम पास किया है। इस वर्ष नारियल अम्मा को पद्म श्री मिला है। सरकार ऐसे व्यक्तियों को पुरस्कार देकर सम्मानित कर रही है, ताकि लोग उनकी जिंदगी से प्रेरणा लें। इसी तरह से आज इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मिलेट्स की ब्रांड अंबेसडर सुश्री लहरी बाई और ड्रेगन वुमेन के नाम से विख्यात रीवा सूद को आमंत्रित किया गया है। ये दोनों भी हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं। कुलपति ने कहा कि हमें ऐसे लोगों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कुलपति ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में हमने तय किया है कि जीवित फूलों के साथ उत्सव मनाना चाहिए, फूलों को तोड़ कर मारा नहीं जाना चाहिए। इसके लिए समारोहों में स्टेज व अन्य साज-सज्जा के लिए फूलों को तोड़ने की बजाए गमलों के द्वारा सजावट को प्रथमकिता दी जा रही है।

इसके साथ ही कुलपति ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों के दौरान जो वृक्ष बीच में आ रहे हैं उन्हें काटने की बजाए दूसरी जगह लगाने पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों और विस्तार कार्यों के लिए वृक्षों को हटाना तो पड़ता है, इसलिए दिल्ली विश्वविद्यालय में उपयुक्त स्थानों की पहचान करके सघन वन लगाने पर भी काम होना चाहिए, ताकि हरियाली कायम रहे। कुलपति ने भारत में फूलों के उत्पादन पर चर्चा करते हुए कहा कि देश में पुष्प उत्पादन में कर्नाटक सबसे आगे हैं जबकि तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे प्रदेश भी अग्रिम पंक्ति में हैं। उत्तर भारत में भी फूलों की खेती को अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यह क्षेत्र भी जीडीपी में सराहनीय योगदान कर सकता है। इस अवसर पर नारा लेखन और पुष्प एवं बागवानी से संबंधित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। विश्वविद्यालय के कॉलेज में सर्वोत्तम हरित अभ्यास के लिए शताब्दी कप हंसराज कॉलेज को मिला। शो में सर्वाधिक अंक पाने पर कुलपति कप ह्वकालीचरण पुरस्कार (7000 रुपये)ह्व मिरांडा हाउस को मिला और शो में सर्वाधिक अंक पाने पर दूसरा प्लैटिनम जुबली कप कालीचरण पुरस्कार (5000 रुपये) ग्वायर हॉल को मिला। कुलपति से पहले दिल्ली विश्वविद्यालय एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने भी संबोधित किया।

उन्होंने प्रकृति के संरक्षण में महिलाओं के योगदान पर चर्चा करते हुए देश की अनेकों ऐसी महिलाओं के नाम गिनवाए जिन्होंने पहाड़ी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हुए अपने-अपने क्षेत्र में प्रकृति के संरक्षण में सराहनीय कार्य किया है।

उनसे पूर्व पुष्प प्रदर्शनी की चेयर पर्सन प्रो. रजनी अब्बी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के अंत में डीयू गार्डन कमेटी की सचिव प्रो. रूपम कपूर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी मामले में पूर्व विधायक खरब की सजा निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू स्थित सत्र न्यायालय ने निवेशकों के साथ धोखाधड़ी मामले में पूर्व विधायक रणबीर सिंह खरब और उनकी पत्नी को राहत दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी और सजा को निलंबित कर दिया। इससे पहले खरब को एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने 26 फरवरी को सात साल कैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने दोनों पर 44 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। मामला ऊंचे रिटर्न का झांसा देकर निवेशकों से धोखाधड़ी से जुड़ा हुआ है। दोनों पर आरोप था कि एक चिटफंड कंपनी ज्योति फेयर फाइनेंस कंपनी के जरिये अधिक रिटर्न का झांसा देकर निवेशकों से करीब तीन करोड़ रुपये ठग लिए।

हेल्थ केयर पर ईजेरेक्स और इम्जेनेक्स ने हाथ मिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में हेल्थकेयर को सभी तक पहुंचाने की दिशा में ईजेरेक्स और इम्जेनेक्स ने हाथ मिलाया है। ईजेरेक्स स्वास्थ्य और इम्जेनेक्स इंडिया बायोटेक्नोलॉजी की प्रमुख कंपनी है। दोनों ने रणनीतिक साझेदारी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ईजेरेक्स के सीईओ पार्थ प्रतिम दास महापात्रा और इम्जेनेक्स इंडिया के संस्थापक डॉ. सुजय सिंह ने संयुक्त बयान में खुशी जताते हुए कहा है कि यह सहयोग साझा मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है। दोनों हेल्थकेयर इनोवेटर्स का उद्देश्य सभी देशवासियों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल को किफायती और सुलभ बनाना है। लोगों को ईजेरेक्स की एआई संचालित चिकित्सा उपकरणों की बेजोड़ विशेषज्ञता और अत्याधुनिक बायोटेक्नोलॉजी में इम्जेनेक्स के नेतृत्व लाभ मिलेगा।

महापात्रा ने कहा कि ईजेरेक्स की टीसीएस, इन्फोसिस फाउंडेशन और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ साझेदारी है। ईजेरेक्स के प्रबंधक (बाजार और संवाद) हमने 'मेड इन इंडिया' टेक्नोलॉजीज की कल्पना की है।

दोनों कंपनियां इस दिशा में आगे बढ़ेंगी। डॉ. सुजय सिंह ने कहा, हम वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने वाले सस्ते इनोवेशन तैयार करने में अपनी बायोटेक्नोलॉजी विशेषज्ञता को लागू करने के लिए उत्साहित हैं।

एक नजर

जेएनयू मामला: निष्पक्ष चुनाव नहीं होने देना चाहते वामपंथी : एबीवीपी

नई दिल्ली, एजेंसी। एबीवीपी ने वापमंथी छात्र संगठनों पर मारपीट का आरोप लगाया है। एबीवीपी जेएनयू इकाई के अध्यक्ष उमेश चंद्र अजमेरा का कहना है कि जेएनयू में छात्र संघ चुनाव कराने वाला चुनाव आयोग निष्पक्ष संस्था के तौर पर काम करता है। एबीवीपी का आरोप है कि वामपंथी गुट निष्पक्ष चुनाव नहीं होने देना चाहते। शुरू से ही चुनावी प्रक्रिया में संवैधानिक मूल्यों की हत्या कर रहे वामपंथी लोगों का जब सामान्य छात्रों और विद्यार्थी परिषद ने विरोध किया तो उन्होंने हमला कर दिया। आईसी घोष के नेतृत्व में वामपंथी गुट, जेएनयू में छात्रों का चुनाव के प्रति उत्साह और बदलते रुझान को देखकर चुनाव प्रक्रिया में और अधिक विलंब करना चाहते हैं, ताकि चुनाव ना हो सके। हम भाषा अध्ययन केंद्र में फिर से आम सभा कर संवैधानिक तरीके से वहां के 6 इलेक्शन कमेटी के सदस्य चुने जाने और अति शीघ्र चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने की मांग करते हैं। एबीवीपी ने वसंत कुंज थाने में एक से अधिक शिकायतें दर्ज कराई हैं। आरोप है कि जीबीएम में आईसी घोष और दानिश ने आईडी कार्ड होने के बावजूद संस्थान के छात्रों को नहीं घुसने दिया। बाद में उनके विरोध करने पर उन्हें जीबीएम में हिस्सा लेने दिया गया।

स्कूटी चुराने आए बदमाश को पुलिस के हवाले किया

नई दिल्ली, एजेंसी। जाफराबाद इलाके में गत शनिवार को स्कूटी चुराने आए चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। हालांकि, उसके दो अन्य साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है। मौके से पेंचकस और ताला तोड़ने के अन्य औजारों से भरा बोरा भी बरामद हुआ है। आरोपी की पहचान नासिर के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता रहीमुल्लाह जाफराबाद इलाके में परिवार के साथ रहता है। गत शनिवार रात करीब 11:30 बजे नाहर कोठी के पास अपनी स्कूटी खड़ी करके वह अपने दोस्तों के साथ जनता कॉलोनी मार्ग पर गया था। इसी दौरान उसकी मां, बड़े भाई और दोस्त समीर उर्फ फैज की कॉल आई। उन्होंने बात की तो पता चला कि कुछ आरोपियों ने मिलकर उनकी स्कूटी चोरी करने की कोशिश की थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। हालांकि, इस बीच दो आरोपी भाग निकले, लेकिन एक आरोपी नासिर को चोरी में इस्तेमाल औजार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी नासिर से पूछताछ कर रही है।

जामिया में बीटेक और एमटेक के स्व-वित्तपोषित कोर्स शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने बीटेक और एमटेक के कई स्व-वित्तपोषित कोर्स शुरू करने की घोषणा की है। यह कोर्स छात्रों को विशेष कौशल विकास के साथ उद्योग जगत की जरूरत को ध्यान में रखकर शुरू किए गए हैं। बीटेक में यह कोर्स इलेक्ट्रानिक एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (डाटा साइंसेज) और एमटेक में यह कोर्स डाटा साइंसेज में उपलब्ध है। इसके लिए छात्रों को अलग से जामिया की वेबसाइट पर आवेदन करने होंगे। बीटेक में दाखिला जेईई मेंस की रैंकिंग के अनुसार होगा। स्व-वित्तपोषित बीटेक कोर्स के लिए 1,50,000 रुपये और एमटेक के लिए 54,000 रुपये वार्षिक शुल्क लिया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अभ्यर्थी जामिया की वेबसाइट https://jmicoe.in से आवेदन कर सकते हैं। इंजीनियरिंग संकाय की डीन प्रो. मिनी थॉमस ने कहा कि इन नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत उद्योग की जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक शिक्षा प्रदान करने में हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उभरती प्रौद्योगिकियों को हमारे में एकीकृत करके पाठ्यक्रम के अनुसार, हम छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार कर रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रियाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय प्रॉस्पेक्टस देखें या अपने प्रश्न fet-courseinfo@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं।

अधेड़ की गला रेतकर हत्या, रंजिश का शक

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला इलाके में शुक्रवार को एक अधेड़ की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय सुखदेव मल्होत्रा के तौर पर हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। आपसी रंजिश को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। बवाना स्थित हनुमान मंदिर के पास पुलिस को शुक्रवार को खून से लथपथ शव बरामद हुआ था। पुलिस ने जांच शुरू की तो मालूम हुआ कि सुखदेव मल्होत्रा जगतपुरी में प्रॉपर्टी डीलर के तौर पर काम करता था। सुखदेव की हत्या जगतपुरी इलाके में गला रेतकर की गई थी और शव नरेला इलाके में फेंक दिया था। फिलहाल वारदात मे शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है।

दोनों भ्रष्ट पार्टियों के गठबंधन को नकारेगी दिल्ली की जनता : रामनारायण दुबे

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी से गठबंधन कर यह साबित कर दिया है यह पार्टी केवल और केवल सत्ता की भूखी है। यह कहना है पूर्वी दिल्ली नगर निगम के पूर्व मेयर रामनारायण का। रामनारायण दुबे कहते हैं कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार को मुद्दा बना यह पार्टी दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई थी लेकिन केवल सत्ता के लिए इस पार्टी ने तमाम मयार्दाएं तोड़ कांग्रेस पार्टी से गठ्बन्धन कर देश की जनता के विशवास को धोखा दिया है। रामनारायण दुबे कहते हैं गठबंधन के बावजूद दिल्ली की जनता इन्हें नकार देगी और दिल्ली की सातों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भारी अन्तराल से जीत दर्ज करेगें। श्री दुबे कहते है दिल्ली की जनता जान चुकी है आम आदमी पार्टी की सरकार नें भ्रस्टाचार के तमाम रिकार्ड तोड़ डाले है और इस सरकार के दो-दो मंत्री जेल में बंद है तथा एक दर्जन से ज्यादा मामलों की जांच चल रही है। इस सरकार की हर फाईल में भ्रस्टाचार है, मौहल्ला क्लिनिक हो, स्कूलों में कमरे बनवाने का काम हो या आबकारी नीति हो सब जगह भ्रस्टाचार। श्री दुबे कहते हैं दूसरी ओर भाजपा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी वर्गों के उत्थान के लिए बहुत कार्य किए है जिसमे किसानों के लिए किसान निधि के माध्यम से आर्थिक सहायता, बहनों के लिए उज्जवला योजना, 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य, इज्जत घर बनाने एवं पक्का मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता, बच्चियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए सुकन्या योजना, देश में 80 करोड़ लोगो को मुफ्त राशन, जनधन योजना के माध्यम से बैंक में करोड़ों खाते खुलवाकर जिससे लाभार्थियों का लाभ का सौ प्रतिशत पैसा सीधा उनके बैंक खाते में जाता है।

बुर्का पहनकर महिला का मोबाइल और पर्स झपटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सीलमपुर इलाके में गुरुवार को बुर्का पहने एक झपटमार ने महिला का मोबाइल और पर्स झपट लिया। पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है। पीड़िता आशा राजपूत परिवार के साथ गंगा विहार में रहती है। गुरुवार दोपहर को वह सीलमपुर मार्केट से घर का सामान खरीदने गई थी। जब वह मार्केट पहुंची, तभी अचानक बुर्के में आए झपटमार ने उसका पर्स और मोबाइल झपट लिया। पीड़िता ने एक दुकानदार के फोन से पुलिस को घटना की सूचना दी और थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस केस दर्ज कर सीसीटीवी की मदद से आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

यूपी में राजमार्गो की लंबाई दस सालों में हुयी दो गुनी: गडकरी

एनसीआर समाचार

जौनपुर। केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पिछले दस सालों में उत्तर प्रदेश में राजमार्गों की लंबाई में लगभग दो गुनी हो गयी है। बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में 10 हजार करोड़ से अधिक रुपए की लागत की 19 परियोजनाओं का शिलान्यास करने के मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा 2014 में उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 7343 किलोमीटर थी जबकि 2024 में यह लंबाई 13000 किलोमीटर हो गई है।

उन्होंने कहा कि 2024-25 में हम उत्तर प्रदेश में पांच लाख करोड रुपए का काम पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक एक लाख करोड खर्च कर कार्य पूर्ण हुए है। 41 हजार करोड से उत्तर प्रदेश में रिंग रोड व 40 बाई पास का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि जौनपुर में दस हजार करोड की परियोजना का शिलान्यास करने पर बहुत खुशी हो रही है। करीब दो हजार करोड से कार्य स्वीकृत हुआ है जिसमें शाहगंह में बाई बनने से जौनपुर से अयोध्या की दूरी दो घण्टे की हो जायेगी। जौनपुर से आजमगढ़, फूलपुर होकर प्रयागराज बाई पास का कार्य हो जाने पर दूरी कम हो जाएगी। मुंगराबादशाहपुर में मार्च 2024 तक बाई पास का कार्य पूर्ण हो जाएगा। श्री गडकरी ने कहा कि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने मुंगरा के अन्दर वर्तमान सड़क की मांग किया है। वह दोनो किनारों पर स्ट्रीट लाईट लगाकर बनाया जायेगा।

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने पॉलिटेक्निक चौराहे से दक्षिण बने ओवर ब्रिज के पास से सर्विस रोड की मांग किया है, इसके लिए वह घोषणा करते हैं कि सर्विस रोड बनेगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 84 कोस परिक्रमा करने वालो के लिए भी सात्विक भोजन, ठहरने की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि 1100 किलोमीटर की परियोजना जो सारनाथ, श्रावस्ती, कौशांबी तक जाती है। उसका भी कार्य होगा। गोरखपुर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे कानपुर से ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे का कार्य भी होगा, तब कानपुर से लखनऊ की दूरी आधे घंटे में तय होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम विश्व की तीसरी इकोनॉमी बने, ट्रांसपोर्ट मंत्री होने के नाते हमने यह तय किया था कि किसान हमारा सिर्फ अन्नदाता नही बल्कि ऊर्जा दाता और हवाई इंजन दाता बनने जा रहा है। मेरी कार इथेनॉल से चलती है। किसान कर्ज मुक्त होना चाहिए , उनको फसलों का उचित मूल्य मिलना चाहिए। स्मार्ट सिटी ही नही बल्कि स्मार्ट गांव भी होना चाहिए। जौनपुर भी अब मुम्बई जैसा बनने जा रहा है। आप लोग यहां उद्योग लगाए।श्री गडकरी ने आज जौनपुर जिले में जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया है उसमें गोमती नदी पर पुल सहित एन.एच.-31 के टोल प्लाजा से पूर्वांचल विश्वविद्यालय तक जौनपुर शहर के पूर्व दिशा में बाईपास का निर्माण। यह राष्ट्रीय राजमार्ग-135- ए के तहत 28 किमी लंबे मार्ग का 1995 करोड़ की लागत से कराया जाएगा। खेतासराय-शाहगंज ग्रीन फील्ड बाईपास सहित पूर्वांचल विश्वविद्यालय से शाहगंज तक फोरलेन निर्माण। राष्ट्रीय राजमार्ग-135-ए की कुल लंबाई 30 किमी होगी, जो 1512 करोड़ की लागत से बनेगी।

शाहगंज-कलान-मालीपुर-अकबरपुर खंड का फोर लेन चौड़ीकरण एवं अकबरपुर बाईपास का निर्माण। यह राष्ट्रीय राजमार्ग-135-ए 1653 करोड़ की लागत से 45 किमी लंबा बनेगा। मड़ियाहूं शहर के पश्चिम में नये फोरलेन ग्रीनफील्ड बाईपास का निर्माण। राष्ट्रीय राजमार्ग-135-ए की कुल लंबाई सात किमी जो 1430 करोड़ की लागत से बनेगा। जौनपुर शहर में लता मंगेशकर तिराहे से प्रसाद इंस्टीट्यूशन तक फोरलेन अंडरपास सहित फोरलेन लेन बनेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-125-ए की कुल लंबाई पांच किमी है, यह 199 करोड़ की लागत से बनेगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय से जौनपुर-प्रयागराज मार्ग तक जौनपुर शहर के पश्चिम में बाईपास का निर्माण। यह राष्ट्रीय राजमार्ग-31 है यह 19 किमी का मार्ग एक हजार करोड़ की लागत से बनेगा।आजमगढ़ बाईपास (पैकेज-4) का निर्माण, यह 19 किमी का मार्ग 1386 करोड़ से बनेगा। प्रयागराज से फूलपुर तक फोर लेन सड़क एवं फूलपुर बाईपास का निर्माण। यह रांष्ट्रीय राजमार्ग-319-डी 17 किमी लंबा बनेगा, यह 863 करोड़ की लागत से बनेगा। मुंगराबादशाहपुर बाईपास सहित फूलपुर-मुंगराबादशाहपुर तक फोरलेन निर्माण। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 319-डी की कुल लंबाई 23 किमी होगी, इसकी कुल लागत 1013 करोड़ होगी। फूलपुर-मुंगराबादशाहपुर मौजूदा सड़क खंड का रखरखाव ।

यह राष्ट्रीय राजमार्ग-319-डी की कुल लंबाई 11 किमी होगी, जिसकी कुल लागत 18 करोड़ होगी। इस अवसर पर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, बदलापुर के विधायक रमेश चन्द्र मिश्र, शाहगंज के विधायक रमेश सिंह, मड़ियाहूं के विधायक डॉक्टर आरके पटेल, सदस्य परिषद बृजेश सिंह प्रिंशू, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह और जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ बाइक सवार व्यक्ति

अनुप कुमार

उत्तर प्रदेश: काम पर से घर आते समय बाइक सवार व्यक्ति हुआ दुर्घटना का शिकार स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती रात 9:15 बजे अहरौरा चुनार मार्ग पर रोशनहर पुलिया के पास ऑटो के चपेट में आने से बाइक सवार व्यक्ति हुआ। घायल प्राप्त जानकारी के अनुसार अरुण कुमार उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र रामबृक्ष निवासी सोनपुर थाना अहरौरा का निवासी है।

अरुण अदलहाट में इलेक्ट्रिक की दुकान पर मैकेनिकल का काम करता है रोज कि तरह वह बीते 1 मार्च दिन शुक्रवार को भी काम पर से अपने बाइक द्वारा घर को वापस आ रहा था कि, जैसे ही थाना क्षेत्र अहरौरा के ग्राम रोशनहर पुलिया के पास पहुंचा था कि, वहां पहले से खड़ी ट्रैक्टर को बगल से पार करते समय अचानक सामने से ऑटो आ गया, जिससे आमने-सामने टक्कर होने के उपरांत ऑटो मौके पर ही पलट गया और बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानी लोगों की मदद से 112 नंबर कॉल कर अहरौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया गया।

जहां डॉक्टरों ने बताया कि, घायल व्यक्ति की पैर और हाथ दोनों मे गंभीर चोटे आई है और प्राथमिक उपचार करने के उपरांत बेहतर इलाज के लिए एम्बुलेंस के द्वारा वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

मीरजापुर से भदोही के लिए सीक्सलेन गंगा पुल का किया गया शिलान्यास

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण से उत्तर प्रदेश के विकास की रफ़्तार बढ़ाते हुए आज 1750 करोड़ रुपए की लागत वाली 2 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का राज्य के मंत्रिगण तथा सांसदों, विधायकों और अधिकारियों की उपस्थिति तय में शिलान्यास किया गया।

माँ विंध्यवासिनी की आंचल में बसा मीरजापुर जिला धार्मिक और प्राकृतिक रूप से महत्वपूर्ण है। इस पूरे क्षेत्र को विकसित करने के लिए 1750 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली 2 महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का आज शिलान्यास किया गया। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग 135अ पर 15 किमी लंबाई में गंगा नदी पर 6-लेन पुल समेत 4-लेन के मीरजापुर बाईपास का निर्माण किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग 35 और 330 पर मीरजापुर से प्रयागराज और प्रयागराज से प्रतापगढ़ तक 59 किमी लंबाई की सड़क के मरम्मत का कार्य होगा।

इन दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने से मीरजापुर जिले में आने वाले धार्मिक स्थलों तक श्रद्धालुओं को आवागमन आसान होगा, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मीरजापुर समेत प्रयागराज और पूर्वांचल के कई जिलों में आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। गंगा नदी पर 4-लेन मीरजापुर बाईपास के निर्माण से जाम से निजात मिलेगी तथा मीरजापुर-अयोध्या के बीच कनेक्टिविटी में सुधार होगी, जिससे व्यापार में वृद्धि होगी।

रोजगार के बड़े केंद्र बनेंगे अयोध्या, काशी और मथुरा

लखनऊ, एजेंसी। आस्था के केंद्र के रुप में विख्यात अयोध्या, काशी और मथुरा उत्तर प्रदेश में रोजगार के बड़े केंद्र में शुमार होने जा रहे हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से इन तीनों स्थानों पर 48 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स को धरातल पर उतारने की शुरूआत हो चुकी है। इस निवेश के जरिए व्यापक स्तर पर यहां रोजगार के द्वार खुल रहे हैं। इन तीनों स्थलों पर जो टॉप-5 प्रोजेक्ट्स शुरू हो रहे हैं, अकेले उनके माध्यम से यहां पर करीब 14 हजार लोगों को रोजगार मिलने जा रहा है। इन स्थलों पर खासतौर पर टूरिस्ट्स फैसिलिटी सेंटर, वेलनेस सेंटर और होटल्स की शुरूआत हो रही है, जिसमें व्यापक स्तर पर लोगों की आवश्यकता होगी। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में करीब 13 हजार करोड़ के कुल 372 प्रोजेक्ट्स की शुरूआत होने जा रही है। इसमें अभिनंदन लोढ़ा हाउस रीयल एस्टेट एवं कॉमर्शियल प्रोजेक्ट के माध्यम से 3 हजार करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है, जो 100 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करेगा। इसी तरह, पीकेएच वेंचर्स लि. 600 करोड़ के निवेश से प्रदेश सरकार की पॉलिसी के तहत टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर की स्थापना कर रहा है, जिसमें 500 कमरों का एक होटल बन रहा है। इसके माध्यम से 300 नौकरियों का सृजन होगा। पक्का लिमिटेड अयोध्या में 550 करोड़ रुपए की लागत से पेपर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना कर रहा है।

इसके जरिए अयोध्या में 600 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। द इनोवेटर्स डिजिटल एड्स प्रा. लि. 510 करोड़ की लागत से अयोध्या में लग्जरी स्टार कैटेगरी होटल निर्मित कर रहा है। इस प्रोजेक्ट से 100 रोजगार उपलब्ध होंगे। वहीं, क्रेसकेंडो इंटीरियर्स 500 करोड़ रुपए से प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण करने जा रहे हैं। यह 100 से अधिक लोगों के लिए रोजगार का सृजन करेगा। इस तरह इन टॉप-5 प्रोजेक्ट्स से ही 1200 रोजगार उपलब्ध हो रहे हैं। भगवान शिव की नगरी काशी यानी वाराणसी की बात करें तो करीब 19250 करोड़ की निवेश राशि से 277 प्रोजेक्ट्स शुरू हो रहे हैं। इसमें टॉप-5 प्रोजेक्ट्स से 1500 से ज्यादा लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) 500 करोड़ रुपए की धनराशि से कंपनी के मौजूदा और उभरते व्यावसायिक क्षेत्र (मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट/सिस्टम) के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) और फैब्रिकेशन/मैन्युफैक्चरिंग/टेस्टिंग फैसिलिटीज की स्थापना कर रहा है। इसके माध्यम से 225 रोजगार सृजित होंगे।

अहरौरा एस आई एजाज खान के विदाई समारोह में भावुक हुआ पूरा क्षेत्र

अनुप कुमार

उत्तर प्रदेश: अहरौरा अपने जीवन का सारा समय पुलिस की सेवा में लगा दिए एस आई एजाज खान लगभग 1 वर्ष से अहरौरा थाना में कार्यरत थे बीते 29/2/2024 दिन गुरुवार को वो पुलिस विभाग से सेवानिवृत हुए। इस दौरान अहरौरा थाना परिसर में 1/3/2024 दिन शुक्रवार को सेवानिवृत एस आई एजाज खान साहब को बड़े ही धूमधाम से बिदाई दी गई। उन्होंने बताया कि जो समय हमने अहरौरा में बिताया है और जो प्यार सम्मान हमें क्षेत्र की जनता से मिला है वह हम कभी नहीं भुलाएंगे। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने सेवानिवृत्ति एस आई को अंग वस्त्र भेंट किया और स्मृति चिन्ह प्रदान किये।

इस दौरान विदाई समारोह में उपस्थित रहने वालों में सब इंस्पेक्टर राकेश सिंह, चौकी प्रभारी मनोज राय, संजय सिंह, इमलिया चट्टी चौकी प्रभारी दिलीप गुप्ता, शेषनाथ सहनी एवं थाना और चौकी की स्टाफ और क्षेत्र की सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

परीक्षा की शुचिता को भंग करने में केंद्र व्यवस्थापक समेत दो को जेल

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने गुरुवार को आगरा में एक परीक्षा केंद्र द्वारा परीक्षा की शुचिता भंग करने की कोशिश को काफी गंभीरता से लिया है। परीक्षा शुरू होने के सवा घंटे बाद प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया पर शेयर करने के मामले में बोर्ड ने फौरी कदम उठाते हुए केंद्र व्यवस्थापक, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट समेत पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी है। परीक्षा केंद्र के केंद्र व्यवस्थापक समेत एवं एक अन्य को जेल भेज दिया गया है। मुख्य आरोपी विद्यालय का कम्प्यूटर आपरेटर फरार है। शुक्रवार को बोर्ड ने एक बैठक कर पूरे मामले की जांच के लिए एक कमेटी भी गठित कर दी है। आगरा के संबंधित विद्यालय श्री अतर सिंह इंटर कालेज रोझौली की मान्यता भी समाप्त कर दी गई है। स्टैटिक मजिस्ट्रेट को पुलिस ने हिरासत में लिया है और पूछताछ हो रही है। बोर्ड ने परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट के अतिरिक्त सभी के मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। गुरुवार को द्वितीय पाली इंटर की परीक्षा में एक वाट्सएप ग्रुप पर 3.11 बजे जीव विज्ञान एवं गणित का पेपर वायरल किया गया। पेपर वायरल करने वाला व्यक्ति श्री अतर सिंह इंटर कालेज रौझौली का कंम्प्यूटर आपरेटर विनय चौधरी था। इस कर्मचारी ने ऑल प्रिन्सीपल्स आगरा नाम के वाट्सएप ग्रुप पर पेपर को वायरल किया था। जिस समय यह पेपर वायरल किया गया तब तक परीक्षा को शुरू हुए सवा घंटे बीत गए थे। पेपर वायरल होने की जानकारी मिलने पर बोर्ड के अफसर सर्तक हो गए। जांच की तो मामला, परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता को प्रभावित करने का सामने आया। बोर्ड ने माना कि परीक्षा केंद्र के जिम्मेदार परीक्षा व्यवस्था को भंग करने की साजिश में लिप्त थे। यूपी बोर्ड के सचिव दिब्यकांत शुक्ला ने पूरे प्रकरण को बेहद गंभीरता से लेते हुए परीक्षा व्यवस्था को बदनाम करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मामले में आगरा के जिला विद्यालय निरीक्षक ने श्री अतर सिंह इंट रकालेज रौझौली आगरा के केंद्र व्यस्थापक राजेंद्र सिंह, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक गंभीर सिंह एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट गजेंद्र सिहं समेत पांच के खिलाफ प्राथिमकी दर्ज कराई है। मुख्य आरोपी कंम्प्यूटर आपरेटर विनय चौधरी को माना गया है। केंद्र व्यवस्थापक एवं एक अन्य को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। मुख्य आरोपी फरार हो गया है। एक अन्य संदिग्ध भी भाग निकला है। पुलिस इनकी तलाश कर रही है। वाटसएप ग्रुप भी जांच के दायरे में है। स्टैटिक मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह से पुलिस पूछताछ कर रही है।

बोर्ड सचिव दिब्यकांत शुक्ला ने बताया कि आगरा के संबंधित विद्यालय की मान्यता वापस ले ली गई है। परीक्षा केंद्रों पर अब कोई भी मोबाइल नहीं ले जा सकेगा। सिर्फ स्टैटिक मजिस्ट्रेट को मोबाइल ले जाने की अनुमति होगी।

यदि कोई अन्य मोबाइल फोन ले जाएगा तो इसकी जिम्मेदारी स्टैटिक मजिस्ट्रेट की होगी। अन्य जो भी मोबाइल के साथ पकड़ा जाएगा उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

स्कूलों के बच्चों को पढ़ाई जाएँ एनसीआरटी की किताबें

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेश: तरबगंज बाबा भीम राव अम्बेडकर ने कहा था शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो जितना पियेगा वह उतना दहाड़ेगा। शिक्षा शिक्षक बच्चे देश की अमूल्य निधि हैं। किसी भी देश की उन्नति तभी संभव है जब वहां पर अच्छी शिक्षा वैज्ञानिक विचारधारा, दार्शनिक, कुशल प्रशासक और कुशल नेतृत्व करने वाली सरकार हो।

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद ने एक अच्छी पहल की शुरूआत करते हुए गंभीरता से कहा है कि अब सरकारी विद्यालयों में एनसीईआरटी की किताबें न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत लगाने का सर्कुलर जारी किया है। सरकार की मंशा है पूर्ण साक्षरता, शुद्ध साक्षरता के मूल मंत्रों पर कार्य करना है एनसीईआरटी की किताबों में कक्षा 1 से 2 तक मृदंग सारंगी आनंद आदि गणित की किताबें पढ़ाई जाएगी।

अभी तक एनसीईआरटी की किताबें 6 से लेकर 12 तक की पढ़ाई जाती रही है ।परंतु न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत अब कक्षा 1 से 2 तक एनसीईआरटी की किताबें सरकारी विद्यालय में पढ़ाई जाएंगी।

एक नजर

कमर अंसारी बने अपने पिता के सभासद प्रतिनिधि

फैसल/उत्तर प्रदेश: कमर अंसारी समाज सेवी वार्ड नं 15 ने आपने पापा के सभासद प्रतिनिधि है। अय्यूब अंसारी वरिष्ठ सभासद 7वीं बार नगर पालिका परिषद सरसावा में सभासद बने नगर पालिका में सबसे उमर दर्ज सभासद बने का रिकार्ड है। कमर अंसारी घर घर जाकर जानता की समस्या का समाधान कर थे है और सरकार से मिलने वाली योजना जानता तक पहुंचा थे है। जनता के सुख-दुख में हर समय खड़े रहे है।

कमर अंसारी ने इकोनामिक से बी.एड क्या है। उन्होंने बी.कॉम. एम. कॉम किया है। आगे चलकर सभासद का चुनाव लड़कर ऐसे ही जनता के बीच में रहना चाहते हैं। वार्ड में न.15 में वर्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, विकलांग रिक्शा आदि योजनाएं सभी पात्र वक्ति को दिलाई। मेरा हर समय प्रयास रहे था है सरकार से मिलने वाली योजना सभी पात्र वाक्ति को मिले प्रधान मंत्री उजवला योजना गैस सिलेंडर चूल्हे 600 पात्र व्यक्ति को दिलाया. वार्ड में सड़के, नालिया व बारात घर बन वाया वार्ड नं 15 में काफी समस्या थी बारात घर की।

गोण्डा सफाई कर्मी संघ के अध्यक्ष बने रवि गोस्वामी रामपाल ने महामंत्री पद पर हासिल की जीत

दीपक कौशल/उत्तर प्रदेश: गोण्डा शुक्रवार को करनैलगंज ब्लाक पर सफाई कर्मी संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें रवि गोस्वामी का चौथी बार दबदबा कायम रहा। साथ ही साथ महामंत्री पद के लिए रामपाल गौतम ने जीत हासिल की। शुक्रवार को हुए चुनाव में अजय कुमार वर्मा ने कोषाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की।

इस मौके पर दिनेश कुमार सिंह, पवन कुमार, दिग्विजय सिंह, आशुतोष यादव, बेनीप्रसाद यादव, रामपाल, दिनेश मौर्य, देवमणि शुक्ला, विवेक कुमार मौर्य, संजय जयसवाल, रामकुमार वाल्मीकि शिवमोहन अवस्थी तथा देवशरण सहित अन्य विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। संघ के जीत पर अध्यक्ष को उनके सहयोगियों ने ढेरों बधाइयाँ प्रेषित की, वहीं परिवार व शुभचिंतक, क्षेत्रवासियों में हर्ष का महौल बना हुआ है।

दादरी में अलग-अलग मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

अमित जैन/उत्तर प्रदेश: दादरी पुलिस ने अलग-अलग मुकदमों में चल रहे तीन वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार किया। दादरी कोतवाली प्रभारी सुजीत कुमार उपाध्याय ने बताया कि, काफी समय से अलग-अलग मुकदमों में फरार चल रहे तीन वारंटी आरोपी विनोद कुमार पुत्र हंसराज निवासी मोहल्ला गौतमपुरी दादरी, यासीन उम्र 40 वर्ष व शाहिद उम्र 33 वर्ष पुत्र सुबराती निवासी ग्राम चितेरा थाना दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर को उनके मक्सन से गिरफ्तार किया तीनों आरोपी काफी समय से अलग-अलग न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों में फरार चल रहे थे। गिरफ्तार करने वाले अधिकारी व कर्मचारी गण में सुजीत कुमार उपाध्याय थाना अध्यक्ष, उड्ढनिड पवन कुमार, महेश दत्त शर्मा, समीर, नरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

दादरी हत्या का प्रयास करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

अमित जैन/उत्तर प्रदेश: दादरी पुलिस ने हत्या का प्रयास करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक सुजीत कुमार उपाध्याय ने बताया कि, 3 महीने पहले वादी सतीश कुमार पुत्र जगदीश सिंह डेल्टा 3 ग्रेटर नोएडा ने तहरीर दी अभियुक्त द्वारा प्रार्थी पर एक राय होकर जान से मारने की नियत से चाकू से बार करने का मामला पंजीकृत कराया था। मंगलवार को थाना दादरी पुलिस ने अभियुक्त रंगा उर्फ दलमोर पुत्र जय सिंह निवासी ग्राम चिठेरा में अभियुक्त के घर के पास जीटी रोड से गिरफ्तार किया गिरफ्तार करने वाली टीम में सुजीत कुमार उपाध्याय थानाअध्यक्ष, अश्वनी कुमार और अर्जुन सिंह मौजूद रहे।

सहारनपुर में सड़क दुर्घटना में मां और बच्ची की मौत

सहारनपुर (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक सड़क दुर्घटना में एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी की मौत हो गई जबकि महिला का पति व बेटा हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि जिले के छुटमलपुर कस्बे के रहने वाले इरशाद बृहस्पतिवार रात को अपनी पत्नी, बेटी और दो बच्चों के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर एक शादी समारोह से घर लौट रहे थे कि दिल्ली-यमुनोत्री राजमार्ग पर एक ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया, दुर्घटना में पत्नी गुलिस्तां (30) और बेटी अलफिसा (सात) की मौत हो गई जबकि इरशाद और बेटा अरशद (आठ) घायल हो गए। हालांकि उनका दो वर्षीय बेटा असद हादसे में बाल-बाल बच गया। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

औरैया में रिश्वत लेते बीईओ गिरफ्तार

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के ब्लाक बिधूना में तैनात खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को प्रार्थना पत्र अग्रसारित करने के नाम पर रिश्वत लेते एंटी करप्शन टीम ने पकड़ लिया। एंटी करप्शन टीम बीईओ को कोतवाली ले गयी। छह लगभग छह घंटे तक रूकने बाद टीम उसे लेकर कानपुर के लिए रवाना हो गयी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बीईओ पुष्पेंद्र कुमार जैन ने ब्लाक बिधूना के प्राथमिक विद्यालय कुर्सी में सहायक अध्यापक शरद कुमार मांगी थी।

चंद्रपुर में मनाया गया छत्रपति शिवाजी महाराज का 350वां राज्याभिषेक समारोह

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्रः छत्रपति शिवाजी महाराज का 350वां राज्याभिषेक समारोह पूरे राज्य में मनाया जा रहा है, लेकिन जब ऐसा हो रहा था, तब भी चंद्रपुर सहित राज्य के कई जिलों में छत्रपति महाराज की घुड़सवारी वाली मूर्ति नहीं है। इसलिए विधायक किशोर जोगेर्वार ने सत्र में मांग की है कि जहां छत्रपति शिवाजी महाराज की कोई प्रतिमा नहीं है, वहां राज्य सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज की पूर्ण लंबाई वाली प्रतिमा बनाने का निर्णय ले।

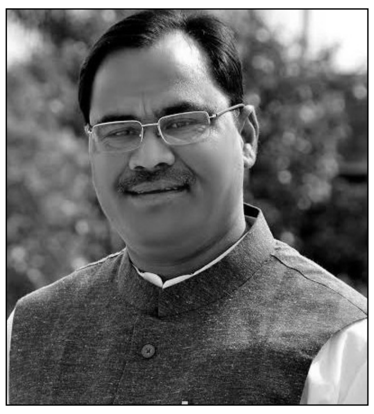

विधायक किशोर जोगेर्वार आज गुरुवार को बजट सत्र के चौथे दिन बजट के समर्थन में सदन में बोल रहे थे। इस अवसर पर विधायक किशोर जोगेर्वार ने चंद्रपुर निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर सदन का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चंद्रपुर लगभग 17 किमी लंबे परकोटे वाला एक प्राचीन शहर है। यहां 500 साल पुराना जून मंदिर है और मां महाकाली की 2 हजार साल पुरानी मूर्ति स्थापित है, लेकिन पुरातत्त्व विभाग की दमनकारी स्थितियों के कारण मंदिर का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। चैत्र अश्विनी माह में यहां यात्रा की जाती है। यहां देशभर से श्रद्धालु आते हैं, इसलिए उन्होंने मांग की है कि यात्रा क्षेत्र का विकास किया जाए।

चंद्रपुर में इराई नदी में अक्सर बाढ़ आती रहती है। इससे इस क्षेत्र के नागरिकों को भारी नुकसान हो रहा है। इसलिए, यहां बाढ़ सुरक्षा दीवार के निर्माण के लिए धन आवंटित किया जाना चाहिए, विदर्भ के पंढरपुर में स्थित वाडा तीर्थ क्षेत्र को महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान 25 करोड़ रुपये दिए गए थे, लेकिन वह प्राप्त नहीं हुआ है। अतः उक्त धनराशि तत्काल उपलब्ध करायी जाये, हमारा जिला विश्व में सर्वाधिक बाघ संरक्षित है।

इसलिए महाविकास अघाड़ी सरकार ने यहां टाइगर सफारी की घोषणा की थी। 286 करोड़ रुपये की लागत से 171 हेक्टेयर भूमि पर टाइगर सफारी का निर्माण होना था। इस अवसर पर बोलते हुए, विधायक किशोर जोगेर्वार ने यह भी मांग की है कि चंद्रपुर के विकास को बढ़ावा देने वाली इस घोषित बाघ सफारी का काम तुरंत शुरू किया जाना चाहिए।

काला राम मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करें

नासिक में कालाराम मंदिर है। इसी तरह चंद्रपुर में भी एक प्राचीन कालाराम मंदिर है। यहां जगह भी उपलब्ध है। इसलिए विधायक किशोर जोगेर्वार ने सत्र में बोलते हुए मांग की है कि, इस मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 10 करोड़ रुपये का फंड दिया जाए।

चंद्रपुर में तीन दिवसीय उत्सव की हुई शुरूआत

सुमिता अजय शर्मा

महाराष्ट्रः विश्व प्रसिद्ध ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व ने वन्यजीव संरक्षण, टिकाऊ पर्यटन और स्थानीय विरासत को बढ़ावा देने के लिए राज्य के वन मंत्री और चंद्रपुर जिले के संरक्षक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार की अवधारणा पर 1 से 3 मार्च 2024 तक तीन दिवसीय ताडोबा महोत्सव का आयोजन किया है। भव्य उत्सव चंद्रपुर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें 200 से अधिक निवास स्थान हैं और इसे बाघों की भूमि के रूप में जाना जाता है।

कार्यक्रम के पहले दिन 1 मार्च को विभिन्न सत्रों एवं प्रदर्शनियों का आयोजन किया जायेगा। शुरूआत में सुबह 11 बजे फॉरेस्ट अकादमी में ग्राम विकास समिति के सदस्यों, सरपंच और उपसरपंच के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने पर चर्चा और प्रकृति प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, शाम 5 बजे चंद्रपुर के चंदा क्लब ग्राउंड में पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद, रेत मूर्तिकार सुदर्शन पटनायक द्वारा एक रेत कला शो और श्रेया घोषाल द्वारा एक लाइव संगीत संध्या कार्यक्रम होगा।

2 मार्च को सुबह 11 बजे रामबाग कॉलोनी, चंद्रपुर में पौधों से दुनिया का सबसे बड़ा शब्द

'भारतमाता' लिखकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही दोपहर 12 बजे से फॉरेस्ट एकेडमी में विभिन्न सेमिनार का आयोजन किया गया है. शाम 6 बजे चंदा क्लब ग्राउंड में मशहूर कवि कुमार विश्वास का काव्य पाठ और ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार रिकी केज की संगीत संध्या होगी।

3 मार्च को दोपहर 12 बजे फॉरेस्ट एकेडमी में सी.एस.आर. परिषद के सहयोग से संरक्षण, समापन कार्यक्रम के अंतर्गत महाराष्ट्र वनभूषण पुरस्कार एवं अन्य पुरस्कार समारोह तथा प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी एवं उनकी मंडली द्वारा भारत की नदियों पर आधारित 'गंगा बैले' का आयोजन शाम 5 बजे चंदा क्लब ग्राउंड में किया गया है।

हरिद्वार में प्रॉपर्टी डीलर ने प्लॉट के नाम पर की 1.21 करोड रुपए ठगी

हरिश उपाध्याय

उत्तराखंडः हरिद्वार अप नगरी ज्वालापुर में प्रॉपर्टी डीलर में भूमि विक्रय के बहाने मां तथा बेटे से 1.21 करोड रुपए ठगी का आरोप लगाया। आरोप है कि मां बेटे ने रकम लेने के बाद वह भूमि किसी और व्यक्ति को बेच दी। कनखल पुलिस ने आरोपी मां बेटे तथा खरीदार के खिलाफ धोखाधड़ी समेत प्रभावी धरो धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। हरिद्वार एस एसपी प्रेम सिंह डोबाल को दिए। शिकायत पत्र में जगजीतपुर निवासी साजन उर्फ अनुज चौधरी ने बताया कि, उन्होंने अपने परिचितों के साथ मिलकर सुनीता मनचंदा निवासी कृष्ण नगर तथा उनके बेटे मनचंदा निवासी इंकलाब निवासी आर्य नगर ज्वालापुर से गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पास एक भूमि का सौदा करीब 7 करोड़ में किया था।

SECL भटगांव के मनोरंजन गृह में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रभेष मिश्रा

छत्तीसगढ़ः SECL भटगांव क्षेत्र के मनोरंजन गृह में सुहानी महिला मंडल भटगांव क्षेत्र के तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल बिलासपुर की अध्यक्षा पूनम मिश्रा मौजूद थी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता रोजी कुमार ने किया।

मनोरंजन गृह में आयोजित विविध कार्यक्रम को श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा पूनम मिश्रा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि, हमारी महिला मंडल एसईसीएल क्षेत्र तथा उसके आसपास के गांव में निवासरत महिलाओं और आम जनो के विकास के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करती आ

है। इसी कड़ी में आज भटगांव क्षेत्र में संस्था के द्वारा कम्प्यूटर और सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं और बालिकाओं को सर्टिफिकेट और सिलाई मशीन प्रदान किया गया है तथा आगे भी हम इस तरह के प्रोग्राम करके लोगो प्रशिक्षित करते रहेंगे और देश वा समाज के विकास में योगदान देते रहेंगे।

इस अवसर पर विगत 6 माह से कम्प्यूटर कोर्स कर रहे 19 बालिकाओं, महिलाओ को और सिलाई कटिंग का कोर्स कर रहें। 17 बालिकाओं और महिलाओं को वैध प्रमाण पत्र मुख्य अतिथि के कर कमलों से प्रदान किया गया तथा सिलाई सीख चुके महिलाओं को 13 नग सिलाई मशीन भी प्रदान किया गया, जिससे उन्हें स्वरोजगार प्राप्त हो और वो अपना और अपने परिवार का विकास कर सके।

इस अवसर पर तीन गरीब परिवार को जीवकोपार्जन के लिए ठेला गाड़ी भी प्रदान किया गया और एक निशक्त बच्चे को ट्राईसाईकिल प्रदान किया गया। विगत वर्ष भी 24 लोगो को प्रशिक्षण दिया गया था। इस अवसर पर पल्लवी गुप्ता, पूनम सिंह, प्रियंका श्रीवास्तव, सदस्या श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल बिलासपुर अर्पणा कृष्णा, सोहागपुर एरिया, तरुणा मदान, जमुना कोतमा एरिया, संगीता श्रीवास्तव चिरमिरी एरिया सहित भारी संख्या में सुहानी महिला मंडल की सदस्यों उपस्थित थी।

एक नजर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोरसा पर मनाया गया मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेशः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोरसा पर मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण एम सी एच एन से सम्बंधित 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन अंतरा फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है प्रशिक्षण सी एच ओ, ए एन एम, आशा सुपरवाइसर, महिला एवं बाल विकास सुपरवाइसर को प्रदान किया जायेगा प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला के गर्भवती होने पर उसका शीघ्र चिन्हाकन करना एवं 2 वर्ष तक के बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु सभी जांचे एवं पूर्ण टीकाकरण की जानकारी देना।

अंतरा फाउंडेशन से दीपेश राजपूत एवं अनुष्का पांडे द्वारा प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि, महिला के गर्भवती होने से लेकर उसके प्रसव के पश्चात् दो वर्ष तक के 1000 दिवस बच्चे के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते है। इस अवधि में बच्चे का शारीरिक एवं मानसिक विकास लगभग 85% हो जाता है।

इस दौरान उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओ एवं बच्चों की पूर्ण देखभाल अत्यंत आवश्यक है। आज का प्रशिक्षण सीएचओ को प्रदान किया गया। उक्त प्रशिक्षण का आयोजन बी एम ओ डॉक्टर शैलेन्द्र सिंह तोमर के निर्देशन में आयोजित किया गया।

अवैध तमंचे से खुद पर चल गई गोली, आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः पकड़ी बाजार में बीते दिन बृहस्पतिवार को तरबगंज तहसील के पकड़ी बाजार स्थित मनियाये चौराहे पर एक व्यक्ति के अवैध तमंचे से स्वयं पर चल गई गोली। मौके पर तरबगंज थाने से पूरी टीम पहुंचकर घायल को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक शमशेर बहादुर ने बताया कि व्यक्ति सलोनी मोहम्मदपुर का है व्यक्ति का नाम सुरजीत सिंह सुपुत्र बसंत बहादुर है जो पकड़ी बाजार के मनियाये चौराहे पर आया हुआ था जो अंडे की दुकान से अंडा खा रहा था कि अचानक अवैध तमंचे से स्वयं को गोली लगने से घायल हो गया। आसपास रहने वाले सभी लोगों से जानकारी लिखी गई है। तमंचे को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मीडिया द्वारा बाइक की फोटो ली गई नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा। सीओ तरबगंज सौरभ कुमार वर्मा की पूरी टीम मौके पर पहुंची है। तरबगंज के भानपुर चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा ने आरोपी युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत तरबगंज पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है।

SOS कब्स में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

सचिन अशोकराव मून

महाराष्ट्रः दत्ताजी मेघे बालकल्याण शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित स्कूल ऑफ स्कॉलर्स कब्स द्वारा विज्ञान दिवस मनाया गया और इस अवसर पर एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाटिल सर थे। उनका स्वागत स्कूल पर्यवेक्षिका शबाना खान ने किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि वे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्यों मनाते हैं। कुछ बच्चे वैज्ञानिकों की वेशभूषा में आए थे। बच्चों ने सुंदर मॉडल बनाए थे और उन्होंने मॉडलों को अच्छे तरीके से प्रस्तुत किया।

विज्ञान प्रदर्शनी देखने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे। इस प्रकार बच्चों की खूब सराहना हुई।

इस कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रिंसिपल के साई नीरजा और पर्यवेक्षिका शबाना खान के साथ-साथ प्रणिता जोशी, रेणुका सबाने, वर्षा देशमुख, वृषाली काले, आकांशा महल्ले, रानी रावेकर, हर्षदा ठाकरे, प्राजक्ता दारुंडे ने अथक प्रयास किया है।

चित्तौड़गढ़ अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस की एक कार्रवाई

उदय लाल पुष्करण (जोशी)

राजस्थानः चित्तौड़गढ़ निंबाहेड़ा जिले में अवैध मादक पदार्थ की धर पकड़ के लिए पुलिस ने कमर कसली जिले में अफीम डोडा तस्कर काफी सक्रिय है रोज अपराधी पुलिस की गिरफ्त में आ रहे हैं तो भी तस्करों के हौसले बुलंद है बड़ी मात्रा में तस्करी करते हैं लोकसभा चुनाव के मध्य नजर पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि, जिले में अवैध मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त परिवहन एवं भंडारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के तहत डीएसपी निंबाहेड़ा बेनी प्रसाद मीणा के मार्गदर्शन में निंबाहेडा सदर थाना अधिकारी संजय शर्मा मय जाब्ता द्वारा नीमच

चितौड़ हाईवे रोड पर नाकाबंदी की जा रही थी।

नाकाबंदी के दौरान नीमच की तरफ से मारुति सुजुकी कार आ रही थी जिसको चेक करने हेतु रुकवाना चाहा तो कार चालक ने अपने वाहन की गति बढ़ा दी जिस पर उक्त कार को नाकाबंदी हेतु लगाए गए बैरियर की सहायता से रोका गया कार के रुकते ही चालक कार से भागने का प्रयास किया। मगर पुलिस ने बड़ी मुस्तैदी से आरोपी के मंसूबों पर पानी फेर दिया कार चालक भागने लगा जिस पर पुलिस को संदेह हुआ और संदिग्ध वस्तु की संभावना हुई और कार को चेक किया तो सीट के पीछे प्लास्टिक के काले दो कट्टे पड़े मिले जिनको चेक किया, तो डोडा चूरा मिला उसका वजन करवाया तो कटे में 40 किलो अवैध डोडा चुरा पाया गया जिसे जब्त करके चालक जोधपुर जिले के ओसिया थाना अंतर्गत मालियों की बस्ती बस्ती नगर के सुंदरलाल पिता सोहनलाल माली को मौके से गिरफ्तार किया।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम संजय शर्मा पुलिस निरीक्षक थाना अधिकारी थाना सदर निंबाहेडा ए एस आई सुंदरपाल हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार कांस्टेबल जीवन दयाराम श्यामलाल सुरेश।

महिला प्रकोष्ठ एवं शिक्षा प्रकोष्ठ शपथ ग्रहण समारोह में शिवराज सिंह चौहान को किया गया आमंत्रित

बृज कुमार राठौर

मध्य प्रदेशः 5, मार्च 2024 को सिद्धपुर नगरी सीहोर में होने जा रहे हैं। युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं शिक्षा प्रकोष्ठ के संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आमंत्रण देने हेतु एक प्रतिनिधिमंडल ने जाकर उनके निवास पर उनसे संपर्क कर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारने हेतु आमंत्रण दिया।

इस अवसर पर प्रिंस राठौर नगर पालिका अध्यक्ष सीहोर सतीश राठौर अध्यक्ष राठौर समाज सीहोर इसके साथ ही और भी अन्य समाज बंधु सीहोर एवं भोपाल से सम्मिलित थे।

ममता सरकार पर 500 रुपये देकर माताओं-बहनों की इज्जत लूटने का आरोप

इंद्रनील चक्रबर्ती

पश्चिम बंगालः एक्स-मेजर ऋत्विक पाल ने लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल सरकार की कहानी के बारे में बात की। वह दो साल से बीजेपी से जुड़े हुए हैं। इससे पहले वह विभिन्न समाज सेवा कार्यों में शामिल रहे थे, जब ममता सरकार ने उन्हें अच्छे काम करने के लिए जेल में डाल दिया था, फिर भी पीछे नहीं हटे। उन्होंने यह भी कहा कि इस ममता सरकार ने 500 रुपये देकर माताओं-बहनों की इज्जत लूट ली है।

ये 500 रुपये माताओं-बहनों की इज्जत लूटने की कीमत है। पास और फेल के बारे में उन्होंने कहा, "अगर छात्र व्हाइट बुक जमा करके पास होंगे तो राज्य का

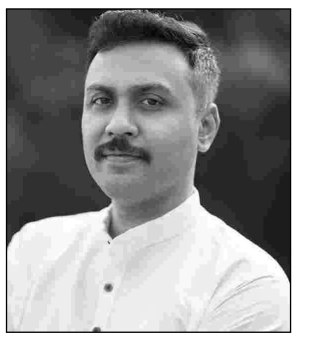

भविष्य व्हाइट बुक होगा." ममता कहती थीं, "जिस दिन ममता सरकार सत्ता में आएगी, दोगुनी नौकरियां होंगी" - आज यह एक मीम बन गया है। पश्चिम बंगाल की शिक्षा व्यवस्था आज "हीरोक राजार देश" कहानी की हकीकत है।

पंडित धीरेन्द्र कृष्णा शास्त्री के आश्रम में पांचवे सामूहिक विवाह का हुआ आयोजन

प्रेमसिंह यादव

मध्य प्रदेशः पंडित धीरेन्द्र कृष्णा शास्त्री के निज आश्रम बाघेश्वर धाम पर बुंदेलखंड पंचम महोत्सव के अंतर्गत 151 अनाथ अथवा गरीब कन्याओ के पांचवे सामूहिक विवाह का आयोजन समारोह बड़ी ही धूमधाम और सनातन संस्कृति के अनुरूप दिनांक 8 मार्च 24 शिवरात्रि को किया जायेगा। इस आयोजन मे देश के सभी प्रमुख साधु संतो को आमंत्रित किया गया है।

इस आयोजन की तैयारियां बहुत ही जोर शोर से चल रही है। कन्याओ को दहेज मे सभी दैनिक उपयोगी वस्तुओ के अलावा एक

एक मोटर साइकिल भी दी जा रही है।कार्यक्रम को भव्य और दिव्य रूप देने के लिए प्रतिदिन अलग अलग महान वुभूतियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमे नेता, अभिनेता कवि और संत सम्मिलित हे। 27 से 29 मार्च तक कवि कुमार विश्वास जी के कार्यर्क्रम रहे। आज नगर में भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया।

आगे होने वाले कार्यक्रमों मे भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी, खेसारी लाल यादव, अक्षरा सिंह और भी अनेक कलाकार एवं संत महात्माओं के सानिध्य में आयोजन सम्पन होगा। कुछ समय पहले ही ये गांव गढ़ा काफी पिछड़ा हुआ और अल्पविकसित था, मगर अब धाम की प्रशिद्धि ओर कीर्ति की वजह से दिन प्रतिदिन श्रद्धालुओ की अशंख्य बढ़ोतरी होने की वजह से क्षेत्र में छोटे मोटे रोजगार जैसे होटल, डोर मेट्री, रेस्टोरेंट, ऑटो, पूजन सामग्री, हारफुल, तस्वीर, आदि अनेको अनेक व्यवसाय के द्वार खुल चुके है और धाम के आसपास के क्षेत्र मे विकास के बदलाव को स्पस्ट रूप से देखा जा सकता है।

आगर मालवा कानड़ के स्कूल में पुरस्कार पाकर खिले बच्चों के चेहरे

गोवर्धन सिंह

मध्य प्रदेशः कानड़ नेताजी सुभाष पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल कानड़ में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष शिप्रा बाई बीजापारी उपस्थित थी। अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री कविता शर्मा ने की। विशेष सम्माननीय अतिथि के रुप में भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष व पार्षद विजयलक्ष्मी माली व वरिष्ठ टीचर ज्योति शर्मा

उपस्थित थी। अतिथियों का परिचय प्राचार्य कृष्णचन्द्र शर्मा ने कराया।

स्वागत लता पाठक, सुनीता विश्वकर्मा, दीपा दुबे ने किया। सरस्वती वंदना तमन्ना गुर्जर, सलोनी परमार ने प्रस्तुत की। विद्यालय में वर्षभर की विभिन्न गतिविधियों खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फैंसी ड्रेस, चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्न मंच शतप्रतिशत उपस्थिति आदि के पुरस्कार अतिथियो द्वारा प्रदान किए गए। शतप्रतिशत उपस्थिति वाले छात्र अमित आर्य, ध्रुव खजूरिया, हर्षिता बीजापारी, पूजा बीजापारी व शिक्षक दीपक सेन को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वर्षभर समय पर उपस्थित रहने वाले शिक्षक दीपक बोस, अर्जुन झलाया व सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष सहयोग देने पर ज्योति शर्मा, निकिता शर्मा को भी सम्मानित किया गया।भाजपा जिला महामंत्री कविता शर्मा ने छात्रों का हौंसला अफजाई करते हुए छात्रों से आगे अधिक से अधिक पुरस्कार जीतने की बात कही। कार्यक्रम का शानदार संचालन दीपक बोस व शिक्षिका पायल गर्ग ने किया।

महिलाओं व दलितों पर हो रहे अत्याचार में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर- बलवन्त राजपूत

अशोक कुमार स्वरंकर

उत्तर प्रदेशः कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर एवं जिलाध्यक्ष बलवन्त सिंह राजपूत के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि, मोदी मीडिया मिलकर कैसे झूठ का कारोबार कर रहे हैं उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कहीं पेड़ पर लटकी नावालिग बहनों के शव तो कहीं ईंटों से कुचल कर हत्या की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। कहीं भाजपा द्वारा आईआईटी, बीएचयू कैंपस में गैंगरेप का मामला दुस्साहस है तो कहीं न्याय न मिलने पर आत्महत्या के लिए महिला जज को मजबूर होना पड़ रहा है। यह उत्तर प्रदेश का हाल है इसकी कानून व्यवस्था का गुणगान करते मोदी मीडिया थकता नहीं है।

हाल ही में रामपुर में अंबेडकर स्मारक की मांग पर दसवीं की परीक्षा देकर लौट रही दलित छात्रा की हत्या आज की जर्जर कानून व्यवस्था का सबसे वीभत्स उदाहरण है।

मोदी मीडिया द्वारा गाड़ी गई झूठी छवि से बाहर निकल कर अब सच्चाई देखने का वक्त आ गया है उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार जंगल राज की गारंटी हो गई है। जिला अध्यक्ष बलवंत सिंह राजपूत ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पूरी तरह से गुंडागर्दी, बलात्कार, अपहरण, डकैती एवं कर्ज के कारण किसानों की लगातार आत्महत्या जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। पेट्रोल डीजल और गैस की महंगाई आम आदमी के गले की हड्डी बन गई है युवाओं को नौकरी के नाम पर पुलिस द्वारा लाठी व डंडों से पीटकर जेलों में ठूंसा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं रोज हो रही है उत्तर प्रदेश पूरे भारत में पेपर लीक प्रदेश बन चुका है उत्तर प्रदेश के हर नौजवान युवा महिला एवं मजदूर को निराशा हाथ लगने लगी है।

कांग्रेस जनों ने महामहिम राज्यपाल महोदया जी से अनुरोध किया है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को निर्देशित करें की उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था एवं भाजपा द्वारा दुष्प्रचार मीडिया पर लगाम लगाने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार को आदेशित करने की कृपा करें। साथ मैं कांग्रेसियों ने जनपद में बीते दिन हुई भयंकर अतिवृष्टि, ओलावृष्टि से छति हुई किसानों की रवि फसलें मटर, गेहूं, चना, सरसों आदि फसलों को भारी नुकसान हुआ है जिसको लेकर किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जगभान सिंह बुंदेला के नेतृत्व में जिलाधिकारी महोदय को जनपद की अतिवृष्टि ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों का उच्च अधिकारियों द्वारा सर्वे कराकर शीघ्र मुआवजा एवं राशि बीमा राशि दिलाए जाने की मांग की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बलवंत सिंह राजपूत, महिला जिलाध्यक्ष नेहा तिवारी, भान सिंह आदि दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन में गायत्री परिवार ने आयोजित किया पांच दिवसीय 108 कुंडीय गायत्री महा यज्ञ

गजेन्द्र सिंह

राजस्थानः चित्तौड़गढ़ कपासन में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज और स्थानीय गायत्री परिवार ट्रस्ट की ओर से यहां पंडित दिनदयाल उपाध्याय स्टेडियम में पांच दिवसीय कार्यक्रम कलश यात्रा से शुरू हुआ।

कलश यात्रा कस्बे के श्री पंचमुखी बालाजी मंदिर, श्री कल्याण राय जी मंदिर, महाराणा प्रताप चोराहा और स्टेशन से नंदेश्वर महादेव मंदिर से अलग अलग शुरू हुई। जिसमें कस्बे सहित 108 गांवों से महिलाएं कलश लेकर आई और शामिल हुई। गाजे बजे के साथ यात्रा में कस्बे के 12 मंदिरों के ठाकुर जी के बेवान सहित धार्मिक झांकियां, महाराणा प्रताप आदि की झांकियां शामिल हुई।

गायत्री परिवार के सदस्य, बटुको की टोली शामिल थे। चारो दिशाओं से कलश यात्रा पांच बत्ती चौराहे पर पहुंची। जहां से संयुक्त रूप से एक के बाद एक शामिल

होते हुए स्टेशन मार्ग से होकर आयोजन स्थल स्टेडियम में पंहुची। कलश यात्रा लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी रही। जिसमें यात्रा का अगला भाग स्टेडियम में तो पीछे का छोर पंचमुखी बालाजी मंदिर तक था। यात्रा में सबसे आगे मंदिरों के बेवान उसके पीछे बटुकों की टोली, इसके पीछे कलश लिए हुए महिलाएं और झांकियां शामिल थी। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। पूरा कस्बा गायत्री मय हो गया।

आयोजन स्थल पर 108 गांवों से लाए गए इन कलशों की पूजा अर्चना की गई और महाआरती के बाद प्रसादि हुई। कार्यक्रम में पुठवाड़िया वेद गुरुकुल के आचार्य डॉ हितेश शर्मा, गायत्री परिवार हरिद्वार की टीम, प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का दल सहित कई धार्मिक संगठनों के सदस्य, एमएलए अर्जुनलाल जीनगर, डीएसपी बुद्ध राज टांक, एसएचओ रतन सिंह मय जाप्ता आदि मौजूद रहे।

मंडी कालावाली में दिनदहाड़े चोरों ने चोरी की वारदात को दिया अंजाम

इंद्रजीत

हरियाणाः कालावाली मंडी में दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जागीर सिंह कॉलोनी में मास्टर गुरतेज सिंह सुखचैन के घर में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर चले गए। गुरतेज सिंह और उनकी धर्मपत्नी दोनों ही अध्यापक है। दोनों सुबह ड्यूटी पर चले गए और घर में कोई नहीं था। चोर घर के पीछे वाले गेट से घुसे और कमरे में रखी अलमारी से लगभग 15 तोले सोना और करीब 1 लाख के लगभग नगदी चुरा कर ले गए नगदी में गुरतेज सिंह की माता के पेंसिल के

पैसे थे चोरों ने पूरी तसल्ली से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जब गुरतेज सिंह ड्यूटी से घर वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि, मैंने गेट का दरवाजा अंदर से बंद था तो उन्होंने पड़ोसियों के घर के रास्ते से अपने घर के अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा हुआ पड़ा था।

गोण्डा खाली कुर्सियों के सहारे सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

कौशल

उत्तर प्रदेशः गोण्डा तरबगंज तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमे काफी कुर्सियाँ खाली पड़ी रही जिस पर बैठने वाले अधिकारी नहीं पहुँचे और फरियादी चारो तरफ घूमते नजर आये क्षेत्राधिकारी नें समस्याओ को सुनकर निराकरण का निर्देश दिया है।

बताते चले की तरबगंज तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें उपजिलाधिकारी तरबगंज भरत भार्गव के छुट्टी पर होने के कारण क्षेत्राधिकारी तरबगंज सौरभ वर्मा के साथ तहसीलदार केशव प्रसाद ने समाधान दिवस की शुरूआत कराई

थोड़ी देर के लिए आई सीडीओ मैम ने समस्याओ की सुनवाई की उनके जाने के बाद एक एक करके सभी आये हुए जिम्मेदार अधिकारी चलते बने औपचारिकता निभाने के लिए क्षेत्राधिकारी सौरभ वर्मा ने सुनवाई शुरू की, लेकिन समय से पहले वो भी चले गए बाद में एक दर्जन अधिकारियों के बीच तहसीलदार तरबगंज केशव प्रसाद ने मोर्चा सम्भाला जो दो बजे तक मौजूद रहकर डयूटी निभाई वही सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों के लिए लगाई गई कुर्सियाँ अपने चहेते का इंतजार करती रही लेकिन कोई भी जिम्मेदार बैठने नहीं आया, जिससे लगभग 70% कुर्सियाँ खाली पड़ी रही। चुनाव की शुगबुगाहट से जिम्मेदार अधिकारी फरियादियों की समस्याओ से कतराने लगे है जो पूरे तहसील परिसर में चर्चा का विषय बना रहा।

इतना ही नही साहब 119 शिकायते आई, लेकिन कोई रिसीव करने वाला ना होने के कारण ठन्डे बस्ते में डाल दी गई और फरियादियों को रामभरोषे छोड़ दिया गया। अब सवाल ये उठ रहा है की क्या सरकार की महत्तवाकांछी पहल जो जनता की समस्याओ को घर पर ही समाधान किया जाए, जिसके लिए सम्पूर्ण समाधान दिवस, थाना समाधान दिवस, जनता दर्शन आदि का आयोजन किया जाता है जिस पर जिम्मेदार ही कन्नी काट रहे है।

एक नजर

हाटा में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

श्रवण कुमार/उत्तर प्रदेशः जनपद कुशीनगर में शनिवार को तहसील सभागार हाटा में उपजिलाधिकारी प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान 62 मामलों में से 6 मामलों का मौके पर समाधान कराया गया। शेष मामलों को संबधित को निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस दौरान तहसीलदार नरेंद्र राम अपर उपजिलाधिकारी हीरा लाल, नायब तहसीलदार सुनील कुमार सिंह राजस्व निरीक्षक संजीवन मिश्र रामायण, लेखपाल सचिंद्र गुप्ता व अन्य अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड ने की परीक्षा निरस्त, पुनः जून में होगी आयोजित

दीपक कौशल/उत्तर प्रदेशः लखनऊ आरक्षी नागरिक पदों पर सीधी भर्ती पुलिस के लिए वर्ष 2023 के अंतर्गत 17 फरवरी 2024 तथा 18 फरवरी 2024 को आयोजित ऑफलाइन परीक्षा के अंतर्गत सभी पालियों की निरस्त हुई परीक्षा का आयोजन अब दिनांक 20 जून 2024 तथा 21 जून 2024 को किया जाना संभावित है। जो अपरिहार्य कारणों से निरस्त हो गई थी। इस बोर्ड की विज्ञप्ति संख्या पीआरबी एफ1(150)/2023 है। यह शासनादेश अपर सचिव भर्ती उत्तर प्रदेश भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ के द्वारा सर्कुलर आदेश जारी किया गया।

चित्तौड़गढ़ के श्री शनिमहाराज आली में उमड़ा जनसैलाब

गजेन्द्र सिंह/राजस्थानः चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन उपखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शनि महाराज आली में शनिवार को श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष छगन लाल गुर्जर ने बताया कि, शनिवार सुबह से हीं श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हों गया और पुजारी गोपुगिरी द्धारा भगवान शनिदेव प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं द्वारा शनिदेव को माला प्रसाद तेल उड़द काला कपड़ा शनिदेव के चरणों में भेंट कर शनिदेव के दर्शन कर दर्शन के लाभ प्राप्त किए और दर्शनार्थियों ने दर्शन करने के साथ हीं श्रीं शनिदेव को श्रद्धानुसार तेल चढ़ाया गया और दान किया ताकि शनिदेव महाराज की कृपा बनी रहे। कईयों ने हवन अनुष्ठान भी करवाएं एवं मुख्य मंदिर नवग्रह मंदिर तेल कुंड पर भी श्रद्धालुओं का दिन भर तांता लगा रहा। व्यवसाय बनाए रखने के लिए पाडोली चौकी से पुलिस का जाप्ता एवं मंदिर मंडल के कर्मचारी तैनात रहे।

राष्ट्र का चौथा स्तम्भ कहलाने वाले पत्रकार को कमजोर करने का क्या कारण ?

बलदेव

राजस्थानः पत्रकार को राष्ट्र का चौथा स्तम्भ माना गया है, ये सब जानते है और आज इस चौथे स्तंभ की क्या दुर्दशा हो रही है, जो चौथा स्तम्भ तीनो स्तंभों का ख्याल रखता है। उसका ख्याल रखने की बात जब आती है तो सब अजरंदाज कर देते हैं। चौथा स्तम्भ कहलाने वाले पत्रकारों के साथ आए दिन घटनाए हो रही है और दिन जान लेवा हमला हो जाते है और अनेक बार जान से हाथ धोना भी पड़ जाता हैं। माइक, कैमरा मोबाइल छीन लिए जाते है और इस बात को शासन प्रशासन द्वारा बड़ी ही आसानी से या तो

नजरंदाज कर दिया जाता है या उल्टा पत्रकार को ही झूठे इल्जाम में फसाकर इतना मजबूर कर दिया जाता है की एक सच की लड़ाई लड़ने वाले पत्रकार टूटकर बिखर जाते है जीवन भर सत्यमेव जयते की आस में निकल जाता हैं।

इसके प्रमुख कारणों में से एक बड़ा कारण क्या है सुनकर आश्चर्य होगा और एक सबक भी सीखने को मिलेगा। ऐसा भी होता है, तो कारण बताने से पहले एक दृष्टांत है। मरी मराई ने लाला जाया, लाला भयो कपूत मांस माता को ही खाया यानी जब एक वृक्ष से कोई लकड़ी टूटकर गिर जाती है और सूखने पर उसमे घुन लग जाता हैं जो सूखी लकड़ी मृत होती है और वह घुन उसमे पैदा हो कर उसी का भक्षण कर जाता हैं।

आप को बता दें आज राष्ट्र के चौथे स्तंभ की कुछ ऐसी ईंट जो उस स्तंभ को ही धराशाही करने पर तुली है, वो भी आपस की ईर्ष्या भावना के कारण और बिना अंतिम परिणाम की जानकारी के अभाव में, अगर इस चौथे स्तंभ को बचा कर रखना है तो सबसे पहले इसके अंदर जो ईर्ष्या रूपी जो घुन लगा हुआ है उसको सही करें।

मीरजापुर के इंदिरा गांधी राजकीय पीजी कॉलेज में आयोजित हुआ वार्षिक क्रीड़ा समारोह

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः मीरजापुर लालगंज में इंदिरा गांधी राजकीय पीजी कॉलेज लालगंज मिजार्पुर में वार्षिक क्रीडा समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें अतिथि के रुप में समाजसेवी वरुण शुक्ला ने पहुंचकर प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार कर देकर सम्मान किया। अपने अभिभाषण के माध्यम से खेल की भावनाओं एवं खेल के महत्व को भी परिभाषित किया उन्होने कहा कि, खेल से शारीरिक विकास तो होता ही है। साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है, जिससे तर्कशक्ति और बुद्धि शक्ति भी बढ़ती है छात्र-छात्राओं को खेल के प्रति अग्रसर होना चाहिए।

नागौर में आयोजित हुआ मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 बैठक

मनोज कुमार/राजस्थानः नागौर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के प्रथम चरण के कार्यों के अनुमोदनार्थ बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत सिंह व अधीक्षण अभियन्ता जलग्रहण उम्मेद सिंह राव द्वारा जिले के सभी ब्लॉक में विभिन्न विभागो द्वारा चयनित कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। बैठक में विस्तृत विचार विमर्श एवं चर्चा के बाद मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 प्रथम चरण के तहत जिले के कुल 8811 कार्य राशि 18944 लाख का अनुमोदन किया गया। सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कृषि, वन ,उद्यानिकी, पंचायती राज जल स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, ग्रामीण विकास, वाटर शेड एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने रामकृष्ण नगर विकास यात्रा में लिया भाग

सचिन्द्र शर्मा

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा 1 मार्च (शुक्रवार) को रामकृष्णनगर-विकास यात्रा पर विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के कार्यक्रम को लेकर रातबाड़ी क्षेत्र के भाजपा समर्थक काफी उत्साहित हैं और मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। मुख्यमंत्री ने रामकृष्णानगर में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया।

उन्होंने विकास यात्रा में आपने बात रखते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों असम

में विकास कार्य हो रहे हैं और 578 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बनेगा और कॉलेज को बनने में 4 साल लगेंगे। मैंने रातावाड़ी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज देने का अपना वादा पूरा किया।

इस मंच से उन्होंने वादा किया कि अगर बीजेपी चुनाव जीतती है तो बराक घाटी में विकास की गंगा बहेगी। स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने कहा कि सरकार लोगों के कल्याण के लिए तत्पर है, स्वास्थ्य सेवा जन सेवा है और मेडिकल कॉलेज की स्थापना से क्षेत्र के लोगों को फायदा होगा। रातबाड़ी विधायक विजय मालाकार ने कहा राताबाड़ी क्षेत्र का वर्षा पुराना सपना साकार हुआ मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में और उन्होंने उनका वादा पूरा किया।

जीवनधारा हॉस्पिटल तारानगर जनहित ट्रस्ट को देगा सहयोग

रमेश कुमार

राजस्थानः चूरू जनहित ट्रस्ट एक सामाजिक संस्था है जो विभिन्न प्रकार से आमजन की सेवा करती आ रही है। अब राजस्थान में प्रभारी अमित सारस्वत की अध्यक्षता मे पूरे राजस्थान के हर क्षेत्र में आमजन के लाभ कार्ड बनाये जा रहे है, जिसमे तमाम तरह के लाभ संस्था द्वारा दिये जाते है। तमाम हॉस्पिटल संस्था को सहयोग का रहे है। लाभ कार्ड धारक को विशेष छुट दे रहे है, जिसमे जीवनधारा हॉस्पिटल जो की चूरू जिले के तारानगर में है। वर्मा हॉस्पिटल भादरा व अन्य तमाम हॉस्पिटल जो जनहित ट्रस्ट लाभ कार्ड धारक को विशेष छुट देंगे और समय समय पर चेकअप कैम्पो का भी आयोजन करेंगे।

जनहित ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश शाक्य ने बताया कि, राजस्थान में अमित सारस्वत जनहित ट्रस्ट की योजनाओ का प्रचार प्रसार

पूरे जोरो सोरो से कर रहे है। हर क्षेत्र में हॉस्पिटलो को ट्रस्ट के पेनल से जोड़ रहे है। अमित सारस्वत ने कहा की आने वाले समय में लाभ कार्ड धारक को कोई भी दिक्कत का सामना नहीं करने दिया जायगा। सभी को संस्था की योजनाओं का लाभ दिया जायगा ताकि ओर रोजगा दिया जायगा ओर लोगो को स्वस्थ किया जा सके। इस मौके पर संस्था से सदस्ये ओर हॉस्पिटल स्टाफ मौजूद थे।

4 मार्च को होगा एडवांटेज चंद्रपुर 'इंडस्ट्रियल एक्सपो एंड बिजनेस कॉन्क्लेव' का उद्घाटन

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्रः औद्योगिक विकास निगम, जिला प्रशासन और एमआईडीसी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, चंद्रपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय 'एडवांटेज चंद्रपुर 2024 - औद्योगिक एक्सपो और बिजनेस कॉन्क्लेव' का उद्घाटन सोमवार को हुआ। यह 4 मार्च को आयोजित किया जाएगा। सुबह 11 बजे चंद्रपुर वन अकादमी में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे और राज्य उद्योग मंत्री उदय सामंत मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वन, सांस्कृतिक कार्य एवं मत्स्यपालन मंत्री तथा जिले के पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार करेंगे। संरक्षक मंत्री मुनगंटीवार द्वारा परिकल्पित 'एडवांटेज चंद्रपुर 2024', उद्योग मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित है।

इस परियोजना के पीछे मुख्य उद्देश्य अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए चंद्रपुर जिले के औद्योगिक विकास में तेजी लाना, बुनियादी ढांचे, कुशल जनशक्ति के मामले में चंद्रपुर और आसपास के क्षेत्र के पिछड़ेपन के बारे में गलत धारणाओं को दूर करना और उद्योग से मार्गदर्शन प्रदान करके स्थानीय व्यवसायों, उद्यमियों, समूहों का समर्थन करना है। 4 मार्च को वन एकेडमी के प्रभा ऑडिटोरियम में दोपहर 2.30 बजे 'आर्यन एंड स्टील' और शाम 4.30 बजे 'माइनिंग एंड कोल' पर और सिद्धांत हॉल में दोपहर 2.30 बजे 'वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत' पर और 'वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत' पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे।

शाम 6.30 बजे 'ऊर्जा स्त्रोत' 'कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र' विषय पर सेमिनार आयोजित है। 5वीं सुबह 10.30 बजे प्रभा हॉल में 'एफआईडीसी और बांस' और दोपहर 12.30 बजे 'बांस उद्योग', दोपहर 3.00 बजे 'शिक्षा और कौशल विकास', 10.30 बजे सिद्धांत हॉल में 'फाइनेंस और स्टार्टअप', दोपहर 12.30 बजे 'सर्कु' दोपहर तीन बजे लॉन 'अर्थव्यवस्था', 'सीमेंट एवं चूना पत्थर' विषय पर सेमिनार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में उमड़ा विशाल जनसागर, महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्रः यवतमाल जिले में विभिन्न परियोजनाओं के भूमिपूजन, लोकार्पण एवं लाभ वितरण कार्यक्रम के लिए आये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में अभूतपूर्व भीड़ उमड़ी। इस सभा में जिले भर से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की भरी संख्या में उपस्थिति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

यवतमाल शहर के निकट डोरली गांव में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में जिले की तीन लाख से अधिक महिलाएं, किसान और युवा शामिल हुए थे।

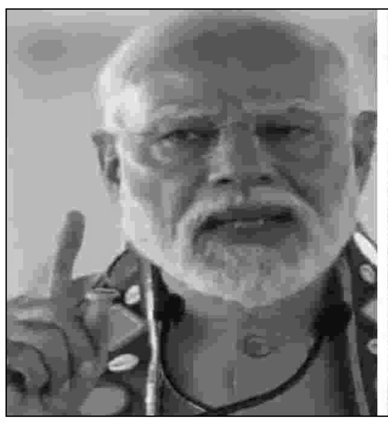

वर्धा-कालांबा रेलवे लाइन चरण का उद्घाटन और नई ट्रेन का शुभारंभ, नई अष्टी-अमलनेर रेलवे का शुभारंभ, अमलनेर-न्यू अष्टी स्टेशन तक विस्तारित ट्रेन सेवा, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए मोदी आवास योजना का शुभारंभ, पीएम किसान सम्मान निधि की 16वीं किस्त सीधे बैंक खाते में वितरण, नमो शेतकारी महासंमान निधि के तहत दूसरी और तीसरी किस्त का वितरण, यवतमाल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण, आयुष्मान भारत के तहत महाराष्ट्र में एक करोड़ आयुष्मान कार्ड का वितरण, महिला स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड का वितरण मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण मिशन के तहत विदर्भ और मराठवाड़ा में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत छह परियोजनाओं का उद्घाटन, बलिराजा जलसंजीवनी योजना के तहत विदर्भ और मराठवाड़ा में 45 सिंचाई परियोजनाओं का उद्घाटन, सड़कों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। उन्होंने कहा कि, विदर्भके हर परिवार को यह जानने का हक है कि, किसके पाप की सजा उन्हे भुगतनी पड़ी है। मोदी ने रेल, सड़क और सिंचाई संबंधित 4900 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया।

एनडीए सरकार में किसानों को क्या मिल रहा था? उस समय किसान भी महाराष्ट्र के ही थे। उस समय किसानों के लिए पैकेज की घोषणा दिल्ली से होती थी, लेकिन किसानों तक कुछ नहीं पहुंचता। प्रधानमंत्री मोदी ने बिना नाम लिए शरद पवार की आलोचना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने हमला बोलते हुए कहा कि जब शरद पवार कृषि मंत्री थे तब केंद्र में भ्रष्ट यूपीए सरकार थी। हालाँकि, अब कुछ ही पलों में किसानों के खाते में सीधे करोड़ों रुपये जमा हो जाते हैं। कांग्रेस सरकार के समय दिल्ली से किसानों को एक रुपया दिया जाता था, लेकिन किसानों तक सिर्फ 15 पैसे ही पहुंचे।

पंतप्रधान मोदी ने आरोप लगाया कि किसानों का पैसा बीच में ही लूट लिया गया। लाखों किसानों के खाते में 21 हजार करोड़ की बड़ी राशि पहुंच चुकी है। ये मोदी की गारंटी है। मोदी ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार होती तो 21 हजार करोड़ में से 18 हजार करोड़ कट जाते।

प्रधानमंत्री मोदी यवतमाल जिले के डोरली में आयोजित स्वयं सहायता समूह की बैठक में शामिल हुए।

नरेंद्र मोदी के दोबारा प्रधानमंत्री बनने के लिए मुस्लिम युवती करेगी 12 ज्योतिलिंगों के दर्शन

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्रः एक युवा मुस्लिम महिला ने देशभर के 12 ज्योतिलिंगों के दर्शन के लिए साइकिल यात्रा शुरू की है। ये युवती रोजाना 70 से 80 किलोमीटर का सफर साइकिल से तय कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी को 2024 में फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखने के लिए क्या नही कर रहे है ऐसा ही एक मामला महाराष्ट्र के धूलिया जिले से पता चला है, कुछ दिन पहले, एक युवा मुस्लिम युवती राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा समारोह के लिए मुंबई से पैदल निकली थी। धुले की रहने वाली शबनम शेख नाम की युवती रामलला के दर्शन के लिए मुंबई से 1425 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर पहुंची थी। इसलिए यह युवती पूरे देश में चर्चा में आ गई। अब फिर इस युवती ने एक नया संकल्प लिया है। शबनम शेख ने इस बार देशभर के 12 ज्योतिलिंगों के दर्शन करने का फैसला किया है। शबनम साइकिल से बारा ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने के लिए एक युवा मुस्लिम महिला शबनम शेख ने साइकिल चलाकर बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों के दर्शन करना शुरू कर दिया है। शबनम शेख ने मुंबई से साइकिल चलाना शुरू किया। शबनम अब तक दो ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर चुकी हैं और अगले ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए इंदौर रवाना हो गई हैं।

शबनम करीब छह महीने में प्रतिदिन 70 से 80 किलोमीटर साइकिल से यात्रा कर बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करेंगी। पीएम मोदी के महिला सशक्तिकरण के कारण ही हम आजाद हैं। इससे पहले भी वह मुंबई से अयोध्या तक पैदल जा चुके हैं। शबनम शेख ने कहा है कि, अब एक बार फिर मोदी सरकार बारा ज्योतिर्लिंग पर प्रार्थना करने गई है कि वह इस देश में आएं।

परिवार और समाज के लिए अभिशाप बना एक रिटायर प्रमोटेड अधिकारी

संतोष कुमार मल्लिक

बिहारः जिला सुपौल में एक गांव है भवानीपुर वार्ड नंबर 15 पोस्ट पंचायत ग्वालपाड़ा थाना छातापुर जहां एक बुजुर्ग व्यक्ति का कुछ वर्ष पूर्व स्वर्गवास होता है, जो नेक दिल इंसान न्याय प्रिय थे जिनका नाम जिनका नाम रामनारायण मलिक थे। उनके पुत्र लोग उनके स्वर्गवास की सूचना सभी परिवार के लोगों को को देते हैं।

उसी में उनका एक खास भतीजा जिनका नाम अशोक कुमार मलिक हैं जो रिटायरमेंट से करीब 1 वर्ष पूर्व आईएएस में प्रमोशन लेते हैं और अहंकार से तर बतर रहते हैं। वह भी करीब 40 साल

बाद श्राद्ध कर्म में गांव आते हैं भाई लोग उनका काफी मान सम्मान करते हैं। कुछ दिन बाद वह भाई लोग से जमीन खरीदने की बात करते हैं भाई लोग खुशी जाहिर करते ही उसे कुछ जमीन खरिदवाते है। अब उन पर जमीन का ऐसा नशा चढ़ता है कि, वह परिवार और छोटा बड़ा का ख्याल तक नहीं करते हैं।

वह गिरगिट सा चाल बदलते हैं और खास चचेरा भाई संतोष कुमार मलिक पिता स्वर्गीय रामनारायण मल्लिक का ही जमीन से पेड़ पौधे और घेरा बंदी उखाड़ कर अपना पौधा लगा देते हैं। स्वयं लाइसेंसी पिस्टल राइफल और बदमाश रखता है। साथ ही पुलिस पदाधिकारियो को भी पैसा पावर पर दबा कर रखता है। इसका किसी थाने में शिकायत दर्ज नहीं लेता है। पुनः एक चचेरा चाचा त्रिवेणी शंकर मलिक का भी जमीन हथियाता है और उसपर अपना नौकर से केस दर्ज करा देता है ऊपर से गाली गलोज भी करता है और दूसरो से कराता है।

चित्तौड़गढ़ में नाली न होने से सड़क पर भरा पानी

उदय लाल पुष्करण (जोशी)

राजस्थानः चित्तौड़गढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़वाई में नाली ना होने के कारण गांव व घरों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। राहगीरों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है और जहां नाली है वहां नाली में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। नालिया बनने के बाद पंचायत ने कोई सार संभाल नहीं की है, जिसकी वजह से नालियां पूरी तरह से बंद पड़ी हुई है।

नाली बंद होने के कारण गंदा पानी रोड पर आ रहा है लोग काफी परेशान है। पानी जमा होने और गंदगी फैलने से लोग महामारी की चपेट में आ रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं। गंदा पानी होने की वजह से मच्छर पनप रहे हैं। नालियों में कूड़ा करकट भर जाने से पानी से बदबू होने से लोगों को काफी दिक्कतें और वहां रह रहे लोगों का बाहर निकलने में मन ऊब रहा है।

मोहल्ले वासियों ने पंचायत में शिकायत भी की ऑनलाइन शिकायतें भी की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ ग्रामीण विशाल उपाध्याय का कहना है कि, पीपली चौक से पुष्करणा नोहरा तक जो नाली है, जिसमें गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिसकी पहली शिकायत 11 जुलाई 2020 को की दूसरी शिकायत 23 अप्रैल 2023 को की, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ पंचायत में भी लिखित में शिकायत दी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ संतोष प्रद जवाब तक नहीं मिला और जवाब मिला की बजट नहीं है, जिससे लोगों में काफी आक्रोश है।

नाली की परेशानी की वजह से खुद मोहल्लेवासी नालिया साफ करने को मजबूर है मौके पर छगनलाल जोशी रामी बाई वर्दी बाई विशाल उपाध्याय सभी मेहनत करके हर महीने नालियों की सफाई करते हैं, लेकिन आगे नालियों की रूकावट होने के कारण गंदगी वापस लग जाती है, लेकिन पंचायत पर जूं तक नहीं रेंग रही है। शिकायत देने के बावजूद अभी तक कोई मौके पर भी नहीं आया पंचायत कि, इस लापरवाही से आमजन परेशान है। ग्राम पंचायत से निवेदन है कि, जल्द से जल्द समस्या का समाधान करवाए अगर समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कलेक्टर के समक्ष लिखित में शिकायत पेश करेंगे।

राशन कार्डधारक डिपू पर जाकर 15 मार्च तक आपनी ई-केवाईसी करवाएं -राममेहर

इंद्रजीत

हरियाणाः कालांवाली खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग हरियाणा मुख्यालय द्वारा जारी आदेशों की पालना करते हुए कालांवाली कार्यालय के निरीक्षक राममेहर ने सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी के लिए पत्र क्रमांक 2024/1646/ दिनांक 1 मार्च को जारी करते हुए कालांवाली केन्द्र के अधिनस्थ सभी डिपू होल्डरों को सख्त दिशा-निर्देश देते हुए कहा है कि, आपने अबतक ई-केवाईसी सम्बंधी विभागीय आदेशों को गम्भीरता से ना लेते हुए राशनकार्ड धारकों की ई-केवाईसी (वेरिफिकेशन) का कार्य बहुत ही धीमी गति से किया है, जोकि

अबतक मात्र 20 फीसदी ही हुआ है जबकि कार्डधारकों की ई-केवाईसी (वेरिफिकेशन) करने की अन्तिम तिथि फरवरी माह का अन्तिम दिन था, परन्तु अपेक्षित ई-केवाईसी कार्य ना होने वारे डिपू होल्डरों को पूर्व में भी दो बार पत्र जारी करके सूचेत किया गया था। अब विभाग ने पोर्टल पर ई-केवाईसी (वेरिफिकेशन) का अवलोकन करने उपरांत कार्डधारक के हितों को ध्यानार्थ रखते हुए ई-केवाईसी (वेरिफिकेशन) करने के समय में वृद्धि करते हुए अब इसे 15 मार्च तक बढ़ा दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि, प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार बीपीएल तथा एएवाई राशनकार्ड (जिन पर डिपू से राशन मिलता है) में दर्ज पांच वर्ष से ऊपर आयुवर्ग के सभी सदस्यों को डिपू स्थल पर लगाकर पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाकर ई-केवाईसी करवानी अनिवार्य है। कार्डधारक अपने नजदीकी डिपू-होल्डर के पास जाकर ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

कार्डधारक आपनी ई-केवाईसी करवाने की नैतिक जिम्मेदारी (वेरिफिकेशन) स्वीकार करें .यदि कोई कार्डधारक ई-केवाईसी नहीं करवाता तो उसका नाम राशनकार्ड में से हट/कट सकता है अतः कार्डधारक भी हितों के लिए इसे गम्भीरता से लें तथा राशनकार्ड में दर्ज पांच वर्ष से ऊपर आयुवर्ग के सभी सदस्य अपने-अपने आधार कार्ड के साथ अपने नजदीकी डिपू स्थल पर जाकर अपनी-अपनी ई-केवाईसी (वेरिफिकेशन) पीओएस मशीन के माध्यम से करवाना सुनिश्चित करें ताकि भविष्य में किसी भी लाभार्थी को राशन प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

मुजफ्फरनगर अपर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने तहसील पर जनसमस्याओं का किया समाधान

शरद शर्मा

उत्तर प्रदेशः मुजफ्फरनगर शासन के निदेर्शों के क्रम में अपर जिलाधिकारी (ई) नरेन्द्र बहादुर सिंह एवं पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत द्वारा तहसील सदर मुजफ्फरनगर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान अधिकारीगण द्वारा जनता की जनसमस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण को मौके पर जाकर शिकायतों का शत प्रतिशत निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। अधिकारियो द्वारा समस्त

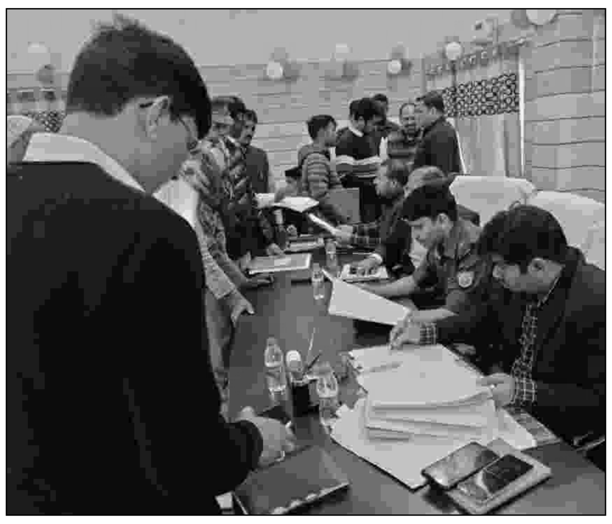

अधिकारी/कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई सभी शिकायतों की मौके पर जाकर निष्पक्ष जाँच करें एवं समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें तथा महिला अपराध सम्बन्धी शिकायतों की जाँच प्राथमिकता के आधार पर की जाए।

इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित सभी अधिकारी/कर्मचारीगण व शिकायतकताओं को साइबर अपराध एवं साइबर ठगी के सम्बन्ध में भी जागरूक किया तथा साइबर अपराध से बचने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। सदर तहसील पर आयोजित उक्त सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी सदर, सहित प्रशासन, पुलिस व राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

केन जल महाआरती में भक्तो ने मांगा आशिर्वाद, केन जल संरक्षण हेतु हुए संकल्पित

हफीजुर्रहमान

उत्तर प्रदेशः बाँदा में प्रत्येक मंगलवार की भांति लगातार कई वर्षो से केन जल आरती की परंपरा अनवरत जारी है। वहीं केन जल आरती की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी मितेश कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया कि पूर्व की भांति लगातार केन जल आरती का कार्यक्रम विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति के तत्वाधान में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित किया जाता है जोकि इस बार भी सकुशल आरती कार्यक्रम बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ भक्तो ने संपन्न किया। मीडिया प्रभारी मितेश कुमार ने आगे अवगत कराया कि केन जल आरती में दूर-दूर से लोग आकर जुड़ने का कार्य कर रहे हैं तथा केन जल की महत्ता और उसकी आवश्यकताओं को समझ रहे हैं, हालांकि काफी सारे लोग अभी भी इस जगह से अपरिचित हैं।

उन्हें केन जल की महत्ता का भान नहीं है लेकिन समिति इसके लिए धीरे - धीरे प्रयासरत है जिससे लोग ज्यादा से ज्यादा इस पावन स्थल को जाने और इसकी

महत्ता को समझें। कार्यक्रम में उपस्थित समिति के जिलाध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि, जो लोग केन जल आरती में जुड़ रहे हैं। उनको केन मां का आशीष प्राप्त हो रहा है तथा वो सभी केन जल के प्रति जागरूक भी हो रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि, समिति लगातार केन नदी और उसकी जलधारा की सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा लगातार हमारे द्वारा सभी को केन नदी के अस्तित्व को समझने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

इस दौरान जिलाध्यक्ष ने सभी जनपदवासियों का आवाहन किया और कहा कि हम सभी को एक होकर केन नदी को संरक्षित रखना है तथा इसके लिए हर संभव कोशिश करना है। इसलिए सभी लोग आगे बढ़कर समिति का सहयोग करें और अपने आने वाले भविष्य को जल के अकाल से सुरक्षित करें क्योंकि अगर केन नदी की जलधारा टूटती है। इससे समस्त जनपदवासियों को भविष्य में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सभी लोग मिलकर आगे आए और केन जल को संरक्षित तथा सुरक्षित करने के लिए संकल्पित हों। इस दौरान कार्यक्रम में सभासद विनय प्रजापति, जिला सह प्रभारी आलोक कुमार, निगम संजय लास्करी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष संदीप सेन सहित तमाम पदाधिकारी एवं श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, मचा हड़कंप

आकिल अली

उत्तर प्रदेशः बिजनौर के तहसील चांदपुर के गांव मंझोला बिल्लीच में मंगलवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों के मुताबिक युवक एक दिन पहले घर से दिल्ली के लिए निकला था सुबह गांव के जंगल में पेड़ से लटका मिला। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को घंटों शव को उतारने नही दिया। पिता ने तहरीर देकर 9 नामजद लोगों पर बेटे की हत्या का शक जाहिर किया है।

पुलिस युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। दरअसल मामला बिजनौर जिले के तहसील चांदपुर के शिवाला कला थाना क्षेत्र का है जहां ग्राम मंझोला बिल्लौच में जंगल में एक पेड़ पर युवक का शव लटका मिला है। युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से हड़कंप मच गया सूचना पर स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर इकठ्ठा हो गई। युवक की शिनाख्त राहुल पुत्र गुड्डू उर्फ नरेश गांव मंझोला बिल्लौच के रूप में हुई है युवक अहमदाबाद किसी फैक्ट्री में काम करता था हाल ही में अहमदाबाद से गांव आया हुआ था और बीते कल घर से दिल्ली के लिए निकला था।

हरिद्वार जिलाधिकारी ने चुनावी तैयारी के संबंध में की बैठक

हरिश उपाध्याय

उत्तराखंडः हरिद्वार जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि, आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 स्वतंत्र निष्पक्ष पारदर्शी भय रहित माहौल में संपन न करना सुनिश्चित करें। निर्वाचन प्रतिक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षमा नहीं होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व को निर्वहन पूरी जुम्मे वाली से करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि, जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु सर्विस वोटर के साथ ही निर्वाचन ड्यूटी में लगे मतदान की व्यवस्था हेतु शीघ्रता से प्रभावी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि, जनपद में कम मतदान वाले स्थान का चिन्हित करण करते हुए संबंधित क्षेत्र में वृद्ध मतदाता जागरूकता अभियान चला जाए मुख्य विकास अधिकारी वह नोडल अधिकारी स्वीप प्रतीक जैन ने मतदाता जागरूकता हेतु नगर निगम के कूड़ा उठाने वाले वाहनों के माध्यम से मतदाता जागरूकता आधारित गीतों के माध्यम से प्रसारण किया जाए तथा एआरटीओ को निर्देशित किया कि, आवागमन के विभिन्न साधनों पर मतदाता जागरूकता के स्टीकर चिपका दिया जाए। दूध विभाग के अधिकारियों को निर्देशित दिए के दूध के फैक्ट टॉपर मतदाता जागरूकता प्रिंट छपवाकर आम जनता को प्रभावित किया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन अपर जिलाधिकारी पी एल शाह दीपेंद्र सिंह सीएमओ मनीष दत्त एच आर डी सचिव उत्तम सिंह चौहान, उप जिलाधिकारी मनीष कुमार सिंह, जयवीर सिंह, बीडीओ बहादराबाद मानस मित्तल, मुख्य शिक्षा अधिकारी के के गुप्ता योजना निर्देशक एन डीपीआरओ के तिवारी अतुल प्रताप सिंह तथा अन्य सभी विभाग केअधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से बैठक की।

संपादकीय

जान बचाने वाले को बुलडोजर का इनाम

गरीबों पर अन्याय का चाबुक और न्याय के नाम पर बुलडोजर भाजपा के शासनकाल की खासियत बन चुकी है। इसकी ताजा मिसाल दिल्ली से सामने आई है, जहां दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी डीडीए ने अतिक्रमण हटाने के लिए कुछ गरीबों के घरों को बुलडोजर से रौंद दिया है। इन घरों में एक घर वकील हसन का भी है, जो चार महीने पहले सिलक्यारा सुरंग में मजदूरों को बचाने के कारण स्टार बन चुके थे, लेकिन फिलहाल वे सड़कों पर फाकाकशी को मजबूर कर दिए गए हैं। याद दिला दें कि 12 नवंबर को उत्तराखंड के सिलक्यारा में बन रही सुरंग का एक हिस्सा धंस गया था, जिसमें 41 मजदूर फंस गए थे। इन मजदूरों को निकालने के लिए विदेशों से मशीन मंगाने से लेकर सुरंग के मुंह पर मंदिर बनाने तक सारे जतन किए गए थे, लेकिन आखिरकार मजदूरों को बचाने का काम रैट माइनर्स ने किया था। चूहों की तरह जमीन खोदने की तकनीक पर रैट माइनर्स ने 21 घंटों तक बिना रुके 10-12 मीटर गहराई तक जमीन को हाथों से खोदा, मलबे को निकाला और तब जाकर 17 दिनों बाद 41 मजदूरों की जान बच सकी। अगर रैट माइनर्स अपनी जान जोखिम में डालकर अथक परिश्रम नहीं करते तो कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

देश पर औद्योगिक हादसे का एक और कलंक लग सकता था। लेकिन रैट माइनर्स ने इन सबसे भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बचा लिया। इन रैट माइनर्स को 41 मजदूरों की जान बचाने के एवज में 50-50 हजार रुपए दिए गए, मजदूरों के बाहर आते ही प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से उनसे बात की, रैट माइनर्स को कुछ दिनों तक मीडिया के जरिए नायक बनाया गया, कुछ नेताओं ने उनके साथ तस्वीरें उतरवाईं ताकि चुनाव में उसका लाभ मिल सके और महीने भर के भीतर न किसी को सिलक्यारा परियोजना में हुई गलतियों की याद रही न उस गलती में जिंदगियों को बचाने वालों की। शायद इसलिए नियमों और कानूनों का हवाला देते हुए गरीबों के घर पर बुलडोजर चलाने वाले डीडीए ने वकील हसन के घर पर बुलडोजर चलाने में झिझक नहीं दिखाई। डीडीए का अतिक्रमण विरोधी ताजा अभियान खजूरीखास इलाके में चला है। प्राधिकरण का कहना है कि वहां घर अवैध तरीके से बने हुए थे और इनमें अनियमितताएं थीं। यह सही है कि प्राधिकरण को शहर की संरचनात्मक व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध निर्माण की समस्या से अक्सर जूझना पड़ता है। कहीं राजनैतिक दखल, कहीं धार्मिक मुद्दा बनाकर मनमाने निर्माण कार्य होते हैं।

आमने सामने का चुनाव मैदान सजा !

-अजीत द्विवेदी-

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के लिए चार सौ सीटें हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। अब तक हुए लोकसभा के 17 चुनावों में चार सौ सीट तो एक बार कांग्रेस पार्टी को हासिल हो चुकी है लेकिन किसी पार्टी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले हैं। जब राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 1984 में 415 सीटें हासिल की थीं, तब भी कांग्रेस को 48 फीसदी ही वोट मिले थे।

देश में आमने सामने के चुनाव का मैदान सज गया है। कई दशक के बाद पहली बार यह होता दिख रहा है कि लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर दो गठबंधनों के बीच सीधा मुकाबला होगा और राज्यों में भी लोकसभा का चुनाव आमने सामने का होगा। जहां गठबंधन नहीं है वहां भी कोई त्रिकोणात्मक मुकाबला होता नहीं दिख रहा है। विपक्षी गठबंधन ने आमने सामने चुनाव की तैयारी वोट के गणित के आधार पर की है। पिछले चुनाव में भाजपा को 37 फीसदी वोट मिले थे और तमाम सहयोगियों को मिला कर उसका वोट 40 फीसदी पहुंचा था। इसका मतलब था कि 60 फीसदी मतदाताओं ने भाजपा के खिलाफ वोट डाला था। विपक्षी गठबंधन की कोशिश इस 60 फीसदी वोट का 70 फीसदी हासिल करना है। अगर ऐसा हो जाता है तो उसका वोट भाजपा से ज्यादा हो जाएगा। तभी दूसरी ओर भाजपा ने सबसे ज्याद वोट हासिल करके 272 का जादुई आंकड़ा पार करने की बजाय 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करके 370 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के लिए चार सौ सीटें हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। अब तक हुए लोकसभा के 17 चुनावों में चार सौ सीट तो एक बार कांग्रेस पार्टी को हासिल हो चुकी है लेकिन किसी पार्टी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले हैं। जब राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 1984 में 415 सीटें हासिल की थीं, तब भी कांग्रेस को 48 फीसदी ही वोट मिले थे। नरेंद्र मोदी को बतौर प्रधानमंत्री 2019 में 303 सीटें और 37 फीसदी वोट मिले थे। इस बार वे 50 फीसदी वोट हासिल करने का लक्ष्य लेकर लड़ रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन बिखरे हुए विपक्षी वोट को एकजुट करने और उसका बड़ा हिस्सा हासिल करने की तैयारी के साथ चुनाव लड़ रहा है। ध्यान रहे इससे पहले जब भी आमने सामने का चुनाव हुआ है तब सत्तारुढ़ दल की हार हुई है। पहली बार 1977 में और दूसरी बार 1989 में यह देखने को मिला था। तभी इस बार का लोकसभा चुनाव बहुत अहम होने वाला है। इसमें यह तय होगा कि विपक्ष एकजुट होकर भी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को हरा पाएगा नहीं और इतने ध्रुवीकरण के बाद कोई गठबंधन 50 फीसदी वोट हासिल कर पाता है या नहीं? कई जानकार मान रहे हैं कि इस बार विपक्ष का वैसा गठबंधन नहीं है, जैसा 1977 में था या जिस तरह का गठबंधन 1989 में था। लेकिन ऐसा नहीं है। इस बार भी विपक्षी पार्टियों ने आमने सामने की लड़ाई का गठबंधन बना लिया है और जहां गठबंधन बना हुआ नहीं दिख रहा है वहां उसे जान बूझकर छोड़ा गया है। यानी गठबंधन को उसी तरह से डिजाइन किया गया है। वहां भी मुकाबले आमने सामने का ही होगा। तीन राज्य अपवाद हैं, जहां त्रिकोणात्मक मुकाबले की संभावना फिलहाल दिख रही है। पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच मुकाबला होगा, जिसमें तीसरा कोण अकाली दल और भाजपा की वजह से बनेगा। इसी तरह आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस बनाम टीडीपी गठबंधन का मुकाबला होगा, जिसमें तीसरा कोण बनने की कोशिश कांग्रेस कर रही है। तीसरा राज्य तेलंगाना है, जहां कांग्रेस और केसीआर की पार्टी का मुकाबला होगा, जिसमे भाजपा तीसरा कोण बनेगी। इसके अलावा तीन राज्य ऐसे हैं, जहां तीसरी पार्टी लड़ेगी लेकिन मुकाबला त्रिकोणात्मक नहीं होगा। केरल में लेफ्ट और कांग्रेस मोर्चे का आमने सामने का मुकाबला है। भाजपा अकेले लड़ेगी लेकिन वह लड़ाई को त्रिकोणात्मक नहीं बना पाएगी। इसी तरह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा की लड़ाई होगी, जिसमें अगर कांग्रेस अलग भी रही तो वह और लेफ्ट मिल कर तीसरा कोण नहीं बन पाएंगे। केरल और पश्चिम बंगाल में मुकाबला आमने सामने का ही होगा। ओडिशा में मुकाबला बीजू जनता दल बनाम भाजपा है, जबकि कांग्रेस तीसरा कोण बनाने की कोशिश करेगी। कह सकते हैं कि देश की 543 लोकसभा सीटों में से साढ़े चार सौ से ज्यादा सीटों पर आमने सामने की लड़ाई होनी है। आमने सामने की लड़ाई यानी भाजपा के एक उम्मीदवार के मुकाबले विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारने के सिद्धांत पर पिछले साल मई में चर्चा हुई थी और सहमति भी बनी थी। लेकिन बाद में ऐसा लगा कि विपक्ष की यह रणनीति कागजी बन कर रह जाएगी क्योंकि कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में चुनाव हार गई और उसके बाद विपक्षी गठबंधन के मुख्य नेता नीतीश कुमार अलग होकर वापस एनडीए में चले गए। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि विपक्षी पार्टियां उस झटके से उबर गई हैं और एकजुट होकर लड? की तैयारी कर रही हैं। जिन दो राज्यों के नेताओं को लेकर सबसे ज्यादा आशंका जताई जा रही थी उन्होंने कांग्रेस के साथ तालमेल कर लिया। अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल को लेकर आशंका जताई जा रही थी। लेकिन अखिलेश ने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 17 सीटें दीं, जिसके बदले में कांग्रेस उनके लिए मध्य प्रदेश में एक सीट छोड? पर राजी हो गई। इसी तरह कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में तालमेल कर लिया। कांग्रेस की जहां पुरानी सहयोगी पार्टियां हैं यानी जहां पुराना यूपीए मौजूद है वहां भी जल्दी ही तालमेल हो जाएगा। महाराष्ट्र में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने 48 में से 40 सीटों का फैसला कर लिया है। आठ सीटों पर मामला अटका है, जिसमें छह सीटें मुंबई की हैं। तमिलनाडु में डीएमके ने कांग्रेस को नौ सीटें देने का ऐलान कर दिया है लेकिन तीन या चार सीटों पर अदला बदली की चर्चा हो रही है। इसी तरह बिहार, झारखंड और जम्मू कश्मीर में भी पुरानी सहयोगी पार्टियों के साथ सीटों पर कमोबेश सहमति बन गई है। इस तरह देश के ज्यादातर राज्यों में एनडीए बनाम इंडियाइ की लड़ाई का मैदान सज गया है। विपक्षी गठबंधन ने धीरे धीरे चुनाव का एजेंडा तय करना भी शुरू कर दिया है।

सीटों के बंटवारे पर बातचीत प्रगति पर

-कल्याणी शंकर-

कांग्रेस शुरू में 2009 के फॉमूर्ले के आधार पर सीटें चुनने पर अड़ी थी, उत्तर प्रदेश में जो अंतिम सूची आई वह इससे परे तात्कालिक जरूरतों के आधार पर बनाई गई प्रतीत हो रही है। एक साथ आकर, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने पहले ही 20प्रतिशत मुस्लिम वोट को मजबूत कर लिया है, जो कई सीटों पर निर्णायक है। गांधी परिवार की दो पारिवारिक सीटों अमेठी और राय बरेली से कौन चुनाव लड़ेगा, इसे लेकर काफी दिलचस्पी है।

विनाश का भविष्यवाणी करने वालों ने कहा था कि इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के बीच सीटों का बंटवारा विफल हो जायेगा, लेकिन उसके घटक दल धीरे-धीरे आगे बढ़े। अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों में गठबंधन धीरे-धीरे आकार ले रहा है। गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

पिछले साल, वैचारिक मतभेदों और व्यक्तित्व के टकराव का सामना कर रहे विपक्षी दल अन्ततः केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए एक साथ आये और इंडिया ब्लॉक ने आकार लिया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व वाले नये मोर्चे, इंडिया में दो दर्जन से अधिक प्रभावशाली क्षेत्रीय दल शामिल हैं जो कुछ राज्यों में एक-दूसरे के प्रत्यक्ष प्रतिद्वंद्वी हैं। सीट-बंटवारे पर मुहर लगाना अभियान के लिए दो महीने व्यस्त रहने का वायदा करने वाला पहला कदम है। वोटों का हस्तांतरण करने करने और नये वोटरों को आकर्षित करने के लिए अंकगणित से परे केमिस्ट्री की भी जरूरत है। उनके शीर्ष नेतृत्व और राज्य इकाइयों को मुद्दों और अभियान रणनीति पर तालमेल बिठाना होगा।

जबकि कांग्रेस शुरू में 2009 के फॉमूर्ले के आधार पर सीटें चुनने पर अड़ी थी, उत्तर प्रदेश में जो अंतिम सूची आई वह इससे परे तात्कालिक जरूरतों के आधार पर बनाई गई प्रतीत हो रही है। एक साथ आकर, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने पहले ही 20प्रतिशत मुस्लिम वोट को मजबूत कर लिया है, जो कई सीटों पर निर्णायक है। गांधी परिवार की दो पारिवारिक सीटों अमेठी और राय बरेली से कौन चुनाव लड़ेगा, इसे लेकर काफी दिलचस्पी है।

आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों - दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, चंडीगढ़ और गोवा में गठबंधन के तरह लोकसभा चुनाव 2024 लड़ेंगी। कांग्रेस गुजरात में 24सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि आप दो सीटों पर। हरियाणा में कांग्रेस 9 सीटों पर लड़ेगी और आप एक पर। गोवा में कांग्रेस दोनों सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि आप पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस गठबंधन के तहत चंडीगढ़ की सीट लड़ेगी। उत्तर प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीटों के लिए सीट बंटवारे पर आखिरकार कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सहमति बन गई। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी 63 सीटें सपा के खाते में हैं।

मध्य प्रदेश में सपा एक सीट पर लड़ेगी जबकि कांग्रेस बाकी 28 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पश्चिम बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस को दो सीटों की पेशकश की, लेकिन कांग्रेस अधिक सीटें चाहती है, कम से कम पांच। ममता बनर्जी ने कहा है कि टीएमसी सभी 42 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। देखने वाली बात यह होगी कि क्या कांग्रेस और टीएमसी के बीच आखिरी वक्त में कोई गठबंधन होता है या नहीं।

महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी को 18 से 20 सीटें मिलनी तय हैं, जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को भी 18 से 20 सीटें मिलेंगी। शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी। प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अगाड़ी को भी दो से तीन सीटें मिलने का अनुमान है। महाराष्ट्र में कुल 48 सीटें हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत के उत्तरी क्षेत्रों में अपना दबदबा बनाये रखा है, जबकि दक्षिणी राज्य अभी भी बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय दलों के नियंत्रण में हैं। हालांकि कांग्रेस और दो वाम दलों का तमिलनाडु में द्रमुक के साथ मजबूत गठबंधन है, लेकिन भाजपा की कर्नाटक को छोड़कर दक्षिणी राज्यों में कोई महत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं है।

2019 के चुनाव में द्रमुक गठबंधन सहयोगी सी.पी.एम., सी.पी.आई., और वी.सी.के. दो-दो लोक सभा सीटों पर चुनाव लड़ी थीं, जबकि एम.डी.एम.के., के.एम.डी.के., आईयूएमएल और आई.जे.के. एक-एक सीट से चुनाव लड़ी थीं। पिछले हफ्ते, द्रविड़ मुनेत्रकड़गम (द्रमुक) ने तमिलनाडु में 2024 चुनावों के लिए सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया। पार्टी ने एक सीट अपने गठबंधन सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को दी। नमक्कल संसदीय क्षेत्र उसके गठबंधन सहयोगी कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) को आवंटित किया गया है।

उम्मीद है कि द्रमुक जल्द ही कांग्रेस, वी.सी.के. और वामपंथी दलों सहित अन्य सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देगी। इस बीच द्रमुक गठबंधन ठोस और अक्षुण्ण है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उसने 39 में से 38 सीटें जीती थीं।

2019 में, कांग्रेस ने तमिलनाडु की कुल 39 सीटों में से नौ पर चुनाव लड़ा और आठ पर जीत हासिल की, जबकि थेनी लोकसभा सीट अन्नाद्रमुक से हार गई थी। इस बीच, द्रमुक नेतृत्व इस बात पर जोर दे रहा है कि कांग्रेस केवल सात सीटों पर चुनाव लड़े, जिस पर कांग्रेस नेतृत्व को अभी तक सहमत होना बाकी है। द्रमुक का मानना है कि कांग्रेस के पास नौ सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए जमीनी स्तर पर ताकत नहीं है। द्रमुक संभवतः विदुथलाईचिरुथिगलकाची (वी.सी.के.) और वामपंथी दलों - सी.पी.आई. तथा सीपीआईएम केसाथ अपनी सीट-बंटवारे की औपचारिकताएं इसी सप्ताह पूरी करेगी।

भारत में गरीबी के 5 प्रतिशत से नीचे चले जाने का दावा गलत

-डॉ. ज्ञान पाठक-

कल्याणकारी योजनाओं के तहत आपूर्ति की गई मुफ्त राशि के आधार पर गरीबी के स्तर को नकारना महज कुतर्क होगा, क्योंकि यह सिर्फ गरीबी को थोड़ा सहनीय बनाता है, लेकिन कमाई के स्तर को बढ़ाकर गरीबी को खत्म नहीं करता है। यह सिर्फ मुफ्तखोरी और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उपभोग स्तर को बढ़ाने की राजनीति है, केवल यह दावा करने के लिए कि गरीबी कम हो गई है, जो वास्तव में बेकारी और कम कमाई के स्तर के कारण बदतर होती जा रही है।

नेशन सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) द्वारा घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएसः 2022-23) के प्रकाशन के ठीक बाद, पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 की पूर्व संध्या पर गरीबी पर राजनीति शुरू कर दी गई है। सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी. वी. आर सुब्रमण्यम ने दावा किया है कि देश में गरीबी 5 प्रतिशत से नीचे आ गई है, खुदरा मुद्रास्फीति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है, तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कमजोर होने और भारत का 'कुछ लोगों तक ही सीमित' होने की बात गलत है।

जो लोग एचसीईएस के विवरण के बारे में नहीं जानते, उन्हें कभी पता नहीं चलेगा कि बीवीआर सुब्रमण्यम आखिर कह क्या रहे हैं। वह कह रहे हैं कि गरीब लोग वे हैं जो प्रति दिन 32 रुपये से कम कमाते हैं, और ऐसे लोगों का प्रतिशत 5 से भी कम होने की उम्मीद है। गरीबी रेखा के इस बेतुकी स्तर आलोचना पहले ही 2011-12 में हो चुकी है, और उस समय अधिकांश लोगों ने इसे खारिज कर दिया था, जब तत्कालीन योजना आयोग 32 रुपये प्रति दिन की कमाई पर गरीबी रेखा का विचार लेकर आया था। अब एक दशक बाद एक शीर्ष सरकारी अधिकारी का 32 रुपये की गरीबी रेखा पर आधारित तर्क दोगुना बेतुका है। यह तर्क देने के लिए उन्होंने हाल के 2022-23 सर्वेक्षण को आधार बनाया।

इस दावे का उद्देश्य आगामी लोक सभा आम चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मदद करना है, जब वह और भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल के लिए प्रयास कर रहे होंगे, और वे मोदी राज में वृद्धि और विकास की कथा को आगे बढ़ा रहे होंगे। अधिकारी ने आगे कहा, 'अगर हम प्रतिदिन 32 रुपये पर जायें, जो कि 2011-12 की अंतिम स्वीकृत गरीबी रेखा थी, और तब से मुद्रास्फीति के रुझान को ध्यान में रखते हुए उस स्तर को दोगुना कर लगभग 60 रुपये प्रतिदिन कर दिया जाए, तो आप देखेंगे गरीबी 10 प्रतिशत से कम है।' इसका मतलब है कि शीर्ष अधिकारी अपने पहले के दावे का खंडन करते हैं कि गरीबी रेखा 5 प्रतिशत से नीचे चली गई है, जो 2011-12 की कीमतों पर थी, लेकिन मौजूदा कीमतों पर यह 10 प्रतिशत से नीचे होगी।

अब आइए एचसीईएस के अनुसार 2022-23 में विभिन्न वर्गों में मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (एमपीसीई) औसत पर आते हैं। श्री सुब्रमण्यम ने स्वयं नोट किया कि निचले 5 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के लिए औसत उपभोग स्तर 1373 रुपये था, जबकि अगले 5 प्रतिशत के लिए यह 1782 रुपये था। कोई कल्पना ही कर सकता है कि यदि कोई व्यक्ति 1373 रुपये या 1782 रुपये प्रति माह पर भी जीवनयापन करता है तो वह गरीब कैसे नहीं है। हाल ही में नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक ने 11 फीसदी लोगों को गरीबी रेखा के नीचे रखा था, पीएम मोदी ने दावा किया था कि उनके शासन में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि पीएमजीकेएवाई के तहत 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त अनाज दिया जाता है, जबकि सरकार को खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत अनुमानित 81.4 करोड़ गरीबों में से 1.4 करोड़ गरीबों की पहचान करना बाकी है। इसमें प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले गरीबों की संख्या एक पहेली बनी हुई है।

अब हम एचसीईएस 2022-23 परिणाम पर आते हैं। सर्वेक्षण पद्धति में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया। एचसीईएस 2011-12 में 347 आइटम थे, जबकि 2022-23 में कई नए आइटम जोड़े और कई हटा दिए गये। वर्तमान सर्वेक्षण में कुल मिलाकर 405 आइटम थे। एक प्रश्नावली के स्थान पर तीन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया-1. खाद्य पदार्थों पर 2. उपभोग्य सामग्रियों एवं सेवाओं की वस्तुओं पर, और 3. टिकाऊ वस्तुओं पर। इसके अतिरिक्त, घरेलू विशेषताओं के साथ-साथ घरों के सदस्यों के जनसांख्यिकीय विवरण पर जानकारी एकत्र करने के लिए एक और प्रश्नावली थी। डेटा संग्रह का तरीका पेन-एंड-पेपर पर्सनल इंटरव्यू (पीएपीआई) से बदलकर कंप्यूटर-असिस्टेडपर्सनल इंटरव्यू (सीएपीआई) कर दिया गया। सर्वेक्षण स्वयं चेतावनी देता है कि पिछले सर्वेक्षणों के साथ एचसीईएस 2022-23 के परिणामों की तुलना करते समय इन परिवर्तनों पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

एमपीसीई के अनुमान, जिसके आधार पर श्री सुब्रमण्यम ने तर्क दिया है, में विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से परिवारों द्वारा मुफ्त में प्राप्त और उपभोग की जाने वाली कई वस्तुओं की खपत की मात्रा पर जानकारी एकत्र करने के लिए एक अलग अतिरिक्त प्रावधान भी है। नतीजतन, मुफ्त खाद्य पदार्थों और मुफ्त गैर-खाद्य वस्तुओं जैसे लैपटॉप, पीसी, टैबलेट, मोबाइल हैंडसेट, साइकिल, कपड़े, जूते (स्कूल जूते) आदि के मूल्य आंकड़े 'उचित विधि' का उपयोग करके जोड़ दिये गये हैं।

काठ की हांडियां भी चढ़ेंगी आग पर...

-राकेश अचल-

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस हो या भाजपा नए प्रत्याशियों के साथ ही अनेक ऐसे नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतारने के लिए विवश हो सकती है जो पिछले दिनों कोई न कोई चुनाव हार चुके है। काठ की इन हांडियों को दोबारा आग पर चढाने की मजबूरी भी है और जरूरी भी। हालाँकि इसमें जोखिम भी कम नहीं है। भाजपा की काठ की हांडियों में केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधियाऔर प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्र का नाम भी शामिल है।

भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 29 में से 28 सीटें हासिल की थीं, और तब हासिल की थीं जब प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता थी और कमलनाथ मुख्यमंत्री थे। इस बार 2024 में भाजपा का लक्ष्य सभी 29 सीटें जीतने का है। इस बार भाजपा 2019 में भाजपा के ही एक सामान्य कार्यकर्ता केपी सिंह के हाथों गुना से चुनाव हारे ज्योतिरादित्य सिंधिया को चुनाव जिताना चाहती है। हालाँकि ऐसा करना आवश्यक नहीं है क्योंकि सिंधिया वर्तमान में राजयसभा सदस्य हैं और अगले दो साल और सदन में रह सकते हैं। लेकिन प्रदेश भाजपा कार्यसमिति ने खुद सिंधिया के आग्रह पर उन्हें गुना सीट से प्रत्याशी बनाने का प्रस्ताव केंद्र को भेज दिया है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने अनेक मौजूदा सांसदों का पत्ता साफ करना चाहती है। सबसे ऊपर नाम भोपाल की संसद साध्वी प्रज्ञा का है। उनकी सीट से हाल ही में दतिया से विधानसभा चुनाव हारे प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा का नाम पैनल में शामिल किया गया है। पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी भोपाल से प्रत्याशी बनाये जाने के लिए राजी है, हालाँकि चौहान विदिशा सीट के पुराने अजेय संसद रह चुके हैं। चौहान के बारे में अंतिम फैसला मोदी और शाह को ही करना है। चौहान इस समय विधायक हैं लेकिन उन्हें मध्यप्रदेश की राजनीति से बेदखल किया जाना है इसलिए उनका लोकसभा में भेजा जाना पार्टी की मजबूरी बन गयी है।

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा भी अपनी वर्तमान सीट खजुराहो से चुनाव लड़ने से कतरा रहे हैं, क्योंकि ये सीट इंडिया गठबंधन ने समाजवादी पार्टी को दे दी है। यहां यदि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो शर्मा का जीतना आसान नहीं होगा। भोपाल से पुराने आजमाए हुए नेता आलोक शर्मा और सुमित पचौरी का नाम भी पैनल में जोड़ा गया है। इस लिहाज से भोपाल के पैनल में दो या तीन के बजाय पांच नाम है। जाहिर है कि भाजपा के पास प्रत्याशियों की कोई कमी नहीं है अन्यथा किसी भी पैनल में दो या तीन नाम ही रखे जाते हैं।

भाजपा के लिए भोपाल के बाद सबसे महत्वपूर्ण सीट इंदौर है। यहां से वर्तमान संसद शंकर लालवानी का मुखर विरोध देखते हुए हाल ही में विधानसभा का चुनाव जीतव मंत्री कैलाश वजयवर्गीय और इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव का नाम भी दिल्ली भेजा गया है। गौरतलब है कि कैलाश विजयवर्गीय प्रदेश की राजनीति में रहना नहीं चाहते। वे दिल्ली जाकर अपने बेटे के लिए प्रदेश की राजनीति में जगह वापस करना चाहते है। कैलाश विजयवर्गीय को उनके पूर्व विधायक बेटे आकाश की जगह विधानसभा का चुनाव लड़ाया गया था। महापौर के रूप में पुष्यमित्र भार्गव युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं इसलिए उनके नाम को भी आगे बढ़ाया गया है। वे लम्बी रेस के घोड़े साबित हो सकते है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की पुरानी सीट विदिशा से रमाकांत भार्गव के अलावा शिवराज सिंह का नाम भी सुझाया गया है। अर्थात शिवराज सिंह चौहान को भोपाल या विदिशा में से किसी एक से टिकिट मिलना तय है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम उनकी पुरानी गुना सीट से भेजा गया है हालांकि वर्तमान संसद केपी सिंह का नाम भी दोहराया गया है। केपी को गुना से हटाने का कोई कारण नहीं है किन्तु सिंधिया की इच्छा का मान रखा गया तो केपी शहीद हो सकते है। अन्यथा भाजपा कार्यकर्ता सिंधिया के पक्ष में शायद नहीं है। सिंधिया का नाम ग्वालियर सीट से भी जोड़ा गया है। ग्वालियर के मौजूदा संसद विवेक शेजवलकर बहुत ज्यादा लोकप्रिय सांसद नहीं रहे इसलिए उनका बदला जाना तय समझा जा रहा है। उनके स्थान पर सिंधिया के अलावा विधानसभा चुनाव हारे डॉ नरोत्तम मिश्रा और विधानसभा चुनाव लड़ने से वंचित किये गए जयभान सिंह पवैया का नाम भी पैनल में जोड़ा गया ह। पवैया भी एक जमाने में पूर्व केंद्रीय मंत्री माधव रॉ सिंधिया के खिलाफ चुनाव लड़ चुके है। वे ग्वालियर से सांसद भी रहे हैं।

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की आरक्षित भिंड सीट से मौजूदा संसद सुमन राय के स्थान पार यदि सिंधिया की चली तो पूर्व मंत्री इमरती देवी को भी टिकट मिल सकता है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

ग्लोबल आर्क कंसल्टेंसी की लखनऊ में नई शाखा का शुभारंभ

लखनऊ। ग्लोबल आर्क कंसल्टेंसी सर्विसेज एवं पॉलिसीक्यू इंश्योरेंस ब्रोकर के नए शाखा कार्यालय का लखनऊ में शुभारंभ हुआ। इस मौके पर बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तपन सिंघेल ने कहा, मैं लखनऊ में पॉलिसीक्यू इंश्योरेंस ब्रोकर के नए शाखा कार्यालय और ग्लोबल आर्क कंसल्टेंसी सर्विसेज के नए कार्यालय का उद्घाटन करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस 2022 से पॉलिसीक्यू के साथ जुड़ी हुई है और ग्राहकों को सेवा देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। विशेष रूप से गैर मोटर व्यवसाय और फसल बीमा जैसे क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता से लखनऊ के नागरिकों को व्यापक बीमा समाधान प्रदान करने में मदद मिलेगी। उनका नया शाखा कार्यालय बीमा अंतराल को पाटने, बीमा सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, अंतिम मील कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने और हमारे नागरिकों के समग्र विकास और कल्याण में योगदान देने में सहायता करेगा। इस मौके पर मेंटर बिशेश्वरी सिंह ने कहा, हमारी लखनऊ शाखा के उद्घाटन के साथ हमारा लक्ष्य बीमा उद्योग में नए मानक स्थापित करना है। ग्लोबल आर्क के सह संस्थापक अरविंद यादव ने कहा, हम कृषि क्षेत्र में सहायक सेवाओं का समर्थन करने के लिए प्रौद्योगिकी के सर्वोत्तम उपयोग के साथ अद्वितीय सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पॉलीसीक्यू के सह-संस्थापकों में से एक संजय वत्स ने कहा, लखनऊ में हमारी नई शाखा न केवल हमारी भौतिक उपस्थिति का विस्तार है, बल्कि व्यापक और विश्वसनीय बीमा सेवाओं को सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

भारतीय परिवार खाने पर कम, कपड़े और मनोरंजन पर कर रहे ज्यादा व्यय

एक दशक में दोगुना से अधिक बढ़ा मासिक खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय नमूना सर्वे कार्यालय एनएसएसओ के ताजा अध्ययन से पता चलता है कि देश में परिवारों का प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है। सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच किए गए सर्वेक्षण में शहरी क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय बढ़कर अनुमानित 6459 रुपए हो गया, जो 2011-12 में 2630 रुपए था।

इसी अवधि में ग्रामीण भारत में यह 1430 रुपए से बढ़कर अनुमानित 3773 रुपए हो गया। सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारतीय परिवार खाद्य पदार्थों पर प्रतिशत के रूप में कम खर्च कर रहे हैं जबकि कपड़े, टेलीविजन सेट और मनोरंजन जैसी विवेकाधीन वस्तुओं पर ज्यादा खर्च कर रहे है। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक खपत में भोजन की हिस्सेदारी घटकर 46.4 फीसदी हो गई, जो 2011-12 में 53 फीसदी थी, जबकि गैर खाद्य खपत 47 फीसदी से बढ़कर 53.6 फीसदी हो गई। शहरी क्षेत्रों में भोजन की हिस्सेदारी पहले के 42.6 फीसदी से घटकर 39.2 फीसदी हो गई, जबकि गैर खाद्य हिस्सेदारी 57.4 फीसदी से बढ़कर 60.8 फीसदी हो गई। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एनएसएसओ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के दौरान परिवारों का उपभोग खर्च सर्वे एचसीईएस कराया था। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के लिए घरेलू मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय एमपीसीई और इसके वितरण का अलग-अलग अनुमान तैयार करना है। 2011-12 की कीमतों पर शहरी क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय बिना वैकल्पिक आंकड़ों के 2011-12 के 2630 रुपए से बढ़कर 2022-23 में 3510 रुपए हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 1430 रुपए से बढ़कर 2008 रुपए हो गया है।

ग्रामीण परिवारों का खर्च तेजी से इजाफा

सर्वे के मुताबिक, पिछले 11 साल में शहरी परिवारों के मुकाबले ग्रामीण परिवारों का खर्च तेजी से बढ़ रहा हैण् ग्रामीण परिवारों की खपत में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में गांवों में हर महीने प्रति व्यक्ति खर्च 1430 रुपए था, जो कि 2022-23 में 164 फीसदी बढ़कर 3773 रुपए हो गया है। शहरी इलाकों में परिवारों में प्रति व्यक्ति खर्च 2011-12 के 2630 रुपए से 146 फीसदी बढ़कर 2022-23 में 6459 रुपए हो गया है। यह सर्वे हर पांच साल में किया जाता है। मगर, सरकार ने जुलाई 2017 से जून 2018 के आंकड़े जारी नहीं किए थे। बाद में लीक हुए आंकड़ों से पता चला था कि खपत में कमी आई थी।

महंगाई के चलते खाने पर खर्च भी बढ़ा

सर्वे से पता चला है कि ग्रामीण इलाकों की कम आय वाली पांच फीसदी आबादी का खर्च 1373 रुपए और शहरी इलाकों में यही आंकड़ा 2001 रुपए हो गया है। साथ उच्च आय वर्ग वाली पांच फीसदी आबादी का ग्रामीण इलाकों में खर्च 10501 रुपए और शहरी इलाकों में 20824 रुपए हो गया है। साल 2022-23 में ग्रामीण इलाकों में खाने पर खर्च 46 फीसदी 1750 रुपए और शहरी इलाकों में 39 फीसदी 2530 रुपए हो गया है। महंगाई के चलते यह खर्च बढ़ा है गैर खाद्य पदार्थों पर ग्रामीण इलाकों में खर्च 54 फीसदी और शहरी इलाकों में 61 फीसदी बढ़ा है।

राज्यवार क्या है हाल

सबसे ज्यादा मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय एमपीसीई सिक्किम में रहा। वहां ग्रामीण इलाकों के लिए यह 7731 रुपए और शहरी इलाकों में 12105 रुपए रहा। सबसे कम आंकड़ा छत्तीसगढ़ में 2466 रुपए और 4483 रुपए का रहा। दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में प्रति व्यक्ति औसत मासिक उपभोग खर्च 6576 रुपए और शहरी इलाकों में 8217 रुपए रहा। यूपी में आंकड़ा 3191 रुपए और 5040 रुपए है। बिहार के रूरल एरिया में 3384 रुपए और अर्बन एरिया में 4768 रुपए का आंकड़ा है। महाराष्ट्र के गांवों में एमपीसीई 4010 रुपए और शहरों में 6657 रुपए है।

स्टील निर्यात 18 महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा

जनवरी में 11 लाख टन रहा निर्यात

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का मासिक इस्पात निर्यात जनवरी 2024 में 11 लाख टन के 18 माह के उच्चस्तर पर पहुंच गया है। यूरोपीय संघ की मांग बढ़ने और वैश्विक स्तर पर अनुकूल कीमतों की वजह से इस्पात निर्यात का आंकड़ा अच्छा रहा है। शोध कंपनी स्टीलमिंट की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा घरेलू स्तर पर प्रतिस्पर्धी कीमतों ने निर्यात वृद्धि में योगदान दिया है। जनवरी 2023 में इस्पात का निर्यात 6.7 लाख टन रहा था। निर्यात में वृद्धि के कारणों पर स्टीलमिंट ने कहा, यूरोपीय संघ की भंडार को भरने की मांग ने जनवरी में कुल निर्यात में 67 प्रतिशत का योगदान दिया है। यह पिछले 18 माह का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। देश में हॉट रोल्ड कॉइल एचआरसी की कीमत जहां 54300 रुपए प्रति टन थी, वहीं वैश्विक स्तर पर यह 710 डॉलर लगभग 58000 रुपए प्रति टन थी। इस कारक ने भी वैश्विक स्तर पर इस्पात की मांग में योगदान दिया। चीन में छुट्टियों तथा वियतनाम में त्योहार की वजह से निकट भविष्य में कुल मिलाकर भारतीय इस्पात निर्यात काफी हद तक सीमित दायरे में रह सकता है या इसमें थोड़ी गिरावट आ सकती है।

जीडीपी आंकड़े पर रहेगी बाजार की नजर

शेयर समीक्षा: एफपीआई के रुख से तय होगी बाजार की चाल

मुंबई (एजेंसी)। सेंसेक्स और निफ्टी की चाल अगले सप्ताह चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), जीएसटी, आईआईपी और पीएमआई आंकड़े के साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख से तय होगी।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त हुई तीसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े आने वाले हैं। साथ ही वस्तु एवं सेवा कर, औद्योगिक उत्पादन के साथ ही विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े जारी होने वाले है। इन आंकड़ों का अगले सप्ताह बाजार की चाल निर्धारित करने में अहम भूमिका होगी। अगले एक-दो महीने बाद देश में लोकसभा चुनाव हो सकते हैं। उससे पहले चुनावी माहौल बनने लगा है और गठबंधनों के बीच सीटों के बंटवारे का ऐलान होने लगा है। आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से भी सप्ताह अहम होने वाला है। 29 फरवरी को तीसरी तिमाही के लिए जीडीपी के आंकड़े आने वाले हैं। वहीं सप्ताह के आखिरी दिन 1 मार्च को वाहन कंपनियां बिक्री के आंकड़े जारी करेंगी। एफएंडओ एक्सपायरी, एमएससीआई इंडेक्स के कैलिब्रेशन और सप्ताह के दौरान लॉन्च हो रहे छह नए आईपीओ भी असर दिखा सकते हैं।

विदेशी निवेशकों का भारतीय बॉन्ड बाजार पर बढ़ा भरोसा

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बॉन्ड बाजार में लगातार निवेश कर रहे हैं। इस महीने अबतक एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में 18500 करोड़ रुपए डाले हैं। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 19836 करोड़ रुपए से अधिक डाले थे। यह पिछले छह साल में किसी एक माह में उनके निवेश का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इस वर्ष वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में भारत के प्रवेश के साथ आगे चलकर भारतीय ऋण बाजार में प्रवाह स्थिर रहेगा। इसके अलावा इस वर्ष जून में जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत सरकार के बॉन्ड के शामिल होने से पहले भी गतिविधियों में तेजी देखने को मिल सकती हैं। इस महीने अबतक एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 424 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25743 करोड़ रुपए की भारी निकासी की थी।

आठ शीर्ष कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन में पिछले सप्ताह 110106.83 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस और इन्फोसिस की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 38477.49 करोड़ रुपए घट गई है।

इन कंपनियों की पूंजी में इजाफा

कंपनी	पूंजी में बढ़त	कुल पूंजी
रिलायंस इंडस्ट्रीज	43976.96	2020470.88
आईसीआईसीआई बैंक	27012.47	744808.72
एलआईसी	17235.62	674655.88
आईटीसी	8548.19	513640.37
हिंदुस्तान यूनिलीवर	4534.71	562574.38
भारतीय स्टेट बैंक	4149.94	677735.03
भारती एयरटेल	3855.73	634196.63
एचडीएफसी बैंक	793.21	1079286.5

(कुल पूंजी करोड़ रुपए में)

इन कंपनियों की पूंजी घटी

कंपनी	पूंजी में कमी	कुल पूंजी
टीसीएस	27949.73	1466030.97
इन्फोसिस	10527.76	696045.32

(कुल पूंजी करोड़ रुपए में)

2000 के नोट वापस लेने का दिखा सकारात्मक असर

आरबीआई ने गिनाए नोट वापसी के फायदे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के 2000 के बैंक नोट को चलन से हटाने का प्रभाव दिखने लगा है। आपको बता दें कि केंद्रीय बैंक ने 19 मई 2023 को 2000 रुपए के बैंक नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। अब आरबीआई ने इसके अच्छे फायदे गिनाए हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, नौ फरवरी को समाप्त सप्ताह में करेंसी इन सर्कुलेशन में मुद्रा की वृद्धि एक साल पहले के 8.2 प्रतिशत से घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई है। करेंसी इन सर्कुलेशन सीआईसी से तात्पर्य प्रचलन में मौजूद नोटों और सिक्कों से है। वहीं, जनता के पास मौजूद मुद्रा से तात्पर्य बैंकों के पास जमा नकदी को घटाकर प्रचलन में मौजूदा नोटों और सिक्कों से होता है। आरबीआई के अनुसार, कमर्शियल बैंकों के पास जमा में जनवरी में दो अंक में वृद्धि हुई है। इसकी वजह भी 2000 के नोटों को हटाना है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आरक्षित मुद्रा की वृद्धि नौ फरवरी 2024 को घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 11.2 प्रतिशत थी। आरएम में सीआईसी के अलावा आरबीआई के पास बैंकों की जमा राशि और केंद्रीय बैंक के पास अन्य जमा शामिल हैं। आरबीआई के अनुसार, आरएम के सबसे बड़े खंड सीआईसी की वृद्धि एक साल पहले के 8.2 प्रतिशत से घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई। इसकी वजह स्पष्ट रूप से 2000 रुपए के बैंक नोटों को वापस लेना है।

8897 करोड़ मूल्य के नोट अब भी जनता के पास : 31 जनवरी तक 2000 रुपए के लगभग 97.5 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए थे और केवल 8897 करोड़ रुपए मूल्य के ऐसे नोट अब भी जनता के पास हैं। 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर चलन में 2000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था।

कालीन निर्यातकों को बेहतर कारोबार की उम्मीद

भारत टेक्स 2024 से होगा फायदा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार 26 फरवरी से आयोजित होने जा रहे चार दिवसीय ग्लोबल टेक्सटाइल एक्सपो भारत टेक्स-2024 से भारतीय कालीन निर्यातकों को काफी उम्मीदें हैं। पिछले महीनों जर्मनी में आयोजित डोमोटेक्स में मिली असफलता के बाद निराश हुए निर्यातकों को भारत टेक्स से कुछ बेहतर व्यवसाय के कयास लगाए जा रहे हैं। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद सीईपीसी के वरिष्ठ प्रशासनिक सदस्य असलम महबूब ने बताया कि भारत टेक्स में देश के 290 से 300 कालीन निर्यातक अपना स्टाल लगाकर कालीनों की खूबसूरती व बेहतरी से विदेशी मेहमानों को आकर्षित करेंगे। जिसमें कालीन नगरी भदोही से लगभग 200 निर्यातकों के स्टाल लगाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि भारत टेक्स 2024 में जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीटजरलैंड सहित खाड़ी देशों के लगभग 300 विदेशी बायरों को आमंत्रित किया गया है, जिनके दिल्ली पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी तरह भारतीय कालीन निर्यातक मेले में भाग लेने के लिए दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग दो दशक से कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के तत्वाधान में दिल्ली के प्रगति मैदान में हर वर्ष मार्च महीने में इंडिया कारपेट एक्स्पो का आयोजन होता रहा है। इस वर्ष भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय की योजना के अनुरूप ग्लोबल टेक्सटाइल एक्सपो भारत टेक्स-2024 का आयोजन किया जा रहा है जिससे हर वर्ष दिल्ली में आयोजित होने वाला इंडिया कारपेट एक्सपो इस वर्ष आयोजित होने की संभावना कम ही है। ऑल इंडिया कारपेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन एकमा के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल सत्तार ने बताया कि जर्मनी के हनोवर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले से भारतीय कालीन निर्यातकों को उम्मीद के अनुरूप व्यवसाय नहीं मिला जिससे लोगों को निराशा ही हाथ लगी थी। ऐसे में दिल्ली में आयोजित हो रहे भारत टेक्स को लेकर निर्यातकों को काफी उम्मीदें हैं। हालांकि विश्व पटल पर छाए युद्ध के बादलों के बीच वैश्विक बाजार में काफी निराश देखी जा रही है, ऐसे में भारत टेक्स को लेकर काफी उम्मीद है। हालांकि अभी व्यवसाय आंकलन पर किसी भी तरह की टिप्पणी जल्दबाजी होगी।

ब्रेड, मक्खन व शहद से लेकर मसाले होंगे महंगे

एफएमसीजी उत्पादों की बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली। एफएमसीजी कंपनियां इस साल उत्पादों की कीमतों में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। इससे ब्रेड, मक्खन शहद से लेकर मसालों तक के दाम बढ़ सकते हैं। पिछले साल कच्ची सामग्रियों के दाम घटने से इन कंपनियों ने कीमतों को घटा दिया था, लेकिन इस साल कच्ची सामग्रियों के दाम फिर से बढ़ने लगे हैं। ऐसे में कंपनियां अब कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स एफएमसीजी कंपनियों का कहना है कि उत्पादों की कीमतें बढ़ने से उनके मार्जिन पर सकारात्मक असर होगा। गोदरेज कंज्यूमर, डाबर और इमामी जैसी कंपनियों ने कहा, दाम बढ़ाने से मूल्य आधारित वृद्धि वापस आ जाएगी। डाबर ने कहा कि उसने खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। इमामी इस साल लगभग तीन फीसदी तक दाम बढ़ा सकती है। गोदरेज कंज्यूमर के एक अधिकारी ने कहा कि कमोडिटी की कीमतें अब थोड़ी ज्यादा हैं।

एलआईसी का शेयर चार महीने में तेजी से उछला

निवेशकों को हो रहा फायदा

मुंबई (एजेंसी)। सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी के शेयरों में हालिया महीनों में काफी तेजी देखने को मिली है। एलआईसी के शेयर न केवल आईपीओ प्राइस से पहली बार ऊपर निकल गया है, बल्कि निवेशकों को अच्छा-खासा प्रॉफिट भी हो रहा है। एलआईसी का शेयर बीते एक महीने के हिसाब से 18 फीसदी से ज्यादा के फायदे में है। वहीं 6 महीने के हिसाब से शेयर का भाव करीब 65 फीसदी की और एक साल के हिसाब से 88 फीसदी के फायदे में है।

सिर्फ इस साल की शुरुआत से अब तक एलआईसी के शेयरों के भाव में करीब 25 फीसदी की तेजी आई है। अभी से चार महीने पहले एलआईसी का एक शेयर 600 रुपए के स्तर पर था। 31 अक्टूबर 2023 को यह शेयर 600 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। इस तरह बीते चार महीने की रैली में शेयर अभी भी 75 फीसदी के फायदे में है, जबकि 52 वीक के हाई लेवल से कंपेयर करने पर फायदा लगभग 100 फीसदी का हो जाता है। इस शेयर का 52 वीक लो लेवल 530.05 रुपए का है। यानी एक साल में इस शेयर ने डबल से ज्यादा की तेजी दिखाई है, जो इसे मल्टीबैगरों की कतार में एंट्री दिला देता है।

इन कारणों से भाव को मिला समर्थन

बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार एलआईसी की हालिया रैली कई कारणों से है। सबसे पहले तो जीवन बीमा के कारोबार में एलआईसी की दबदबे की स्थिति जिम्मेदार है। उसके अलावा मोदी सरकार के कार्यकाल में सरकारी शेयरों को लेकर बने अच्छे माहौल से भी एलआईसी को फायदा हुआ है। एलआईसी ने हालिया दिनों में कई नए प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं। वहीं तिमाही परिणाम बेहतर रहने से भी स्टॉक को सपोर्ट मिला है।

भारत और जर्मनी ने रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने मंगलवार को बर्लिन में जर्मनी के रक्षा सचिव बेनेडिक्ट ज़िमर के साथ भारत-जर्मनी उच्च रक्षा समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता की।

दोनों पक्षों ने भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया, हिन्द प्रशांत में जर्मनी के साथ संभावित संयुक्त अभ्यास पर भी चर्चा हुई और संभावित रक्षा औद्योगिक परियोजनाओं और प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने घनिष्ठ रक्षा साझेदारी और दोनों पक्षों के रक्षा उद्योगों को एक साथ जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। रक्षा क्षेत्र में उच्च प्रौद्योगिकी में सहयोग पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस बैठक का आयोजन जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस की पिछले वर्ष भारत यात्रा के बाद किया गया है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजना लागत में इजाफा

431 परियोजनाओं की लागत जनवरी तक 4.80 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 431 परियोजनाओं की लागत जनवरी 2024 तक तय अनुमान से 4.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जनवरी 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1821 परियोजनाओं में से 431 की लागत बढ़ गई है, जबकि 780 अन्य परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन 1821 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 2609679.38 करोड़ रुपए थी लेकिन अब इसके बढ़कर 3090135.99 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 18.41 प्रतिशत यानी 480456.61 करोड़ रुपए बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2024 तक इन परियोजनाओं पर 1643821.69 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 53.20 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 583 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 373 परियोजनाओं के चालू होने के समय की जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 780 परियोजनाओं में से 194 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 187 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 284 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 115 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 780 परियोजनाओं में विलंब का औसत 36.13 महीने है।

विलंब के कई कारण

इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

रियलमी 12 प्लस 5जी स्मार्टफोन फोटोग्राफी में स्थापित करेगा नए मानक

नई दिल्ली, एजेंसी। रियलमी 12 प्रो सीरीज 5जी के शानदार प्रदर्शन के बाद रियलमी 6 मार्च को रियलमी 12 प्लस 5जी को लॉन्च करने के लिए तैयार है। इस लॉन्च का लक्ष्य अपने यूजर्स के लिए मिड-रेंज स्मार्टफोन बाजार में क्रांति लाना है। सूत्रों ने बुधवार को कहा कि सोनी एलवायटी 600 सेंसर और ऑप्टिकल इमेज स्टेबेलाइजेशन (ओआईएस) के साथ 50एमपी कैमरा की सुविधा देने वाला यह अपने मूल्य वर्ग में पहला डिवाइस होगा।

इस अभूतपूर्व नवप्रवर्तन से उद्योग के मानकों को फिर से परिभाषित करने और मध्य-श्रेणी के स्मार्टफोन के लिए मानक ऊपर उठाने की उम्मीद है। यह कदम अत्याधुनिक तकनीक का लोकतंत्रीकरण करने में अहम भूमिका निभाएगा, जिससे यह स्मार्टफोन उद्योग में एक संभावित गेम-चेंजर बनेगा।

रियलमी भरोसेमंद स्मार्टफोन प्रदाता से कहीं अधिक है। कंपनी के अनुसार, वे विशेष रूप से मिड-प्रीमियम श्रेणी में बेहद प्रतिस्पर्धी स्मार्टफोन बाजार में इनोवेशन और उपयोगकर्ता अनुभव के विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। अपने नवीनतम आगामी रिलीज के साथ रियलमी लगातार तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने और ऐसे डिवाइस पेश करने के प्रति अपना समर्पण बनाए रखता है जो यूजर्स के स्मार्टफोन के साथ बातचीत करने के तरीके को बदल देते हैं। मिडरेंज सेगमेंट में फोटोग्राफी क्षमताओं के परिवर्तन में अग्रणी, रियलमी 12 प्लस 5जी बेहतर, तेज और अधिक ज्वलंत पोर्ट्रेट मास्टरपीस प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सोनी एलवायटी 600 सेंसर और ऑप्टिकल इमेज स्टेबेलाइजेशन (ओआईएस) से सुसज्जित है। यह एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जिससे अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कलर रि-प्रोडक्शन में 18 प्रतिशत का प्रभावशाली सुधार हुआ है। टू-एक्स इन-सेंसर जूम से लैस प्राइमरी कैमरा, गुणवत्ता से समझौता किए बिना स्पष्ट तस्वीरों की गारंटी देता है।

यह बढ़ी हुई शूटिंग बहुमुखी प्रतिभा भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता अलग-अलग दूरी पर विषयों को सटीक सटीकता के साथ कैप्चर करने में सक्षम होते हैं। रियलमी 12+ 5जी में अभूतपूर्व स्नैप पोर्ट्रेट सिस्टम पेश किया गया है, जो स्मार्टफोन तकनीक में पहली बार है। यह सुविधा उपयोगकर्ताओं को प्रति मिनट लगातार 208 तस्वीरें शूट करने की क्षमता के साथ केवल 0.8 सेकंड में स्टैंडबाय से छवियों को कैप्चर करने के लिए तेजी से बदलने की अनुमति देती है।

केएल राहुल पांचवें टेस्ट से बाहर, बुमराह की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को कहा कि सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल चोट के कारण धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम में वापसी करेंगे।

राहुल के दायें पैर की जांघ में सूजन बनी हुई और वह अपनी चोट पर विशेषज्ञ की राय लेने के लिए लंदन गए हैं। यह विकेटकीपर बल्लेबाज जनवरी में हैदराबाद में श्रृंखला के पहले मैच के बाद से ही उपलब्ध नहीं है और बीसीसीआई के अनुसार वह इस महीने के शुरू में राजकोट में तीसरे टेस्ट से पहले 90 प्रतिशत फिट थे।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, "केएल राहुल की आईडीएफसी फर्स्ट बैंक श्रृंखला के अंतिम टेस्ट में भागीदारी फिटनेस पर निर्भर थी लेकिन वह धर्मशाला में पांचवें और अंतिम टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी चोट पर नजर रखे है और इस संबंध में लंदन में विशेषज्ञों से सलाह लेने की कोशिश कर रही है।"

टीम की कार्यभार प्रबंधन नीति के तहत रांची में चौथे टेस्ट के लिए टीम से रिलीज किए गए बुमराह सात मार्च से धर्मशाला में शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट के लिए टीम से जुड़ेंगे। भारत ने रांची में चौथे टेस्ट में जीत के बाद श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त बनायी हुई है।

अंतिम टेस्ट में राहुल की अनुपस्थिति का मतलब है कि रजत पाटीदार टीम में बने रहेंगे लेकिन अंतिम एकादश में उनका शामिल होना निश्चित नहीं है क्योंकि वह छह पारियों में कुल मिलाकर 63 रन ही बना सके हैं। हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को भी टीम से रिलीज कर दिया गया है।

बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा, "वह दो मार्च 2024 से मुंबई के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्राफी सेमीफाइनल मैच के लिये अपनी रणजी टीम तमिलनाडु में शामिल होंगे। और अगर जरूरत पड़ी तो अपना घरेलू मैच पूरा होने के बाद पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम में जुड़ जायेंगे।"

राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जाइंट्स का नेतृत्व करेंगे और उन्हें आईपीएल से पहले पूरी तरह फिट होना होगा। इसी चोट के कारण राहुल पिछले साल भी लगभग चार महीने तक टीम से बाहर रहे थे।

आईपीएल के दौरान चोटिल होने के बाद राहुल ने पिछले सितंबर में एशिया कप के दौरान वापसी की। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे में राहुल भारत के लिए शतक बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। यह श्रृंखला ड्रा रही थी।

बीसीसीआई ने कहा कि सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 26 फरवरी को सर्जरी के बाद अच्छी तरह उबर रहे हैं। बीसीसीआई ने शमी के बारे में कहा, "वह सर्जरी से उबर रहे हैं और जल्द ही रिहैबिलिटेशन शुरू करने के लिए बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जायेंगे।"

पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

सीनियर पहलवानों का राष्ट्रीय शिविर ट्रायल के बाद : डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) करीब 15 महीने बाद सीनियर राष्ट्रीय शिविर की तैयारी कर रहा है और किसान आंदोलन के कारण शिविर पटियाला की बजाय दिल्ली में लग सकता है।

डब्ल्यूएफआई के राष्ट्रीय शिविर जनवरी 2023 के बाद से बंद है जब देश की तीन शीर्ष पहलवानों ने तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन किया था। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद कुश्ती का रोजमर्रा का काम देख रही तदर्थ समिति ने जयपुर में अपनी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने के बाद रोहतक (पुरूष) और पटियाला (महिला) में अभ्यास शिविर शुरू किये।

युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग द्वारा निलंबन वापिस लिये जाने के बाद डब्ल्यूएफआई ने बिशकेक में 11 से 16 अप्रैल तक होने वाली एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप और 19 से 21 अप्रैल तक उपमहाद्वीपीय ओलंपिक क्वालीफायर के लिये राष्ट्रीय टीम चुनने के लिये ट्रायल का ऐलान किया। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, ह्यह्यट्रायल के बाद हर वर्ग के शीर्ष चार पहलवानों को राष्ट्रीय शिविर में बुलाया जायेगा। अभी हमने शिविर के वेन्यू तय नहीं किये हैं।" समझा जाता है कि सोनीपत के साइ केंद्र में पुरूष और दिल्ली के आईजी स्टेडियम में महिला वर्ग के शिविर लगेंगे। एक सूत्र ने कहा, ह्यह्यपंजाब में गतिविधियों पर प्रतिबंध के कारण हर किसी के लिये पंजाब पहुंचना आसान नहीं होगा। हमने इसलिये सरकार से महिलाओं के शिविर के लिये आईजी स्टेडियम देने का अनुरोध किया है।" ट्रायल में जयपुर और पुणे में हुई राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में शीर्ष चार पर रहे पहलवानों को बुलाया जायेगा।

ग्रीन के नाबाद 103 की शतकीय पारी ने ऑस्ट्रेलिया को संभाला

वेलिंगटन, एजेंसी। कैमरून ग्रीन की नाबाद 103 की शतकीय पारी की मदद से गुरुवार को पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने शुरूआती झटकों से उबरते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने तक नौ विकेट पर 279 रन बना लिये है।

आज यहां न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने टॉस जीतकर पहलें गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया एक समय अपने चार विकेट 89 रन पर गंवा दिये थे। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 31 बनाये। उन्हें हेनरी ने ब्लिंडन के हाथों कैच आउट कराया। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्नस लाबुशेन एक रन को स्कॉट कुग्गेलिन ने मिचेल के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेजा। उस्मान ख्वाजा 33 रन को हेनरी ने बोल्ड आउट किया। ट्रैविस हेड एक रन, मिचेल मार्श 40 रन, एलेक्स कैरी 10 रन, मिचेल स्टार्क नौ रन, पैट कमिंस 16 रन और नेथन लायन पांच रन बनाकर आउट हुये।

न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टेस्ट मैच के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट गिरा दिये है। उनकी आक्रमक गेंदबाजी के आगे कंगारु बल्लेबाजों की एक नहीं चली और तू चल मैं आया की तर्ज पर एक-एक करके पवेलियन लौटे चले गये। ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन ने संभल कर खेलते हुए 155 गेंदों में 16 चौकों की मदद से नाबाद 103 रन बनाये। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक और न्यूजीलैंड के खिलाफ यह पहला शतक है।

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 20 ओवर में 43 रन देकर चार विकेट लिये। उन्होंने स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा मार्श और नाथन लियोन को आउट किया। उनके अलावा विलियम ओरूर्के और स्कॉट कुग्गेलिन को 2-2 विकेट मिले। रचिन रविंद्र ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 85 ओवर में नौ विकेट पर 279 रन बना लिये और ग्रीन नाबाद 103 रन और हेजलवुड शून्य पर क्रीज पर मौजूद थे।

किरण की धमाकेदार पारी, यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस का विजय रथ रोका

बेंगलुरु, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे के तूफानी अर्धशतक और कप्तान एलिसा हीली के साथ उनकी पहले विकेट के लिए बड़ी साझेदारी की मदद से यूपी वॉरियर्स ने बुधवार को यहां मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस को 21 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला।

अपने पहले दोनों मैच में जीत दर्ज करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम हेली मैथ्यूज के अर्धशतक के बावजूद पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 161 रन ही बना पाई। वॉरियर्स ने 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 163 रन बनाकर जीत दर्ज की। वॉरियर्स की टीम अपने पहले दोनों मैच हार गई थी।

किरण ने 31 गेंद पर 57 रन बनाए जिसमें 6 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने हीली (29 गेंद पर 33 रन, 5 चौके) के साथ पहले विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। वॉरियर्स ने हालांकि इन दोनों सलामी बल्लेबाज सहित तीन विकेट चार रन के अंदर गंवा दिए।

इसके बाद ग्रेस हैरिस और दीप्ति शर्मा ने जिम्मेदारी संभाली तथा चौथे विकेट के लिए 65 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाया। हैरिस ने 17 गेंद पर 38 रन की नाबाद पारी खेली जिसमें 6 चौके और एक छक्का शामिल है। दीप्ति ने 20 गेंद पर चार चौकों की मदद से नाबाद 27 रन बनाए।

इससे पहले मैथ्यूज ने अपनी ख्याति के विपरीत धीमी पारी खेली। उन्होंने 47 गेंद पर 9 चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाए। उन्होंने यास्तिका भाटिया (22 गेंद पर 26 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 50 और नेट साइवर ब्रंट (14 गेंद पर 19 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की। इनके अलावा अमेलिया केर ने 16 गेंद पर 23, पूजा वस्त्रकर ने 12 गेंद पर 18 और इसी वांग ने 6 गेंद पर नाबाद 15 रन का योगदान दिया। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद बेहद धीमी शुरूआत की और पहले चार ओवर के बाद उसका स्कोर केवल 13 रन था। भाटिया ने अंजलि सवार्नी के अगले ओवर में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 18 रन बटोर कर रन गति तेज की जिससे मुंबई पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 36 रन बनाने में सफल रहा।

मैथ्यूज ने पहले 6 ओवर में 17 गेंद पर केवल 11 रन बनाए थे। उन्होंने इसके बाद राजेश्वरी गायकवाड़ पर चौका और छक्का लगाकर अपने हाथ खोले। उन्होंने दीप्ति शर्मा के एक ओवर में तीन चौके भी लगाए। मैथ्यूज जब 43 रन पर थी तब दीप्ति ने उनका आसान कैच भी छोड़ा। मैथ्यूज ने इसका फायदा उठाकर 44 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन वह इसके बाद अपनी पारी लंबी नहीं खींच पाई।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी करेगा बीजिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व एथलेटिक्स परिषद ने 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बीजिंग, चीन को चुना है। विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप (1-3 मार्च) से पहले ग्लासगो में आयोजित 234वीं विश्व एथलेटिक्स परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

चीन अगले साल नानजिंग में विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप की भी मेजबानी करेगा।

विश्व एथलेटिक्स द्वारा गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा, "हमारे वैश्विक शोपीस के 15वें संस्करण के लिए हमारे एथलीटों द्वारा नेशनल स्टेडियम को रोशन करने के 12 साल बाद, 2027 में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए उनकी सफल बोली पर बीजिंग को बधाई।"

उन्होंने कहा, "1.4 बिलियन से अधिक की आबादी के साथ, चीन दुनिया के सबसे बड़े खेल बाजारों में से एक है। यह 2023 में 368.9 मिलियन की संचयी दर्शकों के साथ वांडा डायमंड लीग प्रसारण खपत के लिए शीर्ष प्रदर्शनकर्ता था। यह दुनिया के सबसे बड़े वाणिज्यिक बाजारों में से एक में हमारे खेल और प्रशंसक आधार को बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है।"

विश्व एथलेटिक्स परिषद के सदस्य और चीनी एथलेटिक्स एसोसिएशन (सीएए) के उपाध्यक्ष वांग नान ने कहा, "चीन और बीजिंग में मान्यता और विश्वास के लिए विश्व एथलेटिक्स को धन्यवाद। सीएए चैंपियनशिप की तैयारी के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए बीजिंग आयोजन समिति के साथ मिलकर काम करेगा, यह सुनिश्चित करेगा कि चैंपियनशिप उच्चतम गुणवत्ता मानक पर आयोजित की जाएगी, और दुनिया भर में एथलेटिक्स के विकास में अधिक योगदान देने के लिए एक अद्भुत विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पेश करने का प्रयास करेगा।" बीजिंग स्पोर्ट्स ब्यूरो के निदेशक झाओ वेन ने कहा, "हम बीजिंग के विश्वास और समर्थन के लिए विश्व एथलेटिक्स को धन्यवाद देते हैं।

श्रेयस और ईशान केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद मजबूत होकर वापसी करें : शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने 2023/24 सीजन के लिए बीसीसीआई की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर किए जाने के बाद श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की जोड़ी से और भी मजबूत होकर वापसी करने का आग्रह किया है।

बुधवार को, अय्यर और किशन को 1 अक्टूबर, 2023 से 30 सितंबर, 2024 तक चलने वाली 30 सदस्यीय बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल नहीं किया गया था। पिछले सीजन में, अय्यर के पास ग्रेड बी अनुबंध था, जबकि किशन के पास ग्रेड सी अनुबंध था।

ह्क्रिकेट के खेल में, वापसी भावना को परिभाषित करती है। चिन-अप, @ श्रेयस अय्यर15 और @ ईशानकिशन51! कड़ी मेहनत करें, चुनौतियों का सामना करें तथा और भी मजबूत होकर वापस आएं। शास्त्री ने ट्विटर पर लिखा, "आपकी पिछली उपलब्धियां बहुत कुछ कहती हैं और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप एक बार फिर जीत हासिल करेंगे।"

पिछले साल व्यक्तिगत कारणों से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टेस्ट से हटने के बाद इशान क्रिकेट एक्शन से बाहर हो गए थे। बताया गया कि वह बड़ौदा में प्रशिक्षण ले रहे थे और झारखंड के लिए पूरे रणजी ट्रॉफी अभियान से चूक गए। हाल ही में ईशान ने नवी मुंबई में चल रहे डीवाई पाटिल टी20 टूनार्मेंट के जरिए एक्शन में वापसी की है।

दूसरी ओर, इंग्लैंड के खिलाफ पिछले तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद, श्रेयस कथित तौर पर पीठ की समस्या के कारण बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाए, जबकि एनसीए ने कथित तौर पर उन्हें फिट होने के लिए पास कर दिया था। अय्यर को तमिलनाडु के खिलाफ 2 मार्च से बीकेसी ग्राउंड में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मुंबई की टीम में नामित किया गया है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केंद्रीय अनुबंध सूची जारी करते हुए एक बयान में कहा,"कृपया ध्यान दें कि सिफारिशों के इस दौर में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को वार्षिक अनुबंध के लिए नहीं माना गया है। बीसीसीआई ने सिफारिश की है कि सभी एथलीट उस अवधि के दौरान घरेलू क्रिकेट में भाग लेने को प्राथमिकता दें जब वे राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हों।"

भारतीय क्रिकेट के लिए एक प्रगतिशील कदम में, अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने आकाश दीप,उमरान मलिक, विजयकुमार विशाक, विदवथ कवरप्पा और यश दयाल के लिए तेज गेंदबाजी अनुबंध की सिफारिश की है। आकाश दीप ने रांची में इंग्लैंड के खिलाफ चल रही श्रृंखला के चौथे मैच में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया।

भारत की 1983 पुरुष वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य शास्त्री ने कहा,"तेज गेंदबाजी' अनुबंध के साथ गेम-चेंजिंग कदम के लिए @इउउक और @खंटरँ को बड़ी सराहना। इस साल के अंत में डाउन अंडर के लिए तैयारी में एक महत्वपूर्ण कदम। टेस्ट क्रिकेट और घरेलू क्रिकेट पर जोर एक शक्तिशाली संदेश है, जो हमारे प्रिय खेल के भविष्य के लिए सही स्वर स्थापित कर रहा है।"

श्रेयस और ईशान के अलावा चेतेश्वर पुजारा, शिखर धवन, उमेश यादव, दीपक हुडा और युजवेंद्र चहल को केंद्रीय अनुबंध सूची में जगह नहीं मिली है. इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले यशस्वी जायसवाल केंद्रीय अनुबंध में नए शामिल हुए हैं और खुद को ग्रेड बी में पाते हैं। रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, रुतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान और रजत पाटीदार ग्रेड सी में केंद्रीय अनुबंध सूची में अन्य नए खिलाड़ी हैं।

एक नजर

प्रज्ञानानंदा ने की चूक, प्राग में दूसरे दौर में हारे

प्राग, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को प्राग मास्टर्स शतरंज टूनार्मेंट के दूसरे दौर में ईरान के परहाम मघसूडलू के हाथां पराजय का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही क्लासिकल शतरंज में उनका 47 मैचों का अपराजेय अभियान खत्म हो गया। अठारह बरस के इस खिलाड़ी ने लाइव रेटिंग में शीर्ष स्थान भी गंवा दिया जो विश्वनाथन आनंद ने फिर हासिल कर लिया है। डी गुकेश ने चेक गणराज्य के एंगुयेन थाई दाइ वान को हराया। टूनार्मेंट के सात दौर बाकी हैं जबकि परहाम दो अंक लेकर शीर्ष पर हैं। गुकेश और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव उनसे आधा अंक पीछे हैं। उजबेक खिलाड़ी ने भारत के विदित गुजराती से ड्रा खेला। प्रज्ञानानंदा, गुजराती, रोमानिया के रिचर्ड रैपो और चेक गणराज्य के डेविड नवारा चौथे स्थान पर हैं। चैलेंजर वर्ग में आर वैशाली को लगातार दूसरी पराजय झेलनी पड़ी जिन्हें तुर्की की एडिज गुरेल ने हराया।

स्मिथ ने की नियमों में बदलाव की मांग, लेग साउड बाउंसर पर लगे रोक

वेलिंगटन, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने क्रिकेट अधिकारियों से आग्रह किया है कि तेज गेंदबाजों के लेग साउड पर लगातार बाउंसर फेंकने के मसले पर गौर करे क्योंकि इससे बल्लेबाज विकेट के सामने कहीं भी शॉट नहीं लगा पा रहे हैं।

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि गेंदबाज को ऐसी एक या दो गेंद डालने की ही अनुमति होनी चाहिये जिसके बाद उसे चेतावनी दी जानी चाहिये या गेंद वाइड करार दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा, ह्यह्यलेग साउड में बाउंसर फेंकने को लेकर नियम में बदलाव किया जा सकता है। आप विकेट के सामने शॉट खेल ही नहीं पाते। ऐसी गेंद डालने पर उसे वाइड करार दिया जाना चाहिये या गेंदबाज को चुनौती मिलनी चाहिये।" न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में पहली पारी में 31 रन बनाने वाले स्मिथ ने कहा कि अगर गेंद लेग साइड में बहुत मुड़ रही है तो बल्लेबाज कोई भी स्ट्रोक नहीं खेल पाता।

आरसीबी के खिलाफ लौटेंगी मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत

बेंगलुरू, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच चार्लोट एडवडर्स ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ शनिवार को डब्ल्यूपीएल के अगले मैच में उपलब्ध होंगी। फॉर्म में चल रही हरमनप्रीत चोट के कारण बुधवार को यूपी वारियर्स के खिलाफ नहीं खेल सकी थी। मुंबई को सात विकेट से पराजय का सामना करना पड़ा था।

एडवडर्स ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हरमन आज चयन के लिये उपलब्ध नहीं थी लेकिन शनिवार को आरसीबी के खिलाफ खेलेगी। मुझे इसका पूरा यकीन है।

हरमनप्रीत ने इस डब्ल्यूपीएल में दो मैचों में 101 रन बनाये हैं।

मुंबई को अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल की कमी भी खली जो चोटिल है। एडवडर्स ने कहा कि उनकी फिटनेस पर नजर रखी जा रही है लेकिन आरसीबी के खिलाफ उनका खेलना मुश्किल है। उन्होंने कहा, हम उसके लिये इंतजार कर रहे हैं। यह लंबा नहीं होना चाहिये लेकिन हम कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।' यूपी वारियर्स की वृंदा दिनेश के कंधे में भी फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी और उनका स्कैन कराया गया है जिसकी रिपोर्ट का इंतजार है।

कैमरून ने राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच रिगोबर्ट सॉन्ग के साथ अनुबंध समाप्त किया

याउंडे, एजेंसी। कैमरून फुटबॉल फेडरेशन ने राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच रिगोबर्ट सॉन्ग के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया है। फेडरेशन ने बुधवार को उक्त जानकारी दी।

फेडरेशन के महासचिव ब्लेज डजौनांग ने एक आधिकारिक बयान में अपने अनुबंध को समाप्त करने का कोई कारण बताए बिना, राष्ट्र की सेवा के प्रति समर्पण के लिए सॉन्ग और उनके सहायकों को धन्यवाद दिया। डजौनांग ने कहा, अगले कुछ दिनों में, एक नए अदम्य लायंस कोचिंग स्टाफ के लिए भर्ती प्रक्रिया का विवरण घोषित किया जाएगा। पूर्व कैमरून फुटबॉल स्टार और कप्तान, जो 2022 से राष्ट्रीय टीम के प्रभारी थे, ने अपनी नियुक्ति के तुरंत बाद टीम को कतर में फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद की।

हालाँकि, स्थानीय फुटबॉल विश्लेषकों के अनुसार, उनका दो साल का कार्यकाल कम प्रभावशाली रहा है, उनके कोचिंग में टीम ने 23 में से केवल छह मैच जीते हैं।

अय्यर और ईशान को बीसीसीआई अनुबंध नहीं मिलने पर इरफान ने उठाये सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने रणजी ट्रॉफी खेलने के आदेश का पालन नहीं करने पर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध नहीं दिये जाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा है कि हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ियों के लिये यह मानदंड नहीं था।

बीसीसीआई ने बुधवार को ईशान और श्रेयस के केंद्रीय अनुबंध रद्द कर दिये जबकि 2018 से एक भी टेस्ट नहीं खेले पंड्या को ग्रेड 'ए' का अनुबंध दिया गया।

इरफान ने एक्स पर लिखा, ह्यह्यअगर हार्दिक जैसे खिलाड़ी लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेलना चाहते तो क्या उन्हें और उनके जैसे दूसरों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने पर सफेद गेंद का घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये।" उन्होंने कहा, अगर यह सब पर लागू नहीं होता तो भारतीय क्रिकेट को इच्छित नतीजे नहीं मिलेंगे।"

ईशान पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरा छोड़ने के बाद झारखंड के लिये रणजी ट्रॉफी खेलने नहीं आये। उन्होंने आईपीएल की तैयारी शुरू कर दी जिसमें वह मुंबई इंडियंस के लिये खेलेंगे। वहीं अय्यर भी बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल खेलने मुंबई टीम से नहीं जुड़े जबकि ग्रोइन की चोट के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद भारतीय टीम से बाहर थे। इरफान ने कहा, ह्यह्यये दोनों प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं और उम्मीद है कि मजबूती से वापसी करेंगे।"

यूएन वूमेन ने जनरेशन इक्वेलिटी सहयोगी के रूप में यूपी वारियर्स को दी मान्यता

बेंगलुरु, एजेंसी। कैपरी स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीम यूपी वारियर्स को यूएन वूमेन द्वारा 'जनरेशन इक्वेलिटी सहयोगी' के रूप में मान्यता दी गई है। लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित संयुक्त राष्ट्र इकाई, यूएन वूमेन ने यूपी वारियर्स को 'पीढ़ी समानता सहयोगी' के रूप में स्वीकार किया है। यूपी वारियर्स, अन्य जेनरेशन इक्वेलिटी सहयोगियों में शामिल होने वाली एकमात्र खेल इकाई होगी, जिसे लिंग-समान दुनिया में चैंपियन बनने के लिए यूएन वूमेन द्वारा चुना गया है। क्रिकेट टीम के साथ यूएन वूमेन की साझेदारी खेलों में समानता की वकालत करने पर केंद्रित होगी, जिसमें महिला एथलीटों द्वारा सामना की जाने वाली रूढ़िवादिता को संबोधित करना भी शामिल है।

यूएन वूमेन की प्रतिनिधि सुसान फर्ग्यूसन ने कहा, "खेल महिला सशक्तीकरण का एक शक्तिशाली उपकरण है। मैं खेलों में हमारे पहले 'जनरेशन इक्वेलिटी सहयोगी' के रूप में यूपी वारियर्स का स्वागत करते हुए रोमांचित हूं।

पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दुःखी न करें।

बच्चों का व्यक्तित्व विकास कैसे हो

पेंसिल ने इरेज़र (रबर) से कहा, मुझे माफ़ कर दो
इरेज़र ने कहा, तुम ऐसा क्यों कह रहे हो
पेंसिल बोली, मेरे कारण तुम्हें बहुत कष्ट झेलना पड़ता है। जब भी मैं कोई गलती करती हूं तो तुम उसे सुधारने के लिए भागे आते हो। मेरी गलतियों के निशानों को मिटाते-मिटाते तुम्हें स्वंय का बलिदान देना पड़ता है। तुम छोटे और छोटे होते-होते स्वंय का अस्तित्व ही खो देते हो। इरेज़र ने कहा, तुम्हारा कहना उचित है मगर मुझे स्वंय का अस्तित्व खोने का कोई दुख नहीं है क्योंकि मेरा जन्म ही तुम्हारी गलतियों को सुधारने के लिए हुआ है। अगर मैं तुम्हारी गलतियों को नहीं मिटाता तो तुम्हारे पास मेरे जैसा कोई और आ जाएगा। मैं अपने जीवन से बहुत खुश हूं। मुझे कोई शिकायत नहीं है। मेरी चिंता मत करो। तुम्हारे चेहरे पर मायूसी अच्छी नहीं लगती।
पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दु:खी न करें।
माता-पिता बच्चों के लिए बहुत कष्ट सहते हैं। बच्चों का बचपन अच्छा व्यतीत हो, उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए वे प्रयासरत रहते हैं परंतु कुछ बच्चे माता-पिता को पलटकर उत्तर देते हैं जिससे माता-पिता का मन दुखी होता है । बच्चों द्वारा पलटकर उत्तर देकर माता-पिता को दुःखी करना, ईश्वर को दु:खी करने के समान है। बच्चों इससे बचने के लिए माता-पिता से प्रेमपूर्वक व्यवहार करें तथा उनके प्रति कृतज्ञ रहें।
माता-पिता और बच्चों का व्यवहार सदैव मित्राचारी का होना चाहिए। यदि माता-पिता बच्चों के साथ डांट कर या मार कर व्यवहार करेंगे तो बच्चे निश्चित ही उनका कहा नहीं मानेंगे और गलत रास्ते पर चल पड़ेगें। माता-पिता के उच्च संस्कार ही घर में आनंद और शान्ति का माहौल बनाते हैं।

बनें स्मार्ट बागबान...

याद है, वो सर्द शाम की तल्खी दूर करने के लिए तुलसी की चाय पीना? या किसी ठिठुरती सुबह घर के बडे बुजुर्ग के हाथों भुने हुए आलू के जायके की सौगात मिलना? ताजी सब्जियों और ह?र्ब्स के बिना सर्दियों का मजा अधूरा है। लेकिन कई बार बाहर से खरीदी गई सब्जियां ताजी नहीं होतीं और कई बार महंगाई के चलते इन्हें खरीदना जेब पर भारी पडता है। ऐसे में क्यों न अपने घर के किसी कोने में ही किचन गार्डेन बना लिया जाए। थोडी सी मेहनत और टाइम मैनेजमेंट आपको आपकी पसंदीदा सब्जियां आसानी से उपलब्ध करा सकती है।

क्या उगाएं

किचन गार्डेनिंग करने के लिए सबसे पहले यह तय करें कि आपके किचन में किन सब्जियों और हर्ब्स की खपत सबसे ज्यादा है। मसलन, अगर आपके घर के ज्यादातर लोग कम तीखा खाना खाते हैं, तो मिर्च के पौधे लगाने का कोई फायदा नहीं है। घर पर उगाई जाने वाली सब्जियों में मुख्य तौर पर तीन श्रेणियां हैं। पहली है लीफी वेजटेबल्स जिनमें पत्तागोभी, पालक, धनिया, ब्रॉकली, लेट्यूस, जुकिनी आदि सब्जियां आती हैं, दूसरी है विभिन्न प्रजातियों की शिमला मिर्च, तीसरी है रूट वेजटेबल्स जैसे शलगम, चुकंदर, गाजर, मूली और चौथी हैं ह?र्ब्स जैसे करीपत्ता, पार्सले और तुलसी। जी हां बैंगन और हरी मिर्च के पौधे किसी भी मौसम में उगाए जा सकते हैं, वहीं हरी मटर और चेरी टमाटर जैसे पौधे सर्दियों में उगाना ज्यादा मुफीद रहता है।

स्पेस मैनेजमेंट

किचन गार्डेन के लिए जगह का सही चुनाव और इस्तेमाल भी अहम है। अगर आप अपर फ्लोर पर रहते हैं और बालकनी में किचन गार्डेन बनाना चाहते हैं, तो गमलों या प्लांटेशन ट्रे का साइज और संख्या जगह की उपलब्धता के हिसाब से चुनें। उदाहरण के तौर पर अगर आपकी बालकनी में 5/10 फीट की जगह खाली है, तो आप यहां 45/15 सेंमी के चार ट्रे तक लगा सकती हैं। कम जगह में ज्यादा पौधे लगाने की गलती न करें। वरना उन्हें जरूरी पोषण नहीं मिल पाएगा। एक और खास बात यह है कि किचन गार्डेन की लोकेशन के हिसाब से वहां की समस्याएं भी अलग होती हैं, जिनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। मसलन ग्राउंड फ्लोर के किचन गार्डेन में जानवरों और रोडेंट्स का खतरा होता है। इसी तरह बालकनी और टेरेस के किचन गार्डेन में मिट्टी के पोषक तत्व और धूप पर्याप्त मात्रा में न मिलने जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे में अगर आप ग्राउंड फ्लोर पर किचन गार्डेन बना रही हैं, तो फेंसिंग के पुख्ता इंतजाम करें। और बालकनी या टेरेस में किचन गार्डेन बना रही हैं, तो गमलों और प्लांटेशन ट्रेज को ऐसी दिशा में रखें कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा सूरज की रोशनी मिले।

ज्यादा देखभाल खतरनाक

पौधों की जरूरत से ज्यादा देखभाल करना भी कई बार खतरनाक साबित होता है। पौधों को दिन में दो बार पानी देना पर्याप्त है। जरूरत से ज्यादा पानी देने पर पौधों के गलने का खतरा रहता है। यही बात कीटनाशकों के इस्तेमाल पर भी लागू होती है। पत्तियों पर निशान होने का मतलब हमेशा यह नहीं होता कि उनमें कोई बीमारी पनप रही है। इसी तरह हर कीट पौधों को नुकसान पहुंचाने वाला ही नहीं होता। कई कीट पौधों के लिए लाभदायक भी होते हैं।

घरेलू नुस्खे आजमाएं

जिस तरह हम कोई बीमारी हो जाने पर पहले घरेलू नुस्खे आजमाते हैं, उसी तरह पौधों को कीडी लग जाने या बीमारी होने पर कुछ विशेष घरेलू नुस्खे बेहद कारगर साबित होते हैं। जैसे, पौधों में कीडे लग जाने पर नीम का तेल स्प्रे करने से फायदा होता है। पौधों में कोई बीमारी होने पर सबसे पहले उनमें हल्दी पाउडर डालें। कीडों से निजात पाने के लिए बीटी पाउडर भी डाल सकते हैं।

गलत सलाह से बचें

बागबानी का सामान बेचने वाले अकसर ज्यादा मात्रा में उत्पाद बेचने के लालच में लोगों को गलत जानकारी दे देते हैं। पौधों की किसी बीमारी का उपचार करने के लिए अगर केमिकल कीटनाशक का इस्तेमाल जरूरी हो तो विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। अगर विशेषज्ञ ने एक लीटर पानी में दो एमएल दवा डालने को कहा है, तो इसी अनुपात में पौधों में दवा डालें। रोग जल्दी ठीक करने के चक्कर में एक लीटर पानी में दस एमएल दवा न डाल दें क्योंकि यह पौधे से उपजने वाली सब्जियों को हानिकारक बना देगा।

फटाफट टिप्स

- अगर आपने पहली बार किचन गार्डेन बनाया है और आपके लगाए 8-10 में से 4-5 पौधे ही जिंदा रहें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपमें लगन होगी तो साल दर साल आपकी बगिया के पौधों की संख्या बढती ही जाएगी।
- सर्दियों के मौसम में बीजों के रोपण का सही समय 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होता है। वहीं अगर नर्सरी से पौधे लाकर लगा रही हैं, तो 15 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच का समय उपयुक्त है।
- खाद देना बागबानी का एक अहम पहलू है। खाद हमेशा 3:1 के अनुपात में डालें। यानी तीन हिस्सा मिट्टी पर एक हिस्सा खाद।

मशरूम वॉलवॉ

1-2 व्यक्तियों के लिए

सामग्री - 250 ग्राम मशरूम कटा हुआ, 50 ग्राम प्याज बारीक कटा हुआ, 50 ग्राम लीक्स बारीक कटी हुई, 50 ग्राम सेलरी बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, पार्मेजान चीज कसा हुआ, 100 मिली. क्रीम, 2 पफ पेस्ट्री वॉलवॉ, 2 डंडियां पार्सले, स्वादानुसार नमक व काली मिर्च पाउडर।

विधि - 1. एक पैन में सब्जियां डालकर भूनें। नमक, काली मिर्च व क्रीम डालकर नर्म होने तक पकाएं, लेकिन सूखने न पाए। 2. अब पार्मेजान चीज और पार्सले मिलाएं। 3. पफ पेस्ट्री को सुनहरा होने तक बेक करें। 4. अब पफ पेस्ट्री में मशरूम मिश्रण मिलाकर अवन में कुछ देर पकाएं। गरमागरम सर्व करें।

एपल मफिन

4-5 व्यक्तियों के लिए

सामग्री - 100 ग्राम सेब, 400 ग्राम मैदा, 80 ग्राम बादाम पाउडर, 400 ग्राम दही, 200 ग्राम तेल, 10 ग्राम सोडा, 400 ग्राम चीनी

विधि - 1. सेब को छीलकर बारीक काट लें। 2. फिर इसे शेष सामग्री के साथ मिलाकर मफिन कप में डालें। 3. अब 80 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म अवन में 25-30 मिनट तक बेक करें।

थोड़ा सा रूमानी हो जाएं

अब वो बात नहीं रही..जिंदगी से जैसे रोमैंस गायब हो गया है..क्या करूं मूड ही नहीं होता..लाइफ बडी बोर हो गई है..। शादी के कुछ वर्ष बाद लाइफ को लेकर अमूमन लोगों की शिकायतें कुछ ऐसी ही होती हैं। यूं तो इसके कई कारण हो सकते हैं, मगर सबसे बडा कारण है- सेक्स संबंधों का रुटीन बन जाना। हम सभी जीवन के हर पहलू को बेहतर बनाने की कोशिशें करते हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन को अच्छा और नया बनाने की कोशिशें थोडी कम होती हैं।
मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। इसके लिए न तो किसी हनीमून डेस्टिनेशन पर जाने की जरूरत है, न अनाप-शनाप पैसे खर्च करने की। बस अपने अंतरंग पलों को थोडा रोमैंटिक टच दें और अपने सेक्स जीवन में कुछ प्रयोग करें। सदाबहार रोमैंस का ख्वाब कैसे होगा पूरा, बता रही है सखी।

स्वाद की फैंटसी

कहते हैं, दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है। (यकीन न हो तो फिल्म द लंच बॉक्स देख लें) स्वाद का संबंध पेट से ज्यादा ब्रेन से होता है। कुछ ऐसे स्वाद हैं, जो प्यार को गहराई देने में असरदार हैं। मूड बनाने के लिए डार्क चॉकलेट्स, स्ट्रॉबेरीज, ब्ल्यूबैरीज के गुणगान यूं ही नहीं होते। ऐसे कुछ शोध भी हुए हैं जो बताते हैं कि डार्क चॉकलेट का एक छोटा सा पीस रोज खाने से लो लिबिडो जैसी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा कार्ब और प्रोटीन की संतुलित डाइट, हरी पत्तेदार सब्जियां, ड्राइ फ्रूट्स भी सेक्स डिजायर्स को बढाने में सहायक हैं। सेक्स एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अच्छे सेक्स संबंधों के लिए अच्छी डाइट भी जरूरी है।

हॉट रेड

क्या आपने कभी सोचा है कि दुलहन हमेशा लाल जोडा क्यों पहनती है? दरअसल यह रंग प्रेम, ऊर्जा, जोश व युवावस्था का प्रतीक है। यह व्यक्तित्व को आकर्षक बनाता है। यूएस की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि पुरुष लाल रंग के प्रति ज्यादा आकर्षित होते हैं। जर्नल ऑफ पर्सनैलिटी एंड सोशल साइकोलॉजी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार अधिकतर पुरुषों ने माना कि वे पार्टनर को हॉट रेड में देखना चाहते हैं। पार्टनर का मूड बनाना हो तो बेडरूम में खूबसूरत रेड नाइट वेयर जरूर रखें।

इरॉटिक साहित्य

वास्तु-विशेषज्ञ और एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बेडरूम में टीवी न रखें। मगर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि बेडसाइड टेबल पर इरॉटिका लिटरेचर हो तो रोमैंस की संभावना बढ जाती है। एक साइकोथेरेपिस्ट मानती हैं कि घरेलू कार्यो, ऑफिस वर्कलोड और पेरेंटिंग के बीच पिसते आधुनिक दंपतियों के जीवन से सेक्स संबंध गायब होते जा रहे हैं। इसलिए उन्हें अपनी सेक्सुअल डिजायर्स को जगाने के लिए कुछ प्रॉप्स चाहिए। वह कहती हैं, इरॉटिक लिटरेचर के कुछ अंश पढने और पार्टनर को पढाने से बाहरी दबाव कम होता है और मूड बनता है। सेक्स के बारे में गंभीर और ईमानदार बातचीत के लिए मधुर संगीत और किताबों से बडा ल्युब्रिकेंट और कुछ नहीं है। यह अंतरंग रिश्तों को मजबूत बनाता है। एक-दूसरे से सेक्सुअल डिजायर्स बांटने का भी यह बेहतरीन तरीका है। तो देर न करें, अगर अभी तक अल्ट्रा पॉपुलर बुक फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे नहीं पढी है तो खरीद लें।

खुशबू सी कोई महके

अपने नाइटस्टैंड में सेंटेड ऑयल्स और क्रीम्स रखें। बेडरूम में सेंसुअस मसाज के महत्व को न नकारें। भीनी-भीनी खुशबू के लिए अरोमा कैंडल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मन को खुश करने वाले हॉर्मोस पैदा करती हैं। लिबिडो बूस्टिंग सेंट्स से इच्छाएं जगाने में मदद मिलती है। लेवेंडर-जैसमीन भी मन को सुकून देते हैं। वनिला, रोज या जिरेनियम का प्रयोग भी कर सकते हैं।

रोमैंटिक कॉर्नर

बेडरूम में रोमैंटिक कॉर्नर क्यों? इसका जवाब है, क्योंकि कभी-कभी सेक्स के इतर भी कुछ चाहिए। रोमैंस के कुछ ऐसे पल जो बॉण्डिंग मजबूत करें। बेडरूम में स्टाइलिश लवसीट या आर्मचेयर जरूर रखें और फुर्सत में अपने इस रोमैंटिक कॉर्नर का मजा लें। चाहे गपशप करें या फिर यूं ही खामोशी का आनंद लें पुराने दिनों की तरह। ..बेडरूम के माहौल को खूबसूरत बनाएं।

दिन भर की थकान मिटेगी और मूड अच्छा होगा। थोडा सा रूमानी हो जाएं, फिर देखें इश्क का जादू कैसे सिर चढ कर बोलता है।

जगाएं मखमली एहसास

बेडरूम का माहौल मूड बनाने में मददगार होता है। इंटीमेसी के लिए यहां कुछ ऐसी चीजें जरूर होनी चाहिए, जो मूड-बूस्टर का काम करें। कलर स्कीम ऐसी हो, जो सेक्सुअल डिजायर्स जगाने में मददगार हो। पर्सनल स्पेस को क्लटर-फ्री रखें। बेडरूम में टीवी या मिरर्स हों तो उन्हें कवर करें। ऑफिस फाइल्स यहां न रखें। इसके बजाय कुछ यादगार तसवीरें रखें। रोमैंटिक पेंटिंग्स या फोटो फ्रेम्स भी रख सकते हैं। बाहर का शोर और रोशनी भीतर न आए, इसके लिए कमरे को साउंडप्रूफ बना सकते हैं या पर्दे थोडे हेवी लें। मेट्रेसेज सॉफ्ट हों और सैटिन की शीट्स हों, ताकि कुछ मखमली एहसास जग सकें।

मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं।

जल्द दुल्हन बनेंगी तापसी!

बॉलीवुड में इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। हाल ही में, अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने जैकी भगनानी के साथ शादी रचाई है। वहीं, अफवाहों का बाजार गर्म है कि जल्द ही बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दुल्हन बनने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'डंकी' स्टार तापसी पन्नू आने वाले दिनों में मैथियास बोए की दुल्हन बन जाएंगी।

तापसी पन्नू बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया पर सबके साथ साझा नहीं करती हैं। वे पिछले कई सालों से मैथियास बोए को डेट कर रही हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी इस बात को खुलकर सबके सामने कबूल नहीं किया। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस साल मार्च के आखिरी सप्ताह में तापसी मैथियास बोए के साथ सात फेरे लेने जा रही हैं। तापसी पन्नू अपने और मैथियास के रिश्ते को लेकर काफी सतर्कता बरतती नजर आती हैं। अभिनेत्री मैथियास के साथ अपनी कम ही तस्वीरों को फैंस के साथ साझा करती हैं। वहीं, अब खबर आ रही है कि जल्द ही तापसी शादी करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वे मार्च के महीने में उदयपुर में सात फेरे लेने वाली हैं।

तापसी और मैथियास की शादी से जुड़े कई अपडेट्स सामने आ रहे हैं। अगर सूत्रों की मानें तो तापसी मैथियास के साथ सिख और क्रिश्चियन दोनों, रीति-रिवाज से शादी करेंगी। 36 साल की तापसी 43 साल के मैथियास के साथ शाही अंदाज में शादी करने के लिए तैयार हैं। तापसी के होने वाले जीवनसाथी मैथियास डेनमार्क के बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। वह दो बार के यूरोपियन चैंपियन और ओलंपिक मेडलिस्ट रह चुके हैं।

पूर्वांचल का अनूठा प्रमोशन

सांसद निरहुआ, आम्रपाली और अवधेश मिश्रा ने बांधा शमा

आजमगढ़ मे स्थानीय सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ की बहुचर्चित वेब सीरीज पूर्वांचल के प्रमोशन के लिए निर्माता चैनल चौपाल की टीम आजमगढ़ पहुंची। हरिओध कला भवन में उनकी टीम के नितिन गुप्ता, अनुज शर्मा के साथ सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, आम्रपाली दुबे और अवधेश मिश्रा, संतोष श्रीवास्तव और अजीत पांडेय और याशी फिल्म्स के पंकज तिवारी भी पहुंचे। आजमगढ़ और आसपास के क्षेत्र से आए सोशल मीडिया इन्फेलुसर से उन्होंने बातें की। इन्फेलुसर का नेतृत्व गौरव पंडित ने किया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में आये इन्फेलुसर ने कलाकारों के साथ रील्स बनाये। इस मौके पर सांसद निरहुआ ने कहा कि आजमगढ़ की पृष्ठभूमि पर बनी 'पूर्वांचल' को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। वेब सीरीज के निर्माता अभय सिन्हा और निर्देशक धीरज पंडित हैं।

इस मौके पर याशी फिल्म्स के पंकज तिवारी भी मौजूद थे। प्रमोशन की खासियत रही पूर्वांचल के चुटीले संवाद, जिसे बार-बार दोहरा कर सांसद निरहुआ, आम्रपाली दुबे और अवधेश मिश्रा ने खूब तालिया बटोरी। सांसद निरहुआ भी पूरी तरह से मनोरंजन के रंग में रंगे दिखे। चौपाल के नितिन गुप्ता ने बताया कि चौपाल पर मनोरंजन का खजाना है, जिसे मात्र 49 रुपये के सबस्क्रीपशन पर दर्शक देख सकते हैं।

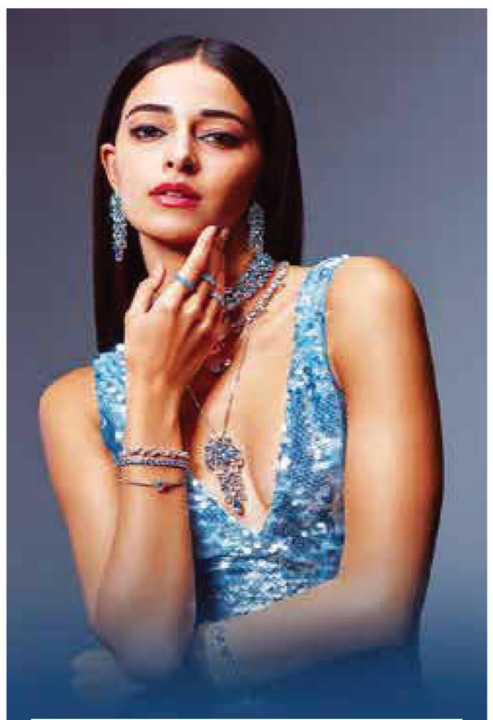

अनन्या बनने वाली हैं मौसी

एक्ट्रेस अनन्या पांडे की कजिन बहन अलाना पांडे ने बीते साल मार्च में अपने विदेशी ब्वॉयफ्रेंड इवोर मैकक्रे से शादी की थी। इस कपल ने पूरे हिंदू रीति-रिवाजों से एक दूसरे को अपना जीवन साथी बनाया था। वहीं अब इस कपल ने फैंस के साथ बड़ी न्यूज शेयर की है, जिसमें इन्होंने बताया है कि ये जल्द पेरेंट्स बनने जा रहे हैं। अलाना पांडे ने खुद ये गुड न्यूज फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की है। 28 फरवरी को अलाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति इवोर मैकक्रे के साथ एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अलाना अपना बेबी बंप शो करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा वीडियो में अलाना के सोनोग्राम की भी एक झलक देखने को मिलती है। इस दौरान अलाना फ्लोरल स्ट्रिंग ड्रेस में बेहद प्यारी लग रही हैं और इवोर व्हाइट शर्ट और ट्राउजर में नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर सिंगर सिडनी रोज का सॉन्ग टर्निंग प्वाइंट बज रहा है। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, हम आपसे पहले से ही बहुत प्यार करते हैं, हम आपसे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। अलाना के इस पोस्ट पर पांडे परिवार के अलावा कई सेलेब्स ने भी बधाई दी है। अलाना की दोस्त चंद्री कारावी ने लिखा, ओमजी बधाई हो, आप दोनों के लिए खुश हूं। इसके अलावा अलाना पांडे की चाची और अनन्या पांडे की मम्मी ने लिखा है, अलाना हमें भी इसका इंतजार नहीं हो रहा है, आप दोनों को ढेर सारा प्यार और बेस्ट विशेज। तानिया श्रॉफ ने लिखा, बधाई हो। आलिया कश्यप ने लिखा, ओमजी!!!!!! मैं आप लोगों के लिए बहुत खुश हूं... बधाई हो।

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर के हाथों सम्मान

ईवॉलंटियर अवाड्र्स का 12वां संस्करण 24 फरवरी को मुंबई में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आईवॉलिंटियर के सह-संस्थापक और निदेशक शलभ सहाय ने कहा कि इस अवार्ड से हम उन लोगों का सम्मान करते हैं जो निस्वार्थ भाव से सकारात्मक बदलाव में योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस इस वर्ष का आईवॉलिंटियर अवार्ड व्यक्तियों, गैर सरकारी संगठनों और कंपनियों द्वारा किए गए उनकी स्वयंसेवा के मद्देनजर दिया गया। ये अवाड्र्स चार कैटेगरी वॉलिंटियर हीरो, यूथ चैंपियन, लीडर इन इंगेजमेंट और लीडर इन इंप्लोई वॉलिंटियरिंग में थे। उन्होंने कहा कि इन विजेताओं का चयन हमारी एक राष्ट्रीय जूरी ने किया। अवाड्र्स के चयन के एक जूरी मेंबर स्टेफ़नी एंड्रीक्स ने कहा कि इस तरह के अवाड्र्स से व्यक्ति प्रेरित होते हैं। अवाड्र्स का चयन निश्चित रूप से आसान नहीं था। हमने तय सभी प्रक्रियाओं का पालन किया। मशहूर सेलिब्रेटी श्रिया पिलगांवकर और आईवालंटियर के सह-संस्थापक और निदेशक शलभ सहाय ने आईवालंटियर अवाड्र्स के 12वें संस्करण के वालंटियर हीरो कैटेगरी में विजेता अवुला शोभना को सम्मानित किया।

'इस सबका खामियाजा शिल्पा को भुगतना पड़ा'

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की तरह उनके पति बिजनेसमैन राज कुंद्रा पर्दे पर अपना डेब्यू कर चुके हैं। बीते साल नवंबर में राज की फिल्म 'यूटी69' रिलीज हुई थी। ये फिल्म राज की कहानी पर बनी और इस फिल्म का हीरो भी राज कुंद्रा ही थे। साल 2021 में राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्मों को बनाने का आरोप लगा था, जिसके बाद उन्हें कुछ वक्त तक जेल में भी रहना पड़ा था। अब एक बार फिर राज कुंद्रा ने अपने उन दिनों को याद किया और बताया कि मेरी वजह से मेरी पत्नी को काफी कुछ झेलना पड़ा था और इस स्कैंडल ने उनकी निजी जिंदगी पर काफी असर डाला। राज कुंद्रा ने कहा है, इस स्कैंडल का उनकी शादी पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने स्वीकार किया कि हालांकि जो कुछ भी हुआ वह भयानक था, लेकिन आपसी समझ और विश्वास के कारण उन्हें अपनी पत्नी शिल्पा शेट्टी से हिम्मत मिली। उन्होंने कहा कि अगर कोई उन्हें उनके बारे में कुछ बताता है, तो उन्हें पता होता है कि कितना विश्वास करना है। आगे बताते हुए राज ने खुलासा किया कि जब शिल्पा ने इस मामले के बारे में सुना तो वह हंस पड़ीं और कहा कि यह सच नहीं है। राज ने आगे कहा, ₹यदि आप एक साथ घर पर रह रहे हैं और इसमें अश्लील फिल्म जैसी कोई चीज शामिल है, तो आपको पता चल जाएगा। आगे राज ने बताया कि इन सबका खामियाजा मेरी पत्नी शिल्पा शेट्टी को भुगतना पड़ा था। शिल्पा को कई कॉन्ट्रैक्ट और टेलीविजन काम गंवाने पड़े थे। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि मैंने एक सेलिब्रिटी से शादी की है। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो मुझे नहीं लगता है कि इसका आधा भी नुकसान होता। मुझे लगता है कि वे मुझ पर नहीं, बल्कि मेरी पत्नी और बच्चों पर हमला कर रहे थे। राज ने कहा की आज भी लोग सोशल मीडिया पर शिल्पा शेट्टी को ट्रोल करते हैं और उन्हें अश्लील फिल्म बनाने वाले की बीवी कहते हैं।

करीना ने की कंगना की तारीफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने कंगना रनौत की प्रशंसा की। करीना का मानना है कि कंगना रनौत की वजह से फिल्म इंडस्ट्री में बहुत सारे बदलाव आए हैं। इतना ही नहीं, करीना कपूर ने अपनी फीस और बढ़ती उम्र पर भी बात की। करीना ने कहा कि ऐसा नहीं है कि वह बहुत ज्यादा डिमांड कर रही हैं। वह उतना ही डिमांड कर रही हैं जितना सही और सम्मानजनक है। पढ़िए और क्या बोलीं करीना।

करीना ने कहा, "मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री काफी बदल गई है। अब एक्ट्रेसेस फिल्मों में बड़ी और अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। वे ऐसी फिल्में कर रही हैं जिन्हें दर्शक पसंद कर रहे हैं। चाहे कंगना रनौत हो, विद्या बालन हो, दीपिका पादुकोण हो या फिर मैं... हमने हमेशा उन भूमिकाओं के लिए 'हां' कहा है जिसमें महिलाआएं सिर्फ शोपीस नहीं बल्कि अहम भूमिकाएं निभा रही हो। हम सभी ने कोई न कोई बदलाव लाया है फिर वो कैरेक्टर हो, फीस हो या फिर फीमेल एक्ट्रेसेस को मिलने वाला सम्मान हो।

गोधरा ट्रेन जलने की घटना का खुलासा करेंगे विक्रांत

विधु विनोद चोपड़ा की '12वीं फेल' की सफलता के बाद अभिनेता विक्रांत मैसी ने वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित एक और फिल्म साइन की है। विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा के साथ 'द साबरमती रिपोर्ट' में अभिनय करेंगे, जिसकी कहानी 2002 की गोधरा ट्रेन जलने की घटना पर आधारित है। फिल्म के हालिया रिलीज पोस्टर ने फैंस का उत्साह बढ़ाया हुआ था। वहीं, कुछ देर पहले जारी हुए फिल्म के टीजर ने उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। इस टीजर में कहानी की एक झलक देखने को मिली है, जिसे दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं।

विक्रांत मैसी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से 'साबरमती रिपोर्ट' का टीजर साझा किया है। वीडियो में विक्रांत मैसी को एक हिंदी पत्रकार समर कुमार की भूमिका में दिखाया गया है, जो 27 फरवरी, 2002 को स्टूडियो में बैठकर गोधरा ट्रेन जलने की खबर देते नजर आ रहे हैं। इसमें ट्रेन हादसे को साजिश के तहत घटना बताया गया है। अभिनेता ने टीजर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 22 साल पहले गोधरा ट्रेन जलने की घटना में अपनी जान गंवाने वाले 59 निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। 3 मई, 2024 को सिनेमाघरों में पेश है साबरमती रिपोर्ट।' बता दें कि फिल्म का निर्माण एकता आर कपूर के बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा किया गया है।

फिल्मी और टीवी सितारों का लगा जमघट

दो दशक से हर साल गुजराती फिल्म के कलाकारों और टेक्नीशियन को प्रतिष्ठित ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन ऐंड स्टेज अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। इस पुरस्कार समारोह में हर साल बड़े बड़े स्टार शामिल होते हैं। 21वें ट्रांसमीडिया गुजराती अवार्ड का आयोजन भव्य रूप से मुंबई के तुलिप स्टार होटल में किया गया तो यहां फिल्म, टीवी सितारों की भारी संख्या मौजूद रही। ट्रांसमीडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर जस्मिन शाह ये अवार्ड पिछले 21 वर्षों से बड़े भव्य ढंग से करते आ रहे हैं।

21वें ट्रांसमीडिया गुजराती फिल्म ऐंड टीवी अवॉड्र्स में थ्री इडियट्स फेम शरमन जोशी, ऐक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल, निर्माता आनंद पंडित, ऐक्टर अनंग देसाई, जयंती लाल गड़ा, अर्जन बाजवा, मायरा खान, मानसी पारेख, पार्थिव गोहिल, मानव गोहिल, उर्वशी सोलंकी इत्यादि ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। शरमन जोशी को लेट गोविंदभाई पटेल महारथी अवार्ड मिला।

गुजराती रंगमंच और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियों का हौसला और उनका सम्मान बढ़ाने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन एंड स्टेज अवार्ड की जस्मीन शाह ने साल 2001 से शुरुआत की थी और इस साल इस समारोह ने अपना 21 वर्षों का लंबा और कामयाब सफर पूरा कर लिया है।

यहां कई कलाकारों की अच्छी परफॉर्मेंस भी देखने को मिली। इस अवॉर्ड शो के ब्रॉडकास्ट पार्टनर कलर्स गुजराती और कलर्स गुजराती सिनेमा चैनल्स हैं।

अभिनेता अनंग देसाई को यहां लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला। गुजराती फ़िल्म चल मनवा जीतवा जाए 2 के लिए बेस्ट एक्टर का पुरुस्कार धर्मेन्द्र गोहिल, बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड मानसी पारेख गोहिल (कच्छ एक्सप्रेस) और बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड पल्लव पारिख को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ गुजराती फ़िल्म का इनाम ₹कच्छ एक्सप्रेस₹ (सोल सूत्रा) को मिला वहीं बेस्ट चिल्ड्रेन फ़िल्म का अवार्ड ₹मस्ती नी पाठशाला₹ (फ्रेंड्स थिएटर ग्रुप) को मिला।

रश्मिका ने होने वाले पति के गुणों का किया खुलासा

ब्युटिफुल एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। फैंस उनकी फिल्मों के साथ ही साउथ के पॉपुलर एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ उनकी केमेस्ट्री भी बहुत पसंद करते हैं। रश्मिका और विजय के अफेयर को लेकर कई बार अफवाहें उड़ चुकी हैं। हालांकि, दोनों ने हमेशा इन खबरों पर चुप्पी साधी।

फैंस रश्मिका और विजय की जोड़ी को एक बार फिर किसी फिल्म में देखने के लिए बेताब हैं। उनकी सिजलिंग केमेस्ट्री का जादू कुछ इस कदर लोगों के सिर चढ़कर बोलता है कि लोग तारीफ करते नहीं थकते। फैंस उनके रिलेशन पर कन्फर्मेशन के साथ ही इसकी भी इच्छा जताते हैं कि ये दोनों शादी कर लें। इस बीच रश्मिका का एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने होने वाले पति के नाम पर एक बड़ी हिंट दी है।

रश्मिका मंदाना के फैन क्लब की तरफ से पोस्ट शेयर किया गया कि एक्ट्रेस का पति बनने के लिए किसी में क्या गुण होने चाहिए। उसमें आगे लिखा था, 'वो इंडिया की नेशनल क्रश हैं। उनका पति स्पेशल होना चाहिए। उनका पति वीडी की तरह होना चाहिए। वीडी मतलब बहुत डेयरिंग। वह जो उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। हम उन्हें क्वीन बुलाते हैं, तो उनका हसबैंड किंग जैसा होना चाहिए।' इस पोस्ट पर रश्मिका मंदाना के रिप्लाई ने फैंस का एक्साइटमेंट लेवल बढ़ा दिया है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'ये बिलकुल सही है।' एक्ट्रेस के रिप्लाई पर एक यूजर ने लिखा, 'उन्होंने इन्डायरेक्टली कन्फर्म कर दिया है।' वहीं, एक अन्य ने लिखा, 'मुझे लगता है रश्मिका आगे चलकर विजय से शादी करेंगी।'

दलेर मेहंदी संग नजर आएंगी तृप्ति

दलेर मेहंदी ने हिंदी और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को कई सुपरहिट गाने दिए हैं। इनमें उनका 'ना ना ना रे' गाना भी शामिल है, जिसका रिबूट आने वाला है। दलेर मेहंदी का ये गाना खूब पॉपुलर हुआ था। ऐसे में 'ना ना ना रे' का नया वर्जन फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। 'ना ना ना रे' की कास्टिंग बेहद खास रखी गई है। ओरिजिनल गाने की तरह ही रिबूट में भी दलेर मेहंदी नजर आएंगे। उनके साथ दो पॉपुलर बॉलीवुड एक्टर्स भी दिखाई देंगे। 'ना ना ना रे' गाना एक अपकमिंग फिल्म का हिस्सा होगा, जिसकी शूटिंग नॉर्थ इंडिया में होगी। गाने में दलेर मेहंदी के साथ एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी नजर आएंगी, जिन्होंने फिल्म एनिमल को लेकर खूब चर्चा बटोरी और नेशनल क्रश बन गई हैं। इनके अलावा गाने में दमदार अभिनेता राजकुमार राव भी शामिल हैं।

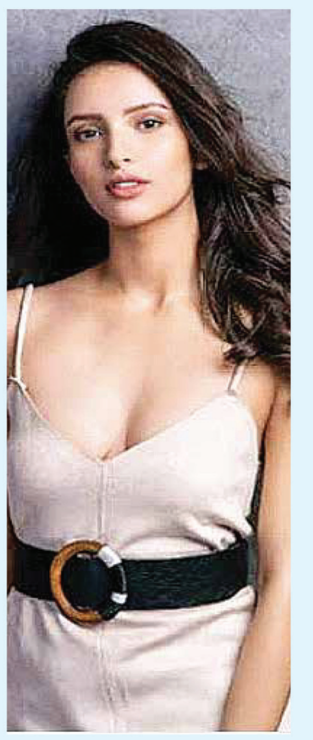

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009